वर्ष : 34 | अंक : 316 | मुंबई, गुरुवार, 22 जनवरी 2026 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल | संरक्षक : एन. के. पुरोहित

DBD
दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

मुंबई सहित राज्य की 29 मनपा के महापौर पद के आरक्षण का ड्रॉ आज

आज निकलेगी महापौर की 'लॉटरी'

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई सहित राज्य की 29 महानगरपालिकाओं में महापौर पद का आरक्षण तय करने के लिए गुरुवार को मंत्रालय में लॉटरी निकाली जाएगी। नगर विकास राज्य मंत्री माधुरी मिसाल की अध्यक्षता में यह प्रक्रिया संपन्न होगी। जैसे ही महापौर पद का आरक्षण तय होगा, विभिन्न महानगरपालिकाओं में महापौर चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी और सत्ता स्थापना की राजनीतिक गतिविधियों को तेज़ी मिलेगी। इसके साथ ही यह स्पष्ट हो जाएगा कि राज्य की किस महानगर पालिका में किस श्रेणी (संवर्ग) के पार्षदों को महापौर पद का चुनाव लड़ने का मौका मिलेगा।

रोटेशनल पद्धति से तय होगा आरक्षण

उल्लेखनीय है कि इस बार महापौर पद का आरक्षण नई लॉटरी से नहीं, बल्कि चक्राकार (रोटेशनल/सर्कुलर) पद्धति से तय किए जाने की संभावना जताई जा रही है। इसका अर्थ है कि पिछली बार जिस वर्ग को महापौर पद मिला था, उसी वर्ग को दोबारा मौका नहीं मिलेगा, बल्कि अन्य वर्गों को अवसर दिया जाएगा।

क्या है चक्राकार (रोटेशनल) पद्धति?

महापौर पद का आरक्षण हर कार्यकाल में घूमता रहता है। पिछले 20 वर्षों में जिन वर्गों को महापौर पद मिल चुका है, उन्हें छोड़कर अन्य वर्गों की चिट्ठियां लॉटरी में डाली जाती हैं। यदि पिछला महापौर सामान्य वर्ग से रहा हो, तो अगली बार उस वर्ग पर विचार नहीं किया जाता। इसके अलावा एससी, एसटी, ओबीसी, महिला जैसे वर्गों को क्रमशः अवसर दिया जाता है। इससे सभी सामाजिक वर्गों को समान अवसर मिलते हैं और आरक्षण व्यवस्था संतुलित बनी रहती है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि महापौर पद ओबीसी, एससी, एसटी या महिला वर्ग के लिए आरक्षित होता है, तो कई महानगरपालिकाओं में सत्ता संतुलन बदल सकता है। इससे नए चेहरे उभरेंगे और स्थानीय राजनीति को नई दिशा मिलेगी। गुरुवार को होने वाली यह लॉटरी केवल एक प्रशासनिक प्रक्रिया नहीं, बल्कि राज्य की शहरी राजनीति की दिशा तय करने वाला अहम कदम मानी जा रही है।

राजनीतिक दलों की तैयारी तेज

मनपा चुनाव के परिणाम घोषित होने के बाद सभी निर्वाचित पार्षदों के नाम राजपत्र में प्रकाशित हो चुके हैं। सभी राजनीतिक दल अब अपने क्षेत्र संबंधित संभागीय आयुक्त कार्यालयों में अपने-अपने पार्षदों सहित अपने गुटों के पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी कर रहे हैं। हालांकि महापौर कौन बनेगा, इस पर चर्चाएं जोरों पर हैं, लेकिन उससे पहले यह तय होना जरूरी है कि महापौर पद किस वर्ग के लिए आरक्षित होगा। इसी के आधार पर राजनीतिक दल अपने उम्मीदवार तय करेंगे और गठबंधन की रणनीति बनाएंगे।

इन 29 मनपा में तय होगा महापौर आरक्षण

अमरावती, अकोला, नागपुर, चंद्रपुर, मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, उल्हासनगर, कल्याण-डोंबिवली, भिवंडी-निजामपुर, मीरा-भायंदर, वसई-विरार, पनवेल, नाशिक, अहिल्यानगर, जलगांव, धुले, मालेगांव, पुणे, पिंपरी-चिंचवड, सोलापुर, कोल्हापुर, इचलकरंजी, सांगली-मिरज-कुपवाडा, छत्रपति संभाजीनगर, नांदेड-वाघाला, परभणी, जालना, लातूर।

अजब महाराष्ट्र की गजब सियासत

- पुरानी दुश्मनी भूलकर साथ आए शिंदे-राज ठाकरे
- केडीएमसी में बीजेपी का 'मेयर' बनाने का सपना अटका

डीबीडी संवाददाता | कल्याण

इस बार हुए महाराष्ट्र नगर महापालिका चुनाव में कई अप्रत्याशित घटनाएं घटी साबित कर दिया कि महाराष्ट्र की सियासत में 'कभी भी कुछ भी हो सकता है'। बीएमसी चुनाव में ढाई दशक की सत्ता पर दोबारा काबिज होने के लिए जहां 20 साल बाद शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे और मनसे प्रमुख राज ठाकरे साथ आए। वहीं, सत्ता के लिए धुर विरोधी AIMIM और बीजेपी का गठबंधन भी हुआ, जबकि विचारधारा को त्याग कर कांग्रेस और बीजेपी ने हाथ मिलाया। वहीं, सत्ताधारी बीजेपी, शिंदे सेना और एनसीपी अजित पवार गुट ने एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ा और आरोप-प्रत्यारोप लगाए।

कल्याण-डोंबिवली नगर निगम: सीट समीकरण

कुल सीटें: 122

शिवसेना	भाजपा	शिवसेना (UBT)	अन्य दल
53 पार्षद	50 पार्षद	11 सीटें	8 सीटें
वर्तमान में सबसे बड़ा दल	दूसरी सबसे बड़ी शक्ति	उद्धव ठाकरे गुट	• मनसे (5) • कांग्रेस (2) • राष्ट्रवादी शरद पवार गुट (1)

शिवसेना और बीजेपी में मेयर को लेकर विवाद

122 सदस्यीय कल्याण-डोंबिवली नगर निगम (KDMC) के चुनाव में बीजेपी ने अच्छा प्रदर्शन किया और 50 सीटें जीतीं। यह इलाका शिंदे का गढ़ माना जाता है। वहीं, शिंदे गुट की शिवसेना को 53 सीटें मिलीं और मनसे ने 5 सीटें जीतीं। उद्धव ठाकरे गुट की शिवसेना को 11 सीटें मिलीं। KDMC में सत्ता बनाने के लिए किसी पार्टी या गठबंधन को 62 सीटों की जरूरत है। हालांकि महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ महायुति का हिस्सा होने के बावजूद, शिवसेना और बीजेपी कल्याण-डोंबिवली में मेयर पद को लेकर आमने-सामने आ गई हैं।

श्रीकांत शिंदे ने की पुष्टि

बुधवार को कोंकण भवन में हुई एक हाई-लेवल बैठक के बाद शिवसेना सांसद और एकनाथ शिंदे के बेटे श्रीकांत शिंदे ने राज ठाकरे की पार्टी के साथ गठबंधन की पुष्टि की। इस गठबंधन की कुल संख्या 58 तक पहुंच गई है, जो बहुमत से सिर्फ़ चार सीट कम है। बैठक के दौरान श्रीकांत शिंदे ने संकेत दिया कि उद्धव ठाकरे गुट के चार पार्षद इस गठबंधन में शामिल हो सकते हैं। अगर ऐसा होता है, तो गठबंधन आसानी से 62 के बहुमत के आंकड़े को पार कर जाएगा और बीजेपी के साथ सत्ता साझा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

आगबबूला हुए संजय राउत

शिवसेना (UBT) सांसद संजय राउत ने मनसे और एकनाथ शिंदे की शिवसेना के बीच हुए अप्रत्याशित गठबंधन पर कड़ा प्रहार किया है। राउत ने शिंदे गुट की तुलना 'एमआईएम' से करते हुए इसे मराठी मानुष के साथ विश्वासघात बताया है। उन्होंने आरोप लगाया कि यह गुट पूरी तरह से बेईमान और महाराष्ट्रद्रोही है, जिसने न केवल बालासाहेब ठाकरे के विचारों के साथ बल्कि पूरे राज्य के साथ गद्दारी की है। राउत के अनुसार, जो लोग इन 'गद्दारों' का साथ दे रहे हैं, वे भी उन्हीं विशेषणों के पात्र बन जाते हैं। मनसे द्वारा शिंदे गुट को दिए गए समर्थन पर संजय राउत ने कहा कि इसे केवल स्थानीय स्तर का फैसला कहकर टाला नहीं जा सकता।

बीजेपी के लिए झटका

चुनाव के बाद आया यह नया मोड़ बीजेपी के लिए झटका माना जा रहा है। बीजेपी 2 I5 साल के रोटेशन में मेयर पद साझा करने की मांग कर रही थी, जबकि शिंदे गुट की शिवसेना पूरे कार्यकाल के लिए मेयर पद अपने पास रखना चाहती है। पिछले कल्याण-डोंबिवली नगर निगम चुनाव में अविभाजित शिवसेना ने 52 सीटों के साथ जीत हासिल की थी। इस महीने की शुरुआत में दिसंबर 2025 में हुए अंबरनाथ और अकोला नगर परिषद चुनावों में भी ऐसे ही हालात देखने को मिले थे। अंबरनाथ में बीजेपी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन किया, जबकि अकोला में उसने असदुद्दीन ओवैसी की AIMIM के साथ हाथ मिलाया।

BMC मेयर पर भी सस्पेंस बरकरार

यह सारा घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब मुंबई की बृहन्मुंबई नगर निगम (BMC) को लेकर भी सस्पेंस बना हुआ है। बीजेपी-शिंदे सेना गठबंधन ने ठाकरे परिवार का लगभग तीन दशक पुराना दबदबा खत्म कर दिया है। 227 सदस्यीय BMC में बहुमत के लिए 114 सीटों की जरूरत होती है। महायुति ने 118 वार्ड जीतकर बहुमत का आंकड़ा पार कर लिया है। इसके बावजूद मेयर पद को लेकर सहमति नहीं बन पाई है। स्थिति तब और नाटकीय हो गई।

दायित्वनामा

संपादक सुधांशु शेखर नहीं रहे

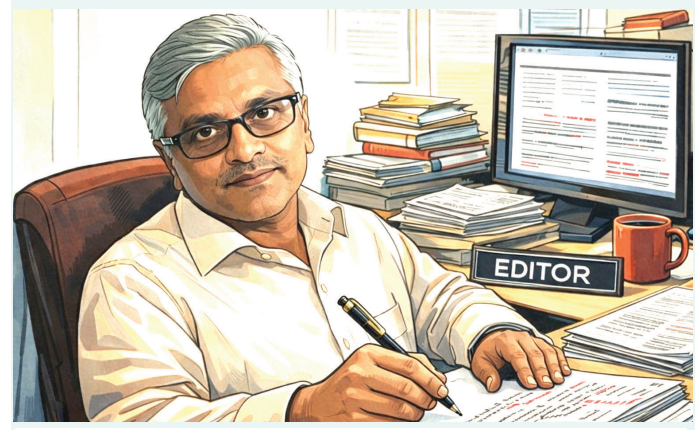

मुंबई हिंदी पत्रकारिता का एक प्रमुख स्तंभ रहे सुधांशु शेखर नहीं रहे। मैं जब पत्रकारिता में आया, तो सबसे पहले प्रभावित करने वाले लोगों में से एक थे सुधांशु शेखर। पहली मुलाकात बड़ी जोरदार रही। मैंने अपने अल्हड़पन में इंटरव्यू में ही उन्हें उनकी बताई बातों पर टोक दिया। उन्होंने संपादकीय गरिमा और दायित्व के साथ उसे स्वीकार किया, मेरे बचपने को मुस्कराते हुए सहा और लगभग जबरजस्ती मुझे नौकरी दी।

उनके साथ लगभग पांच साल काम करने के दौरान बहुत से किस्से हैं हमारे पास, जिन्हें सुना कर उनके व्यक्तित्व की झलक दिखाई जा सकती है। वे बेहद ठसक से रहने वाले, अपने पत्रकारों से ज्यादा घुलने-मिलने से परहेज करने वाले संपादक रहे। पर उन्होंने हमेशा अपने लोगों का ख्याल रखा। पत्रकारिता के प्रति पूरी तरह से समर्पित संपादक की आखिरी खेप रहे वे। उन्हें पीआर करना कभी नहीं आया। इंसानियत उनमें कूट-कूट कर भरी थी। जब मैं उनके साथ सब-एडिटर के रूप में काम कर रहा था, तब वे मुझ पर एक के बाद एक काम लादते गए। मुझसे चार लोगों का काम करवाया। उस समय दबाव में काम करने में शुरुआत में काफी दिक्कत महसूस हुई। वे कठोरता से भरे हुए थे, काम को लेकर बेहद सजग। हम उनके डर से गलतियां करने से डरने लगे। कुछ समय में चार गुना काम भी सरल लगने लगा। उनके साथ काम करते हुए कभी महसूस नहीं हुआ कि उन्होंने हमारे विकास में क्या योगदान दिया। पर वहां से निकलकर जब बाहर गए, तब हम इतने मजबूत हो गए थे कि सब "हलवा" लगने लगा। एक युवक जो बेहद बदतमीजी से भरा था, पत्रकारिता से दूर-दूर तक जिसका वास्ता नहीं था। न उसने इतिहास पढ़ा, न भूगोल, न दर्शन, न ही उसे देश-दुनिया की समझ थी। वह पत्रकारिता की पढ़ाई करके किसी तरह अखबार में सब-एडिटर की नौकरी पर आ गया। साथ के सीनियर सब-एडिटर, जो खुद पत्रकारिता के लायक नहीं थे, पर जिन्हें न्यूज एडिट करनी आती थी, ने उसे परेशान करना शुरू किया। वह सीख रहा था, पर जैसा अक्सर होता है कि खोखला इंसान हमेशा किसी को नीचा दिखाकर खुद को संतोष देता है, यहां भी ऐसा ही होने लगा। एक दिन एक सीनियर सब-एडिटर बड़े तैस में आकर उस लड़के को सुधांशु जी के पास ले गए और कहा—इसे कुछ नहीं आता, इसे नौकरी से निकाल दीजिए। सुधांशु सर ने तुरंत कहा—तुम्हें क्या आता है? क्या तुम्हें लगता है कि कॉपी की भाषा और मात्रा सुधारने को पत्रकारिता कहते हैं? कुछ पढ़ा-लिखा है कभी? क्या जानते हो भारतीय समाज, इतिहास और दर्शन के बारे में? क्या विश्व की किसी क्रांति से परिचित हो?

अरुण लाल
arunlal.y@gmail.com

उनकी लताड़ से सीनियर मुंह लटका कर लौट आए। सुधांशु सर ने मुझे बुलाया और कहा—इस लड़के को तुम्हारे साथ लगा दूं, इसके साथ लोगों का व्यवहार ठीक नहीं। खैर, वह लड़का मेरे साथ काम करने लगा। ऐसे बहुत सारे किस्से हैं, जो उनके बेहतरीन संपादक होने के उदाहरण हैं।

कुछ साल पहले उनसे मुलाकात हुई। अपनी अनोखी मुस्कान के साथ उन्होंने कहा—अच्छा कर रहे हो। मुझे लगा जैसे आज भी वे मेरे संपादक हैं। यहां एक बेहतरीन संपादक को सम्मान भरी विदाई देना हम अपना दायित्व समझते हैं। शायद उन्हें भाव व्यक्त करना न आता रहा हो, पर उन्होंने लोगों की भलाई, उनके व्यक्तित्व के विकास और पत्रकारिता के लिए आजीवन अपना दायित्व निभाया।

ब्रीफ न्यूज़

विशेष अदालतों से न्यायिक व्यवस्था मजबूत होगी : शीर्ष कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को कहा कि अतिरिक्त सुनवाई अदालतों की स्थापना से न्यायिक व्यवस्था 'मजबूत' होगी। ऐसे में आरोपियों को आपराधिक मामलों में त्वरित सुनवाई या जमानत जैसी राहत पाने के लिए शीर्ष अदालत आने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) सूर्यकांत तथा न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति विपुल एम. पंचोली की पीठ ने बुधवार को अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से राष्ट्रीय राजधानी में विशेष अदालत की स्थापना को लेकर हुई प्रगति के बारे में पूछा। सीजेआई ने कहा कि मुख्य सवाल यह है कि एक ऐसा मजबूत तंत्र कैसे बनाया जाए जिससे उनमें से किसी को भी अदालतों में आने की जरूरत न पड़े और ऐसा तभी संभव होगा जब अतिरिक्त अदालतें स्थापित की जाएंगी।

शिवसेना का नाम और चुनाव चिन्ह विवाद केस में टली सुनवाई

मुंबई। सुप्रीम कोर्ट में बुधवार को शिवसेना और उसके चुनाव चिन्ह को लेकर चल रहे विवाद पर सुनवाई नहीं हो सकी। कोर्ट ने अब इस मामले की सुनवाई 23 जनवरी, शुक्रवार तक के लिए टाल दी है। सुप्रीम कोर्ट में इस मामले में आखिरी सुनवाई होनी है। ऐसे में माना जा रहा कि कोर्ट के फैसले का असर स्थानीय निकाय में शक्ति संतुलन पर भी पड़ सकता है। कोर्ट ने सुनवाई की अगली तारीख देते हुए कहा कि शिवसेना के दोनों गुटों (उद्धव और शिंदे) के वकीलों को आखिरी सुनवाई से पहले बहस के लिए पांच घंटे का समय दिया जाएगा। इसके साथ ही शीर्ष अदालत ने शिवसेना और चुनाव निशान विवाद पर सुनवाई शुक्रवार, 11 बजे तक के लिए टाल दी। कोर्ट शिवसेना के साथ-साथ राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के नाम और चुनाव चिन्ह विवाद पर भी अपना फैसला सुनाएगा।

लाडकी बहिन योजना

एक 'गलत सवाल' और 24 लाख पात्र महिलाएं हुईं अपात्र

24 लाख महिलाओं को बनाया सरकारी कर्मचारी, रुकी किस्त

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी 'मुख्यमंत्री माझी लाडकी बहीण' योजना में एक बड़ी तकनीकी और भाषाई चूक सामने आई है। ई-केवाईसी (e-KYC) प्रक्रिया के दौरान फॉर्म में पूछे गए एक भ्रमित करने वाले सवाल की वजह से सिस्टम ने राज्य की करीब 24 लाख पात्र महिलाओं को 'सरकारी कर्मचारी' की श्रेणी में डाल दिया है। इस मानवीय और तकनीकी त्रुटि के कारण इन लाभार्थियों की 1,500 रुपये की मासिक आर्थिक सहायता तत्काल प्रभाव से रुक गई है।

सवाल की पेचीदा बनावट

महिला एवं बाल विकास विभाग के विश्लेषण में सामने आया कि ई-केवाईसी फॉर्म में मराठी भाषा में पूछा गया एक प्रश्न विवाद की जड़ बना। प्रश्न था: "तुमच्या घरातले कोणी सरकारी नोकरीत नाही ना?" (अर्थात: आपके परिवार में कोई सरकारी नौकरी में नहीं है, है न?)। इस प्रश्न की नकारात्मक और जटिल बनावट ने ग्रामीण व शहरी महिलाओं को उलझन में डाल दिया। नियमत: जिन्हें लाभ चाहिए था उन्हें 'नहीं' चुनना था, लेकिन वाक्य के प्रवाह में लाखों महिलाओं ने अनजाने में 'हाँ' पर टिक कर दिया।

डेटा में चौंकाने वाला खुलासा

जब विभाग ने भुगतान रुकने के कारणों की समीक्षा की, तो आंकड़ों ने अधिकारियों को चौंका दिया। आधिकारिक रिकॉर्ड के अनुसार, पूरे महाराष्ट्र में अर्ध-सरकारी निकायों को मिलाकर कुल 8 से 9 लाख सरकारी कर्मचारी हैं। लेकिन इस तकनीकी चूक के कारण योजना के डेटाबेस में अचानक 24 लाख से अधिक लाभार्थी परिवार 'सरकारी नौकरी' वाले दिखाई देने लगे। जब राज्य भर से महिलाओं ने किस्त न मिलने की शिकायतें कीं, तब जाकर इस भाषाई त्रुटि का भंडाफोड़ हुआ।

मैदान में उतरेंगी 1 लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ता

इस बड़ी गड़बड़ी को सुधारने के लिए सरकार ने अब 'डिजिटल' के बजाय 'फिजिकल वेरिफिकेशन' (भौतिक सत्यापन) का सहारा लिया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री अदिति तटकरे ने घोषणा की है कि प्रभावित 24 लाख महिलाओं के रिकॉर्ड को दुरुस्त करने के लिए राज्य भर में लगभग एक लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को जिम्मेदारी सौंपी गई है। ये कार्यकर्ता घर-घर जाकर लाभार्थियों के दावों की सच्चाई जांचेंगी और डेटा को मैन्युअल रूप से अपडेट करेंगी।

पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर बनीं शिवसेना यूबीटी की ग्रुप लीडर

- कोंकण आयुक्त के समक्ष ग्रुप रजिस्ट्रेशन पूरा

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई शहर की पूर्व महापौर किशोरी पेडनेकर को बुधवार को मुंबई महानगरपालिका में शिवसेना (यूबीटी) पार्टी का ग्रुप लीडर नियुक्त किया गया। नगर निगम चुनाव में शिवसेना (यूबीटी) के नवनिर्वाचित 65 पार्षदों की मुंबई में हुई बैठक में यह निर्णय लिया गया। इस बैठक में पार्टी की एक पार्षद अनुपस्थित रहीं। बैठक के बाद शिवसेना (यूबीटी) के सभी नवनिर्वाचित पार्षदों ने कोंकण विभागीय आयुक्त के समक्ष अपना ग्रुप रजिस्टर कराया। इसके साथ ही मुंबई महानगरपालिका में पार्टी के औपचारिक नेतृत्व को लेकर स्थिति स्पष्ट हो गई है।

महापौर पद पर उद्धव ठाकरे का फैसला मान्य

ग्रुप लीडर चुने जाने के बाद किशोरी पेडनेकर ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि मुंबई के महापौर पद को लेकर पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे जो भी निर्णय लेंगे, वह उन्हें स्वीकार होगा। उन्होंने कहा कि महापौर पद के लिए प्रयास जारी हैं और पार्टी लगातार चुनौतियों का सामना कर रही है, लेकिन उनसे निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। साथ ही उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभागृह में केवल ताकत दिखाने के बजाय शिवसेना (यूबीटी) मुंबई की भलाई के लिए हर संभव प्रयास करेगी।

पहल | गुमशुदा बच्चों की तलाश के लिए उचित ध्यान नहीं दे रही हैं राज्य सरकारें: सुको

सुप्रीम कोर्ट ने गुमशुदा बच्चों के लिए एसओपी बनाने की जताई इच्छा

एजेंसी | नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने गुमशुदा बच्चों की तलाश के लिए एक समान मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) बनाने की दिशा में कदम उठाने की इच्छा जताई है। शीर्ष अदालत ने कहा कि बच्चों की गुमशुदगी की समस्या पूरे देश में फैली हुई है और राज्य सरकारें व संबंधित एजेंसियां इस गंभीर मामले पर पर्याप्त ध्यान नहीं दे रही हैं।

तमिलनाडु में लापता बच्ची का मामला

पीठ ने यह टिप्पणी तमिलनाडु में 2011 में लापता हुई एक बच्ची की याचिका पर सुनवाई के दौरान की। बच्ची उस समय केवल 1 साल और 10 माह की थी। जस्टिस एहसानुद्दीन अमनुल्लाह और जस्टिस आर. महादेवन की पीठ ने मामले की गंभीरता पर जोर देते हुए कहा कि समय की संवेदनशीलता को देखते हुए ऐसी घटनाओं में तुरंत कार्रवाई आवश्यक है।

राज्य सरकार की सुस्ती पर अदालत की नाराजगी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि तमिलनाडु सरकार आखिरकार नींद से जागी है और कुछ कदम उठाए हैं, लेकिन राज्य सरकारें अभी भी इस मामले को पर्याप्त प्राथमिकता नहीं दे रही हैं। पीठ ने जोर दिया कि एक समान एसओपी लागू होने से बच्चों को समय पर खोजा जा सकेगा, क्योंकि समय इस मामले में सबसे अहम तत्व है।

पुलिस और मजिस्ट्रेट की निष्क्रियता

याचिकाकर्ता (बच्ची के पिता) ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी, लेकिन पुलिस ने बच्ची को ढूंढने का प्रयास करने के बजाय कुछ ही दिन बाद मजिस्ट्रेट के सामने क्लोजर रिपोर्ट जमा कर दी। इसके बाद याचिकाकर्ता ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दायर की, और मद्रास हाई कोर्ट ने सेंट्रल क्राइम ब्रांच को जांच के लिए निर्देश दिया, लेकिन जांच रिपोर्ट में केवल कहा गया कि बच्ची 'लापता' है।

सेंट्रल रेलवे आरपीएफ का 'मिशन जीवन रक्षक'

'ऑपरेशन जीवन रक्षा' और 'मातृशक्ति' ने बचाई कई जानें

'ऑपरेशन मातृशक्ति': ट्रेन के साधारण डिब्बे में गूंजी किलकारी

हाल ही में लोकमान्य तिलक टर्मिनस – गोरखपुर कुशीनगर एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 22538) में एक बड़ी चिकित्सा आपात स्थिति पैदा हो गई। ट्रेन में सवार एक गर्भवती महिला को अचानक प्रसव पीड़ा शुरू हो गई। सूचना मिलते ही आरपीएफ सब-इंस्पेक्टर एल. बी. वाघ अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे। स्थिति की गंभीरता और समय की कमी को देखते हुए ट्रेन को रोकना संभव नहीं था।

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

रेलवे संपत्ति की सुरक्षा के साथ-साथ यात्रियों के लिए 'संकटमोचक' की भूमिका निभाते हुए, सेंट्रल रेलवे के रेलवे सुरक्षा बल (RPF) ने मानवीय सेवा की नई मिसाल पेश की है। 'ऑपरेशन जीवन रक्षा' और 'ऑपरेशन मातृशक्ति' के तहत आरपीएफ के जवानों ने अपनी त्वरित सूझबूझ से न केवल एक गर्भवती महिला का सफल प्रसव कराया, बल्कि चलती ट्रेन पकड़ने के चक्कर में गैप में गिर रही महिला की जान भी बचाई।

'ऑपरेशन जीवन रक्षा': एएसआई ने बचाई महिला की जान

एक अन्य घटना में, मध्य रेलवे के सहायक सब-इंस्पेक्टर (ASI) नरसिंह कनौजिया की सतर्कता ने एक बड़ा हादसा टाल दिया। प्लेटफॉर्म से छूट चुकी एक धीमी लोकल ट्रेन को पकड़ने की कोशिश में एक महिला यात्री का पैर फिसल गया। वह प्लेटफॉर्म और ट्रेन के बीच के खतरनाक गैप में गिरने ही वाली थी कि ड्यूटी पर तैनात एएसआई कनौजिया ने बिजली जैसी तेजी दिखाकर उसे सुरक्षित बाहर खींच लिया। आरपीएफ की इस बहादुरी ने एक संभावित घातक दुर्घटना को टाल दिया। सेंट्रल रेलवे के पांचों डिवीजनों—मुंबई, पुणे, भुसावल, सोलापुर और नागपुर—में आरपीएफ कर्मी चौबीसों घंटे यात्रियों की सुरक्षा में तैनात हैं। 'मिशन जीवन रक्षक' अभियान के तहत वे न केवल ट्रेन हादसों और दुर्घटनाओं को रोकते हैं, बल्कि घर से बिछड़े बच्चों को उनके परिजनों से मिलाना, भूलवश ट्रेन में छोड़ा गया सामान सुरक्षित वापस दिलाना और प्रसव जैसी मेडिकल आपात स्थितियों में 'ऑपरेशन मातृशक्ति' के माध्यम से त्वरित मदद प्रदान करना जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

जल जीवन मिशन के तहत 'जल सेवा आंकलन' लागू

ठाणे। केंद्र सरकार के जल जीवन मिशन के अंतर्गत ग्रामीण जल आपूर्ति योजनाओं के प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए ग्राम पंचायत की अगुवाई वाला नया टूल 'जल सेवा आंकलन' लागू किया गया है। इसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में परिवारों को निरंतर, पर्याप्त और गुणवत्तापूर्ण पेयजल उपलब्ध कराना है। अब तक जल आपूर्ति योजनाओं का मूल्यांकन नियमित अंतराल पर थर्ड पार्टी सर्वे के माध्यम से किया जाता था, लेकिन गांव स्तर पर पारदर्शी, निरंतर और स्थानीय स्वामित्व वाली निगरानी व्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए यह नई पहल शुरू की गई है। 'जल सेवा आंकलन' के तहत ग्राम पंचायत और विलेज वॉटर एंड सैनिटेशन कमेटी (VWSC) की नेतृत्व भूमिका होगी। ये समितियां पानी आपूर्ति, संचालन एवं रखरखाव, मरम्मत, शिकायत निवारण और उपभोक्ता शुल्क संग्रह का पूरा रिकॉर्ड रखेंगी। साथ ही, जल आपूर्ति योजनाओं से जुड़ी जानकारी और आकलन के परिणाम ग्राम सभा में प्रस्तुत कर चर्चा के जरिए पारदर्शिता सुनिश्चित की जाएगी। इस पहल का उद्घाटन 30 दिसंबर 2025 को केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी. आर. पाटिल ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से किया था। केंद्र सरकार के निर्देशानुसार जनवरी से दिसंबर 2025 की अवधि के लिए जल सेवा आकलन और मूल्यांकन का पहला चरण 26 जनवरी 2026 तक पूरा किया जाना है। यह पहल जल जीवन मिशन के तहत 'हर घर जल' घोषित ठाणे जिले के 72 गांवों में लागू की जाएगी। इसके सफल क्रियान्वयन के लिए तहसील स्तर पर जल जीवन मिशन की सक्रिय नेतृत्व और निगरानी को आवश्यक बताया गया है।

मुंब्रा को 'हरे रंग से रंगने' के बयान को लेकर छिड़ा विवाद

ठाणे। ठाणे महानगरपालिका में एआईएमआईएम की नवनिर्वाचित पार्षद सहर शेख का विजय भाषण सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। भाषण में सहर ने मुंब्रा को ''हरे'' रंग से रंगने का संकल्प लिया, जिससे राज्य की सत्ताधारी शिवसेना ने धार्मिक संकेतों का आरोप लगाया। अपने भाषण पर विवाद बढ़ने के बाद सहर शेख ने कहा कि उनका तात्पर्य केवल अपनी पार्टी के रंग से था, न कि किसी समुदाय के खिलाफ। उन्होंने कहा, ''मेरी पार्टी का झंडा हरा है। अगर यह भगवा होता, तो मैं कहती कि हम मुंब्रा को भगवा रंग से रंग देंगे।'' सहर की टिप्पणियों पर शिवसेना नेता शायना एनसी ने कहा कि उन्हें स्पष्ट करना चाहिए कि वह हरित और स्वच्छ पर्यावरण की बात कर रही थीं या धर्म के आधार पर लोगों को बांटने की कोशिश कर रही थीं।

टिटवाला में माघी श्री गणेशोत्सव का आयोजन

टिटवाला। टिटवाला में श्री सिद्धिविनायक मंदिर ट्रस्ट की ओर से 22 जनवरी से माघी श्री गणेशोत्सव का आयोजन भक्तिमय वातावरण में शुरू हुआ। माघ शुद्ध प्रतिपदा के अवसर पर ज्योतिपूजन, भजन, गायन और रात्रि कीर्तन से मंदिर परिसर श्रद्धालुओं से भरा रहा। पहले दिन से ही भक्तों की भारी उपस्थिति देखने को मिली और सोमवार को आयोजित कार्यक्रमों ने उत्सव की भव्यता को और बढ़ा दिया। त्यौहार के दूसरे दिन, 20 जनवरी को सुबह और दोपहर में भजन, शाम में नृत्य और रात को कीर्तन का आयोजन किया गया। 21 जनवरी को माघ शुद्ध तृतीया पर सुबह और दोपहर में भजन, शाम को गायन और रात में कीर्तन का कार्यक्रम रखा गया। 22 जनवरी को गणेश जन्मोत्सव के अवसर पर विशेष कीर्तन, महा आरती, भजन और पालकी यात्रा आयोजित होगी। 23 जनवरी को पंचमी पर भजन, नृत्य और ललिता के कीर्तन के साथ उत्सव का समापन होगा।

आरटीई 25% प्रवेश प्रक्रिया के लिए स्कूल रजिस्ट्रेशन की समय-सीमा बढ़ी

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

राइट टू एजुकेशन (आरटीई) एक्ट के तहत निजी अनुदानित रहित (प्राइवेट अनएडेड) और सेल्फ-फाइनेंस्ड स्कूलों में 25 प्रतिशत आरक्षित सीटों पर आर्थिक रूप से कमजोर और वंचित वर्ग के विद्यार्थियों को प्रवेश देने के लिए शैक्षणिक वर्ष 2026-27 की ऑनलाइन प्रवेश प्रक्रिया लागू की जा रही है। इस प्रक्रिया के पहले चरण में स्कूल रजिस्ट्रेशन और स्कूल वेरिफिकेशन के लिए 9 जनवरी से 19 जनवरी 2026 तक संबंधित वेबसाइट का लिंक सक्रिय किया गया था।

गलत जानकारी पर सख्ती

शिक्षा विभाग ने स्पष्ट किया है कि स्कूल को जिस बोर्ड से मान्यता प्राप्त है, उसी बोर्ड का चयन रजिस्ट्रेशन के दौरान होना चाहिए और किसी भी प्रकार की गलत, अधूरी या भ्रामक जानकारी दर्ज न की जाए। इस संबंध में सभी नगर पालिकाओं के शिक्षा अधिकारी, प्रशासन अधिकारी और पंचायत समिति के गट शिक्षा अधिकारियों को आपसी समन्वय से कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि आरटीई प्रवेश प्रक्रिया पारदर्शी, सही और समय पर पूरी हो सके। शिक्षा अधिकारी (प्राथमिक), जिला परिषद ठाणे बालासाहेब राक्षे ने स्पष्ट किया है कि निर्धारित समय-सीमा के बाद कोई विस्तार नहीं दिया जाएगा और सभी स्कूल प्रशासन को इसे गंभीरता से लेते हुए समय पर कार्रवाई करनी होगी।

27 जनवरी तक स्कूल रजिस्ट्रेशन और वेरिफिकेशन अनिवार्य

निर्धारित समय में 100 प्रतिशत स्कूल रजिस्ट्रेशन और वेरिफिकेशन पूरा न होने के कारण, शिक्षा संचालनालय, पुणे के 19 जनवरी 2026 के पत्र के अनुसार यह समय-सीमा बढ़ा दी गई है। अब सभी संबंधित अनएडेड और सेल्फ-फाइनेंस्ड स्कूलों को 20 जनवरी से 27 जनवरी 2026 तक अपना ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और स्कूल वेरिफिकेशन अनिवार्य रूप से पूरा करना होगा। वेरिफिकेशन के दौरान विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि बंद स्कूल, अल्पसंख्यक दर्जा प्राप्त स्कूल, अनधिकृत स्कूल या स्थानांतरित स्कूल आरटीई 25 प्रतिशत प्रवेश प्रक्रिया में शामिल न हों।

वेश्यावृत्ति के धंधे में शामिल एक महिला दलाल महिला गिरफ्तार, दो पीड़ितों को बचाया गया, 3 अन्य पर मामला दर्ज

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

ठाणे पुलिस आयुक्तालय की अपराध शाखा के अंतर्गत अनैतिक मानव तस्करी रोकथाम प्रकोष्ठ (AHTPU) ने भिवंडी में बड़ी कार्रवाई करते हुए वेश्यावृत्ति के धंधे में दलाली कर आर्थिक लाभ कमाने वाली 40 वर्षीय महिला मुशर्रत अंसार मिर्जा को गिरफ्तार किया है। आरोपी महिला मुंबई के सांताक्रूज (पूर्व) की निवासी बताई जा रही है। इस कार्रवाई में पुलिस ने दो पीड़ित महिलाओं को सुरक्षित बाहर निकाला है।

सूचना के आधार पर होटल में छापा

पुलिस के अनुसार, 20 जनवरी को प्रकोष्ठ को सूचना मिली थी कि भिवंडी तालुका के गोवे नाका स्थित होटल संदीप वेजेस में एक महिला दलाल पीड़ित महिलाओं का शोषण कर देह व्यापार करवा रही है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने दोपहर करीब 3.30 बजे होटल पर छापा मारा। छापे के दौरान मुशर्रत अंसार मिर्जा को मौके से गिरफ्तार किया गया, जबकि उसकी हिरासत से 36 और 33 वर्ष की दो महिलाओं को मुक्त कराया गया।

पीटीए एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज

पुलिस ने इस मामले में तीन महिलाओं के खिलाफ कोनगांव पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता अधिनियम, 2023 की धारा 143(1) और 143(3) के साथ महिला एवं बालिकाओं की अनैतिक तस्करी (निषेध) अधिनियम, 1956 की धारा 4 और 5 के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी से आगे की जांच जारी है और इस रैकेट से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की भी पड़ताल की जा रही है।

मुंबई-वडोदरा राजमार्ग में प्रवेश-निकास मार्ग का निर्माण मंजूर

डीबीडी संवाददाता | भिवंडी

भिवंडी तालुका के लिए मुंबई-वडोदरा राजमार्ग पर प्रवेश-निकास मार्ग का निर्माण अब जल्द शुरू होगा। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) को इस कार्य के लिए 132.28 करोड़ रुपये की निविदा मंजूर की है। इस प्रवेश-निकास मार्ग से भिवंडी निवासियों की यात्रा अधिक सुविधाजनक होगी और औद्योगिक विकास को भी बढ़ावा मिलेगा।

संघर्ष समिति और सांसद की सक्रियता

भिवंडी के स्थानीय लोग और संघर्ष समिति ने इस मांग को लगातार उठाया और सांसद बाल्या मामा के माध्यम से केंद्रीय स्तर पर इसे अधिकारियों तक पहुँचाया। सांसद ने केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर भिवंडी के निवासियों और औद्योगिक क्षेत्र के हित में इस मुद्दे को उठाया। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने सांसद की मांग पर कार्रवाई करते हुए निर्माण कार्य के लिए धनराशि स्वीकृत की।

निर्माण कार्य से स्थानीय विकास को बढ़ावा

भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 16 जनवरी 2026 को निविदा जारी कर इस कार्य को औपचारिक रूप दिया। सांसद बाल्या मामा ने कहा कि यह लंबे समय से उठाई गई मांग का परिणाम है और अब भिवंडी के लोग मुंबई-वडोदरा राजमार्ग पर सुगम यात्रा कर सकेंगे। उन्होंने केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को इस सकारात्मक निर्णय के लिए सार्वजनिक रूप से धन्यवाद भी दिया।

महापारेषण–वीजेटीआई के बीच एमओयू

पावर ट्रांसमिशन में रिसर्च और इनोवेशन को बढ़ावा

मुंबई। महाराष्ट्र राज्य विद्युत पारेषण कंपनी लिमिटेड (महापारेषण / MSETCL) और वीरमाता जीजाबाई टेक्नोलॉजिकल इंस्टीट्यूट (वीजेटीआई), मुंबई के बीच पावर ट्रांसमिशन क्षेत्र में अनुसंधान और नवाचार को प्रोत्साहित करने के लिए समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। एमओयू पर वीजेटीआई के निदेशक डॉ. सचिन कोरे और महापारेषण के मुख्य अभियंता (एसटीयू) पीयूष शर्मा ने हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर महापारेषण के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजीव कुमार, निदेशक (परिचालन) सतीश चव्हाण, निदेशक (परियोजना) अविनाश निम्बालकर, निदेशक (वित्त) तृप्ति मुधोलकर, कार्यकारी निदेशक (मानव संसाधन) सुचिता भिकाणे सहित वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

वीजेटीआई का प्रतिनिधिमंडल

वीजेटीआई की ओर से उपनिदेशक डॉ.आर.एन.अवाले, डीन (आर एंड डी एवं कंसल्टेंसी) डॉ. फारूक काज़ी तथा अन्य वरिष्ठ प्राध्यापक कार्यक्रम में शामिल हुए। एमओयू के तहत पावर सिस्टम स्टडीज़, नवीकरणीय ऊर्जा एकीकरण, फैक्ट्स (FACTS) उपकरणों का उपयोग, डिजिटल ट्विन एप्लिकेशन, स्मार्ट ग्रिड, डिजिटलीकरण और उभरती तकनीकों पर संयुक्त रूप से कार्य किया जाएगा। अधिकारियों के अनुसार, यह उद्योग–शैक्षणिक सहयोग अनुसंधान और व्यावहारिक क्रियान्वयन के बीच की खाई को कम करेगा। साथ ही, क्षमता निर्माण और नवाचार को बढ़ावा देकर महाराष्ट्र में एक मजबूत, कुशल और भविष्य-उन्मुख विद्युत पारेषण नेटवर्क के विकास में अहम भूमिका निभाएगा।

श्री ब्रजमंडल संस्था की स्वर्ण जयंती पर श्रीमद् ब्रज भागवत कथा का आयोजन

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई की धार्मिक–सांस्कृतिक परंपरा में एक नया अध्याय जुड़ने जा रहा है। श्री ब्रजमंडल संस्था अपने स्थापना के 50 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में भव्य स्वर्ण जयंती महोत्सव का आयोजन कर रही है। इस अवसर पर 27 जनवरी से 02 फरवरी 2026 तक श्रीमद् ब्रज भागवत कथा का आयोजन आजाद मैदान, मुंबई में प्रतिदिन सायं 4:00 बजे से 7:00 बजे तक किया जाएगा। कथा का श्रीमुख सुप्रसिद्ध कथावाचक पुंडरीक गोस्वामी करेंगे, जबकि शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ बागेश्वर सरकार धीरेंद्र शास्त्री द्वारा संपन्न किया जाएगा। देशभर से कई प्रतिष्ठित साधु-संत एवं महात्माओं की उपस्थिति भी सुनिश्चित की गई है।

संस्था का इतिहास और सांस्कृतिक योगदान

वर्ष 1976 में स्थापित श्री ब्रजमंडल संस्था की नींव पूज्यनीय आधार स्तम्भ शिवचरण लाल, सुरेशचंद जी (अध्यक्ष), रमेशचंद, श्यामलाल और टालीवाल के अथक प्रयासों से रखी गई थी। पिछले पचास वर्षों में संस्था ने मुंबई में ब्रजवासियों को एक सूत्र में बांधते हुए इसे एक सशक्त सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परिवार का रूप दिया है। गिरगांव चौपाटी प्रांगण में आयोजित दस दिवसीय श्रीकृष्ण रासलीला और कवि सम्मेलन संस्था की विशिष्ट पहचान बन चुके हैं।

आयोजन समिति और नागरिकों से अपील

संस्था के अध्यक्ष सुरेशचंद अग्रवाल मुख्य यजमान होंगे, जबकि रमनलाल चौधरी, अनिल आर. अग्रवाल, राजेश एम. अग्रवाल, अनिल पी. अग्रवाल, भुवनेश अग्रवाल, प्रदीप लाड़ीवाल, विवेक अग्रवाल, कानबिहारी अग्रवाल, सुनील एस. अग्रवाल, संदीप अग्रवाल, उमेश मित्तल, धर्मेश गर्ग, राजीव अग्रवाल, पवन अग्रवाल, राकेश अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य सदस्य आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। संस्था ने सभी धर्मप्रेमी नागरिकों से अपील की है कि वे इस भव्य आध्यात्मिक अवसर का लाभ उठाएं, परिवार सहित कथा श्रवण करें और ब्रज भक्ति की पावन रसधारा में सहभागी बनें। यह जानकारी अनिल अग्रवाल और समिति के सदस्यों ने गिरगांव चौपाटी स्थित ब्रज मंडल सभागृह में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में दी।

माघी गणेशोत्सव की तैयारियों में जुटी मनपा

9 कृत्रिम तालाब तैयार किए गए

डीबीडी संवाददाता | भाईंदर

22 जनवरी से शुरू हो रहे माघी श्री गणेशोत्सव को लेकर मीरा-भाईंदर महानगरपालिका (एमबीएमसी) पूरी तरह सज्ज हो गई है। श्री गणेश की पार्थिव मूर्तियों के विसर्जन के लिए शहर के प्रमुख विसर्जन स्थलों के पास महानगरपालिका की ओर से 09 कृत्रिम तालाब तैयार किए गए हैं। इसका उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ विसर्जन प्रक्रिया को सुरक्षित और सुव्यवस्थित बनाना है।

पीओपी मूर्तियों के लिए विशेष व्यवस्था, मूर्तियों के लिए क्रेन की सुविधा

उच्च न्यायालय के दिशानिर्देशों का पालन करते हुए, प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) की सभी श्री गणेश मूर्तियों का विसर्जन 23 जनवरी को केवल कृत्रिम तालाबों में किया जाएगा। वहीं, 06 फीट से अधिक ऊँची श्री गणेश मूर्तियों के विसर्जन के लिए भायंदर (पश्चिम) जेट्टी और भायंदर (पूर्व) के जैसल पार्क चौपाटी पर विशेष व्यवस्था की गई है, जहां महानगरपालिका की ओर से हाइड्रोलिक क्रेन की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई है।

09 कृत्रिम तालाबों की सूची और पर्यावरण-अनुकूल उत्सव की अपील

माघी श्री गणेश विसर्जन के लिए उत्तन बीच, सुभाष चंद्र बोस मैदान (भायंदर पश्चिम), भायंदर पश्चिम जेट्टी, जैसल पार्क चौपाटी (भायंदर पूर्व), स्व. आनंद दिघे मैदान (भायंदर पूर्व), शिवर गार्डन (मीरा रोड पूर्व), घोड़बंदर श्मशान घाट उगादी, साई दत्त झील (पेनकर पाड़ा) और जरिमारी झील (काशीमीरा) में कृत्रिम तालाब बनाए गए हैं। एमबीएमसी उपायुक्त डॉ. सचिन बांगर ने सभी भक्तों को माघी श्री गणेशोत्सव की शुभकामनाएं देते हुए पर्यावरण-अनुकूल तरीके से त्योहार मनाने और मनपा के साथ सहयोग करने की अपील की है। सुरक्षा की दृष्टि से प्रत्येक कृत्रिम तालाब पर पांच तैराकी स्टाफ भी तैनात रहेंगे।

तीन नाबालिग लड़कियां रहस्यमय तरीके से लापता

ठाणे। ठाणे जिले से तीन नाबालिग लड़कियों के लापता होने का मामला सामने आया है। पुलिस के अनुसार, कल्याण के खडकपाड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत बारावे गांव की रहने वाली दो सगी बहनें और उनकी 13 वर्षीय भांजी सोमवार सुबह घर से निकली थीं, लेकिन इसके बाद से तीनों का कोई पता नहीं चल पाया है। लापता बहनों की उम्र 13 और 14 वर्ष बताई गई है। पुलिस ने बताया कि तीनों बच्चियां सोमवार तड़के करीब 5.30 बजे घर से निकली थीं। काफी देर तक जब वे वापस नहीं लौटीं, तो परिजनों ने आसपास के इलाकों में तलाश की और रिश्तेदारों व परिचितों से भी पूछताछ की, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने खडकपाड़ा पुलिस थाने में गुमशुदगी की शिकायत दर्ज कराई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

माघी गणेशोत्सव के लिए 22 कृत्रिम विसर्जन तालाब तैयार

डीबीडी संवाददाता | नवी मुंबई

नवी मुंबई महानगरपालिका क्षेत्र में माघी गणेशोत्सव हर वर्ष बड़े उत्साह के साथ मनाया जाता है। इसी क्रम में, गत वर्ष की तरह इस वर्ष भी महानगरपालिका आयुक्त डॉ. कैलास शिंदे के मार्गदर्शन में श्रीगणेश मूर्तियों के विसर्जन के लिए प्राकृतिक पारंपरिक विसर्जन स्थलों के निकट 22 कृत्रिम विसर्जन तालाबों का निर्माण किया गया है। महानगरपालिका ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी श्री गणेश मूर्तियों का विसर्जन इन्हीं कृत्रिम तालाबों में करें।

प्रशासनिक निगरानी और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध

अभियांत्रिकी विभाग द्वारा शहर अभियंता शिरीष आरदवाड के नियंत्रण में इन 22 स्थानों पर तालाब बनाए गए हैं। संबंधित विभागीय कार्यालयों के सहायक आयुक्त और विभाग अधिकारी स्थलों का निरीक्षण करेंगे, जबकि दोनों परिमंडलों के उपआयुक्त सोमनाथ पोतरे और संजय शिंदे समग्र नियंत्रण रखेंगे। विसर्जन स्थलों पर पूजन व विदाई आरती के लिए टेबल-कुर्सी, विद्युत व्यवस्था, ध्वनि विस्तारक, गीले व सूखे निर्माल्य के लिए अलग-अलग कलश तथा निर्माल्य परिवहन की स्वतंत्र व्यवस्था की गई है। साथ ही स्वयंसेवक, अग्निशमन दल और स्वास्थ्य विभाग की टीमें भी तैनात रहेंगी।

पर्यावरण संरक्षण को लेकर नागरिकों से अपील

महानगरपालिका ने स्पष्ट किया है कि माघी गणेशोत्सव का विसर्जन समारोह सुरक्षित, सुव्यवस्थित और निर्विघ्न रूप से संपन्न हो, इसके लिए सभी आवश्यक तैयारियां की गई हैं। नागरिकों से माननीय उच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुसार पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से प्लास्टर ऑफ पेरिस (पीओपी) तथा शाडू मिट्टी की श्रीगणेश मूर्तियों का विसर्जन अपने नजदीकी कृत्रिम विसर्जन तालाबों में ही करने की अपील की गई है। महानगरपालिका का कहना है कि इस पहल से पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में मदद मिलेगी और उत्सव भी जिम्मेदारी के साथ मनाया जा सकेगा।

बुलेट ट्रेन परियोजना में ऊपरी विद्युतीकरण कार्य तेज़

डीबीडी संवाददाता | ठाणे

मुंबई–अहमदाबाद बुलेट ट्रेन परियोजना में ऊपरी विद्युतीकरण मस्तूल (ओएचई) की स्थापना का कार्य तेज़ी से आगे बढ़ रहा है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि यह प्रगति भारत की पहली हाई-स्पीड रेल परियोजना को विद्युत कर्षण के लिए सक्षम बनाने की दिशा में एक अहम कदम है। यह परियोजना 'मेक इन इंडिया' पहल को भी मजबूती दे रही है, क्योंकि इसमें घरेलू निर्माण क्षमताओं के साथ वैश्विक स्तर पर प्रमाणित हाई-स्पीड रेल तकनीक को अपनाया जा रहा है।

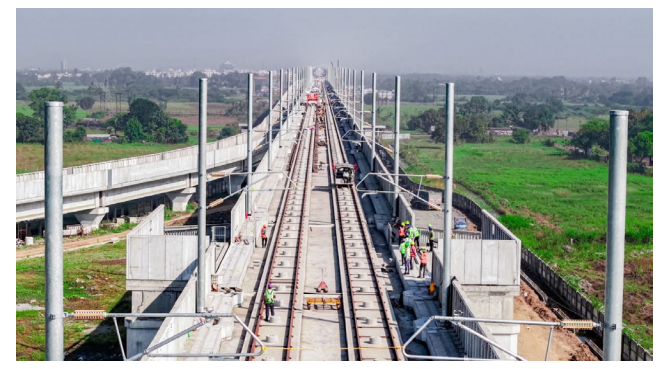

20 हजार से अधिक ओएचई मस्तूल, हाई-स्पीड संचालन की तैयारी

कॉरिडोर के प्रमुख हिस्सों, विशेष रूप से वायाडक्ट सेक्शनों में ओएचई मस्तूल लगाए जा रहे हैं, ताकि बुलेट ट्रेनों का सुरक्षित और सुचारू संचालन सुनिश्चित किया जा सके। कुल मिलाकर 9.5 से 14.5 मीटर ऊंचाई वाले 20,000 से अधिक मस्तूल पूरे कॉरिडोर में स्थापित किए जाएंगे। ये मस्तूल 2×25 केवी ऊपरी कर्षण विद्युत प्रणाली को सहारा देंगे, जिसमें ओवरहेड तार, अर्थिंग व्यवस्था और अन्य आवश्यक उपकरण शामिल हैं।

यात्रा में तेजी, उद्योग और रोजगार को मिलेगा लाभ

निर्बाध बिजली आपूर्ति के लिए कॉरिडोर के साथ कर्षण उपस्टेशन (टीएसएस) और वितरण उपस्टेशन (डीएसएस) का नेटवर्क भी विकसित किया जा रहा है। परियोजना के पूरा होने के बाद मुंबई और अहमदाबाद के बीच यात्रा तेज़ और सुविधाजनक हो जाएगी, जिससे परिवहन संपर्क में बड़ा सुधार आएगा। साथ ही, इससे रोजगार सृजन, स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा और भारतीय उद्योग को मजबूती मिलने की उम्मीद है, जो देश में विश्वस्तरीय रेल अवसंरचना के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

पेण बनेगा तीसरी मुंबई का ग्रोथ सेंटर

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

विश्व आर्थिक मंच की वार्षिक बैठक के दौरान दावोस दौरे पर गए मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि यह यात्रा भारत और विशेष रूप से महाराष्ट्र के लिए ज्ञान, तकनीक और विदेशी निवेश हासिल करने का अहम प्रयास है। उन्होंने बताया कि राज्य को वैश्विक निवेश मानचित्र पर मजबूती से स्थापित करने के लिए कई बड़े करार किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि रायगड जिले का पेण 'तीसरी मुंबई' के ग्रोथ सेंटर के रूप में विकसित किया जाएगा। इस

एक लाख करोड़ का निवेश होगा

परियोजना में करीब 1 लाख करोड़ रुपए के निवेश का करार हो चुका है। नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 15–20 किलोमीटर दूर स्थित यह ग्रोथ सेंटर प्लग-एंड-प्ले मॉडल पर आधारित होगा।

पीपीपी मॉडल पर पहला शहर

फडणवीस ने कहा कि पेण देश का पहला ऐसा पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप (पीपीपी) प्रोजेक्ट होगा, जिसमें राज्य सरकार, एमएमआरडीए और निजी कंपनियां मिलकर काम करेंगी। यहां बीकेसी की तर्ज पर नया बिजनेस डिस्ट्रिक्ट विकसित किया जाएगा, जहां कंपनियां तुरंत अपना संचालन शुरू कर सकेंगी।

हाई-पेइंग नौकरियों और आधुनिक सुविधाओं पर जोर

इस ग्रोथ सेंटर में ग्लोबल कैपेसिटी सेंटर्स, फिनटेक इकोसिस्टम और 'वॉक-टू-वर्क' जैसी सुविधाएं विकसित होंगी। इससे बड़े पैमाने पर हाई-पेइंग नौकरियों के अवसर पैदा होंगे। रिपब्लिक ऑफ कोरिया का हवाना ग्रुप, स्विट्जरलैंड का एसएसबी ग्रुप, अमेरिका की फेडेक्स, फिनलैंड का रिवर रिसायकल, दुबई का एमजीएसए ग्रुप, सिंगापुर का मेपल ट्री और ट्रिबेका डेवलपर्स जैसी कंपनियों ने निवेश में रुचि दिखाई है।

मेड-टेक सेक्टर से स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूती

मुख्यमंत्री ने बताया कि अंतिम व्यक्ति तक बेहतर और तेज स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के लिए मेड-टेक सेक्टर पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दावोस में मेडिकल टेक्नोलॉजी पर हुई चर्चाओं के आधार पर महाराष्ट्र के लिए एक हेल्थ रोडमैप तैयार किया गया है, जिससे मेड-टेक स्टार्टअप्स का मजबूत इकोसिस्टम बनेगा।

ईवी और ग्रीन इंडस्ट्रियल कॉरिडोर पर मंथन

ह्युंदाई, जेबीआईसी (जापान), एपी मोलर-मर्स्क, फिनलैंड और इजरायल की इनोवेशन अथॉरिटी के साथ ईवी, ग्रीन इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, अर्बन मोबिलिटी और सप्लाई चेन पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि इन बैठकों से महाराष्ट्र को हरित निवेश, निर्यात और एमएसएमई सेक्टर में बड़ा लाभ मिलेगा।

गोरेगांव–मुलुंड जोड़ मार्ग परियोजना

चित्रनगरी परिसर में 'लांचिंग शाफ्ट' का उत्खनन तेज़ी से जारी

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

मुंबई महानगरपालिका की महत्वाकांक्षी गोरेगांव–मुलुंड जोड़ मार्ग (GMLR) परियोजना के तहत गोरेगांव स्थित दादासाहेब फाल्के चित्रनगरी परिसर में 'लॉन्चिंग शाफ्ट' का उत्खनन कार्य तेज़ी से जारी है। 5.3 किलोमीटर लंबी, तिहरी लेन वाली जुड़वां सुरंग के निर्माण के लिए यह शाफ्ट तैयार किया जा रहा है, जहां से अत्याधुनिक टनल बोरिंग मशीनों (टीबीएम) के माध्यम से भूमिगत खुदाई की जाएगी। परियोजना अधिकारियों के अनुसार, एक टनल बोरिंग मशीन

के सभी हिस्से साइट पर पहुंच चुके हैं, जबकि दूसरी मशीन के शेष घटक 22 जनवरी 2026 की रात तक आने की संभावना है। उत्खनन के पहले चरण का कार्य पूरा कर 10 मार्च 2026 तक टीबीएम को लॉन्चिंग शाफ्ट में उतारने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। इसके बाद जून 2026 से प्रत्यक्ष सुरंग खुदाई का कार्य आरंभ होगा।

यातायात राहत और पर्यावरणीय लाभ

लॉन्चिंग शाफ्ट लगभग 200 मीटर लंबा, 50 मीटर चौड़ा और 30 मीटर गहरा है, जिसमें से करीब 23 मीटर तक खुदाई पूरी हो चुकी है। प्रतिदिन 1400–1500 क्यूबिक मीटर मिट्टी व चट्टान निकाली जा रही है। परियोजना पूरी होने पर गोरेगांव–मुलुंड जोड़ मार्ग पूर्व और पश्चिम उपनगरों के बीच एक प्रमुख वैकल्पिक मार्ग बनेगा। इससे यात्रा दूरी करीब 8.8 किलोमीटर कम होगी, समय और ईंधन की बचत होगी तथा कार्बन उत्सर्जन में भी उल्लेखनीय कमी आएगी।

अतिरिक्त आयुक्त का निरीक्षण, समय-सीमा पर ज़ोर

अतिरिक्त महानगरपालिका आयुक्त (परियोजना) अभिजीत बांगर ने 21 जनवरी 2026 को कार्यस्थल का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजना निर्धारित समय-सीमा में पूरी हो और गुणवत्ता से कोई समझौता न किया जाए। इस दौरान महानगरपालिका के अभियंता और परियोजना से जुड़े सलाहकार भी मौजूद रहे।

भांडुप परिमंडल के ठाणे और वाशी मंडलों में मनोरंजनात्मक कार्यक्रम संपन्न

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

कर्मचारियों के दैनिक कार्यभार से उत्पन्न तनाव को कम करने, मानसिक स्फूर्ति बढ़ाने और कार्यक्षमता में सकारात्मक ऊर्जा के संचार के उद्देश्य से महावितरण में वर्ष में दो बार मनोरंजनात्मक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। यह पहल माननीय अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक लोकेश चंद्र की संकल्पना तथा निदेशक

(मानव संसाधन) राजेंद्र पवार के मार्गदर्शन में की जाती है। इसी क्रम में वर्ष 2026 के तहत भांडुप परिमंडल अंतर्गत वाशी और ठाणे मंडलों में यह कार्यक्रम उत्साहपूर्वक आयोजित हुए।

ठाणे में 'आनंदोत्सव 2026' का भव्य आयोजन

ठाणे मंडल का कार्यक्रम 20 जनवरी 2026 को मंडल कार्यालय परिसर में आयोजित किया गया, जिसका उद्घाटन कोंकण विभाग के सह-प्रबंध निदेशक दिलीप जगदाले (भा.प्र.से.) ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता भांडुप परिमंडल के मुख्य अभियंता संजय पाटील ने की। इस अवसर पर 'आनंदोत्सव 2026' के तहत सांस्कृतिक और प्रेरक गतिविधियां संपन्न हुईं। उद्घाटन के बाद ठाणे नागरी मंडल की प्रशासनिक इमारत का नामकरण 'ऊर्जा दीप' किया गया। मेडी असिस्ट इंश्योरेंस के अमित गायकवाड़ ने मेडिकल पॉलिसी की जानकारी दी, जबकि संजीवन म्हात्रे ने 'मार्ग सुखाचा' विषय पर जीवन प्रबंधन से जुड़े सूत्र साझा किए। सामूहिक नृत्य, लघुनाटक 'कमाल मेरी पत्नी का' और 'सुर-तरंग' संगीत संध्या ने कार्यक्रम को यादगार बना दिया।

वाशी मंडल में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और तनावमुक्ति संदेश

वाशी मंडल का मनोरंजनात्मक कार्यक्रम 19 जनवरी को पनवेल स्थित आद्य क्रांतिवीर वासुदेव बलवंत फडके नाट्यगृह में आयोजित हुआ। यहां डॉ. चिदानंद फालके ने तनावमुक्ति प्रबंधन पर मार्गदर्शन किया। अधिकारियों और कर्मचारियों ने नृत्य, गीत तथा संत परंपरा पर आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से सांस्कृतिक एकता का परिचय दिया। इन दोनों कार्यक्रमों की सफलता में अधीक्षक अभियंता दीपक पाटील (वाशी), माणिक राठोड (ठाणे), सभी कार्यकारी अभियंताओं, उनकी टीमों और मानव संसाधन विभाग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

पश्चिम रेलवे चलाएगी तीन जोड़ी सुपरफास्ट स्पेशल ट्रेनें

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा अतिरिक्त भीड़ को समायोजित करने के उद्देश्य से विशेष किराये पर 03 जोड़ी सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएंगी।

बांद्रा टर्मिनस–भुज सुपरफास्ट साप्ताहिक स्पेशल (10 फेरे)

ट्रेन संख्या 09009 बांद्रा टर्मिनस–भुज स्पेशल प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 19:25 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 09:50 बजे भुज पहुँचेगी। यह ट्रेन 25 जनवरी से 22 फरवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09010 भुज–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक सोमवार को भुज से 14:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:10 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 26 जनवरी से 23 फरवरी, 2026 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, ध्रांगध्रा, सामाख्याली, भचाऊ तथा गांधीधाम स्टेशनों पर रुकेगी।

बांद्रा से 23:55 पर छूटेगी साप्ताहिक स्पेशल

ट्रेन संख्या 09011 बांद्रा टर्मिनस–भुज स्पेशल प्रत्येक मंगलवार को बांद्रा टर्मिनस से 23:55 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 14:30 बजे भुज पहुँचेगी। यह ट्रेन 27 जनवरी से 24 फरवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09012 भुज–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक बुधवार को भुज से 17:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:45 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 28 जनवरी से 25 फरवरी, 2026 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, अहमदाबाद, ध्रांगध्रा, सामाख्याली, भचाऊ तथा गांधीधाम स्टेशनों पर रुकेगी।

बांद्रा टर्मिनस–वेरावल साप्ताहिक स्पेशल (10 फेरे)

ट्रेन संख्या 09017 बांद्रा टर्मिनस–वेरावल स्पेशल प्रत्येक रविवार को बांद्रा टर्मिनस से 14:40 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 08:05 बजे वेरावल पहुँचेगी। यह ट्रेन 25 जनवरी से 22 फरवरी, 2026 तक चलेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09018 वेरावल–बांद्रा टर्मिनस स्पेशल प्रत्येक सोमवार को वेरावल से 11:05 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 04:55 बजे बांद्रा टर्मिनस पहुँचेगी। यह ट्रेन 26 जनवरी से 23 फरवरी, 2026 तक चलेगी। यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, वापी, सूरत, वडोदरा, आणंद, अहमदाबाद, सुरेन्द्रनगर, राजकोट, गोंडल, जेतलसर, जूनागढ़ तथा केशोद स्टेशनों पर रुकेगी।

मेडिकल स्टोर के केमिस्ट को धमकाने वाला आरोपी गिरफ्तार

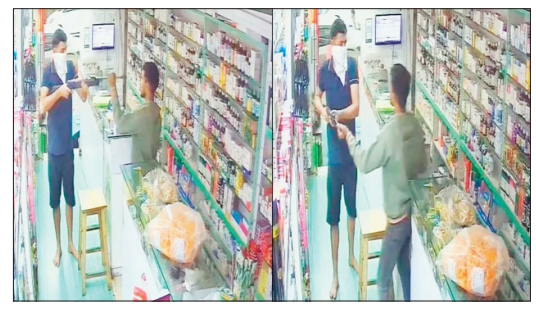

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

माहिम वेस्ट स्थित एक मेडिकल स्टोर के केमिस्ट को धमकाने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान सौरभ कुमार सिंह (35) के रूप में हुई है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि आरोपी मंगलवार सुबह अपनी पहचान छिपाने के लिए चेहरे को आंशिक रूप से रूमाल से ढककर मेडिकल स्टोर में दाखिल हुआ था। इसके बाद उसने एयर गन निकालकर केमिस्ट को धमकाया और मौके से फरार हो गया। घटना के बाद पीड़ित केमिस्ट ने माहिम पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई।

जांच जारी, पुलिस ने किया खुलासा

शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने इलाके के सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी की पहचान की और उसे गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि मामले की आगे की जांच जारी है और आरोपी से पूछताछ की जा रही है।

203 दिन की देरी माफ करने से हाई कोर्ट का इनकार

देरी के लिए वकीलों को बलि का बकरा न बनाएं मुवक्किल: कोर्ट

डीबीडी संवाददाता | मुंबई

बॉम्बे हाई कोर्ट ने ट्रायल कोर्ट के एक आदेश को चुनौती देने में हुई 203 दिनों की देरी को माफ करने से इनकार कर दिया। अदालत ने साफ कहा कि देरी के लिए वकील को दोषी ठहराना गलत प्रवृत्ति है और इसकी जिम्मेदारी खुद याचिकाकर्ताओं की होती है।

अदालत ने टिप्पणी करते हुए कहा कि अक्सर देखा जाता है कि याचिकाकर्ता देरी के लिए अपने वकीलों को जिम्मेदार

ठहराते हैं, लेकिन उन्हें मामले में पार्टी तक नहीं बनाया जाता, जिससे उनके खिलाफ कोई कार्रवाई भी नहीं हो पाती। यह तरीका स्वीकार्य नहीं है। न्यायमूर्ति जितेंद्र जैन की एकल पीठ के समक्ष राहुल शंभू कबाडे की याचिका पर सुनवाई हुई। याचिका में पहले 176 दिनों की देरी बताई गई थी, लेकिन बाद में कुल 203 दिनों की देरी को माफ करने का अनुरोध किया गया।

पुणे सिविल कोर्ट के वकील पर लगाए आरोप

याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया कि पुणे सिविल कोर्ट में नियुक्त वकील मामले में सक्रिय नहीं थे और उन्होंने उन्हें सही जानकारी नहीं दी। उनका दावा था कि उन्हें डिस्ट्रिक्ट कोर्ट की वेबसाइट से पता चला कि उनका मामला पहले ही तय हो चुका है।

रिकॉर्ड और सबूतों से आरोप खारिज

पीठ ने रोजनामा का हवाला देते हुए कहा कि अंतिम सुनवाई की तारीख पर याचिकाकर्ता अपने वकील के साथ कोर्ट में मौजूद थे। इसके अलावा, याचिकाकर्ता व्हाट्सएप चैट, कॉल रिकॉर्ड जैसे कोई भी सहायक सबूत पेश करने में विफल रहे। ऐसे में वकील की लापरवाही का आरोप स्वीकार नहीं किया जा सकता।

पूर्व फैसले पर भरोसा भी नहीं आया काम

याचिकाकर्ता के वकील ने गौतम धाम कोऑपरेटिव हाउसिंग सोसाइटी लिमिटेड के फैसले का हवाला दिया, लेकिन पीठ ने इसे खारिज कर दिया। अदालत ने कहा कि उस मामले में वकील ने खुद कोर्ट के सामने गलती स्वीकार की थी, जबकि वर्तमान मामले में ऐसी स्थिति नहीं है।

मध्य रेल
भुसावल मंडल
ई–निविदा आमंत्रण सूचना
निविदा सं.:– BSL-L-W-T-05-2026, कार्य का विवरण:– भुसावल में मौजूदा फिल्टर प्लांट और पंप रूम के यांत्रिक भागों की मरम्मत के संबंध में विद्युत कार्य। 2) अनुमानित लागत:– 50,90,877; 3) ऑनलाईन बिड सबमिशन का अंतिम दिनांक और समय:– 11.02.2026 को 15.00 बजे, 4) वेबसाईट विवरण:– https://www.ireps.gov.in BSL-04
अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

मध्य रेल
ई–प्रोक्योरमेंट सूचना
ई–प्रापण सूचना क्रमांक ई–54/2026, दि. 20.01.2026. अनु. क्रमांक : 1, टेंडर क्रमांक : 48265012, मदों का विवरण : 16.25 टन आईसीएफ बोगी फ्रेम व्यवस्था स्व–उत्पादन एसी कोचों के लिए आईसीएफ ड्राइंग संख्या: WTAC-0-3-402 (शीट– 1 और 2), वैकल्पिक मीटर/3, कॉलम–2 (गाइड सहित) और आरडीएसओ विनिर्देश सी–9202, संशोधन–2 (अक्टूबर–2008) के अनुसार होनी चाहिए। बोगी फ्रेम को आरडीएसओ ड्राइंग संख्या सीजी–17066 वैकल्पिक–4 के अनुसार सुदृढ़ किया जाना चाहिए। सुदृढ़ीकरण रिब और चैनल की सामग्री ड्राइंग संख्या सीजी–17066 वैकल्पिक–4 के अनुसार होनी चाहिए। फर्म को आईसीएफ/एमडी/बिनिर्देश 147 जारी स्थिति : 01, संशोधन 02, संशोधन–1, फरवरी –2007 के अनुसार आवश्यकताओं को पूरा करना होगा। पैट योजना ड्राइंग के अनुसार होगी। आईसीएफ आइटम आईडी: 2300028, मात्रा : 20 Nos., निविदा खुलने की नियत तारीख : 10th Feb-2026, आवंटन संख्या– 20213604/01001250755050023, निविदा मूल्य रू. 6416891.80, टेंडर्स का पूरा ब्योरा मध्य रेलवे की अधिकृत वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। सभी दस्तावेज वेबसाइट से डाउन लोड कर सकते है।
842
अनाधिकृत रूप से रेल लाइन को पार करना दंडनीय अपराध है

बृहन्मुंबई महानगरपालिका
(हाइड्रॉलिक इंजीनियर विभाग)
ई-निविदा सूचना

बृहन्मुंबई महानगरपालिका के आयुक्त नीचे दिए गए कार्य हेतु तीन-पैकेट प्रणाली में, मद-दर (Item Rate) आधार पर, संबंधित कार्यक्षेत्र में कार्यरत फर्मों से ऑनलाइन निविदाएँ आमंत्रित करते हैं।

विभाग	:	हाइड्रॉलिक इंजीनियर
अनुभाग	:	उप-हाइड्रॉलिक इंजीनियर (भांडुप कॉम्प्लेक्स)
बिड क्रमांक	:	2025_MCGM_1248652_1
कार्य का विषय	:	भांडुप कॉम्प्लेक्स स्थित 1910 एमएलडी पंपिंग स्टेशन में 15/5 टन क्षमता की इलेक्ट्रिक ओवरहेड ट्रैवल (EOT) क्रेन की मरम्मत एवं ओवरहॉलिंग का कार्य।
बिड प्रारंभ दिनांक एवं समय	:	22.01.2026, प्रातः 11:00 बजे से
बिड समाप्ति दिनांक एवं समय	:	05.02.2026, सायं 16:00 बजे तक
वेबसाइट	:	https://mahatenders.gov.in/
संपर्क विवरण :		
a संपर्क व्यक्ति	:	श्री के.एस. गायकवाड़, श्री वी.वी. नवरे
b दूरभाष	:	022-25658548
c मोबाइल नंबर	:	8454944912 / 9930260562
d ई-मेल आईडी	:	aepumpbc.he@mcgm.gov.in

निविदा दस्तावेज महाटेंडर्स वेबसाइट (https://mahatender.gov.in) के 'Tenders' अनुभाग से डाउनलोड किए जा सकते हैं।

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (S.I.P.S.)
भांडुप कॉम्प्लेक्स

पीआरओ/2719/विज्ञा./2025-26

हल्का बुखार होने पर डॉक्टर से मिलें।

मुंबई झोपड़पट्टी सुधार मंडल
(महाराष्ट्र हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट अथॉरिटी की एक क्षेत्रीय इकाई)
म्हाडा MHADA
दूरभाष : 022-66405484, ई-मेल : eecityslum@gmail.com
संदर्भ क्रमांक : EE/City/MSIB / e-Tender/84/2025-26
ई-निविदा सूचना क्रमांक : 84

कार्यकारी अभियंता (सिटी) विभाग, मुंबई स्लम इम्प्रूवमेंट बोर्ड (MHADA की इकाई), कक्ष क्रमांक 539, चौथी मंज़िल, गृह निर्माण भवन, बांद्रा (पूर्व), मुंबई – 400051, दूरभाष क्रमांक (022) 66405484 द्वारा निम्नलिखित 13 कार्यों के लिए बी-1 (प्रतिशत दर) के आधार पर खुली / नियमित ई-निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं। ये निविदाएँ संबंधित उपयुक्त श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों अथवा किसी भी सरकारी / अर्ध-सरकारी संस्था से ऑनलाइन ई-टेंडरिंग प्रणाली के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं। विस्तृत निविदा सूचना एवं निविदा दस्तावेज़ महाराष्ट्र शासन के पोर्टल https://mahatenders.gov.in पर उपलब्ध होंगे तथा वहीं से डाउनलोड किए जा सकेंगे। बोली दस्तावेज़ भी उक्त वेबसाइट पर अपलोड किए जा सकते हैं। निविदा दस्तावेज़ विक्रय प्रारंभ दिनांक व समय : 27.01.2026 को प्रातः 10.05 बजे से निविदा दस्तावेज़ विक्रय समाप्ति दिनांक व समय : 03.02.2026 को अपराह्न 3.00 बजे तक. यदि कोई शुद्धिपत्र / संशोधन जारी किया जाता है, तो वह केवल https://mahatenders.gov.in वेबसाइट पर ही प्रकाशित किया जाएगा। सक्षम प्राधिकारी को बिना कोई कारण बताए किसी भी या सभी निविदाओं को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रहेगा। सशर्त निविदाएँ स्वीकार नहीं की जाएँगी।

Follow us: @mhadaofficial
CPRO/A/19
म्हाडा-राष्ट्र का अग्रणी गृहनिर्माण प्राधिकरण

हस्ता/-
कार्यकारी अभियंता (सिटी),
एम.एस.आई.बी. बोर्ड, मुंबई

संपादकीय

एक गड्ढा, एक मौत और हमारी असंवेदनशील व्यवस्था

दिल्ली–एनसीआर में युवराज की मौत कोई साधारण दुर्घटना नहीं है। यह उस व्यवस्था का आईना है, जिसमें लापरवाही, संवेदनहीनता और जिम्मेदारी से बचने की संस्कृति एक युवा की जान पर भारी पड़ गई। सवाल यह नहीं है कि कार कैसे गड्ढे में गिरी, सवाल यह है कि शहरों को चलाने वाली व्यवस्था में इंसानी जान की कीमत आखिर है कितनी। युवराज की मौत ने एक बार फिर यह उजागर कर दिया है कि हमारे शहरी विकास का मॉडल कितना खोखला और अमानवीय होता जा रहा है। सड़कों पर खुले गड्ढे, बिना बैरिकेड निर्माण स्थल, अंधेरे और कोहरे में जानलेवा हालात—यह सब कोई अचानक पैदा हुई समस्या नहीं है। यह वर्षों से पनपती उस असंवेदनशीलता का नतीजा है, जिसमें फाइलें तो चलती हैं, पर जमीन पर जिम्मेदारी नहीं उतरती। सबसे भयावह पहलू यह है कि युवराज काफी समय तक जिंदगी और मौत से जूझता रहा। वह मदद के लिए पुकारता रहा, फोन करता रहा, पर व्यवस्था की मशीनरी इतनी जड़ और सुस्त निकली कि समय रहते उसे बचाया नहीं जा सका। यह सिर्फ प्रशासनिक विफलता नहीं, बल्कि मानवीय विफलता है। एक ऐसा समाज, जहां एक युवक की चीखें सिस्टम की मोटी परतों को भेद नहीं पातीं, वहां विकास के सारे दावे खोखले लगते हैं। हमारे शहरों में निर्माण कार्य मानो नागरिक सुरक्षा से ऊपर हो गया है। बिल्डर, ठेकेदार और प्राधिकरण—तीनों की मिलीभगत से नियम केवल कागजों तक सीमित रह गए हैं। गड्ढा खोदना आसान है, लेकिन उसे सुरक्षित करना किसी की प्राथमिकता नहीं। और जब हादसा होता है, तो जांच के नाम पर वही पुराना खेल—एक-दो निलंबन, एक-दो गिरफ्तारी और फिर धीरे-धीरे मामला ठंडे बस्ते में। युवराज की मौत इसलिए भी ज्यादा चुभती है, क्योंकि यह टाली जा सकती थी। अगर गड्ढे के चारों ओर बैरिकेड होते, चेतावनी संकेत होते, अगर बचाव तंत्र संवेदनशील और त्वरित होता—तो शायद एक परिवार आज उजड़ा हुआ न होता। यह घटना हमें याद दिलाती है कि हमारे यहां दुर्घटनाएं प्राकृतिक नहीं, बल्कि संस्थागत लापरवाही से जन्म लेती हैं। प्रशासन की भाषा में इसे भले ही "दुर्घटना" कहा जाए, लेकिन सच यह है कि यह गैर-जिम्मेदाराना शासन का परिणाम है। असंवेदनशीलता तब और गहरी हो जाती है, जब जिम्मेदार अधिकारी हादसे के बाद बयानबाजी में समय गंवाते हैं, पर पहले से जोखिम कम करने की कोई ठोस योजना नहीं बनाते। सवाल यह भी है कि क्या ऐसी मौतों के बाद किसी की अंतरात्मा सचमुच झकझोरती है, या सब कुछ महज औपचारिकता बनकर रह गया है। यह मामला केवल युवराज का नहीं है। यह उन लाखों नागरिकों की चिंता है, जो हर दिन ऐसी सड़कों पर निकलते हैं, जहां मौत किसी भी मोड़ पर खड़ी हो सकती है। यह उस मध्यवर्ग की पीड़ा है, जो टैक्स देता है, नियम मानता है, लेकिन बदले में सुरक्षा की गारंटी तक नहीं पाता। यह कहना जरूरी है कि अब संवेदना के दिखावटी शब्द काफी नहीं हैं। जवाबदेही तय करनी होगी—व्यक्तिगत और संस्थागत दोनों स्तरों पर। निर्माण स्थलों की सुरक्षा, रेस्क्यू सिस्टम की तत्परता और अधिकारियों की जिम्मेदारी को कानूनन कठोर बनाना होगा। जब तक लापरवाही पर सख्त सजा और जवाबदेही नहीं होगी, तब तक युवराज जैसे नाम खबरों में आते रहेंगे। युवराज की मौत एक चेतावनी है—अगर अब भी हम नहीं चेते, तो यह असंवेदनशील व्यवस्था अगला शिकार चुनने में देर नहीं लगाएगी। सवाल यह है कि क्या हम हर बार किसी की मौत के बाद ही जागेंगे, या सचमुच इंसानी जान को विकास से ऊपर रखने का साहस दिखाएंगे।

शख्सियत | त्रिपुरानेनी रामास्वामी

रुढ़ियों पर प्रहार: तर्कवाद के जनक त्रिपुरानेनी रामास्वामी

त्रिपुरानेनी रामास्वामी का जन्म 22 जनवरी 1887 को आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के एक साधारण कृषक परिवार में हुआ था। वे केवल एक कवि या लेखक नहीं थे, बल्कि आधुनिक आंध्र के इतिहास में तर्कवाद और सामाजिक न्याय के सबसे बड़े पैरोकार थे।

उनके क्रांतिकारी विचारों और साहित्य के प्रति अटूट निष्ठा के कारण उन्हें समाज ने 'कविराज' की उपाधि से विभूषित किया। रामास्वामी की प्रारंभिक शिक्षा स्थानीय स्तर पर हुई, लेकिन उनकी उच्च शिक्षा और विशेषकर वकालत की पढ़ाई इंग्लैंड में हुई। विदेश प्रवास के दौरान उन्होंने पश्चिमी दर्शन, तर्कशास्त्र और मानवाधिकारों का गहराई से अध्ययन किया, जिसने उनके भविष्य के सामाजिक दृष्टिकोण की नींव रखी। जब वे भारत लौटे, तो उन्होंने समाज को रूढ़िवादिता और अंधविश्वास के गहरे दलदल में फंसा हुआ पाया। उन्होंने देखा कि धर्म के नाम पर आम जनता का शोषण हो रहा है और जाति व्यवस्था ने समाज को टुकड़ों में बांट दिया है। रामास्वामी ने तय किया कि वे अपनी कलम का उपयोग इन बुराइयों को जड़ से मिटाने के लिए करेंगे। उन्होंने 'आत्म-सम्मान आंदोलन' की शुरुआत की, जिसका मुख्य उद्देश्य दलितों, पिछड़ों और वंचितों के भीतर स्वाभिमान की भावना जागृत करना था। उनका मानना था कि जब तक व्यक्ति मानसिक रूप से स्वतंत्र नहीं होता, वह सामाजिक या राजनीतिक स्वतंत्रता का आनंद नहीं ले सकता। उन्होंने तर्क दिया कि परंपराएं मनुष्य के विकास के लिए होनी चाहिए, न कि मनुष्य परंपराओं की बेड़ियों में जकड़ने के लिए। साहित्यिक क्षेत्र में उनका योगदान अतुलनीय है। उन्होंने 'सूत पुराण' जैसी अमर रचना की, जिसमें उन्होंने पौराणिक कथाओं का तार्किक विश्लेषण किया और स्थापित मान्यताओं पर कड़े सवाल खड़े किए। उन्होंने 'शंबूक वध' और 'कुरुक्षेत्र' जैसे नाटकों के माध्यम से इतिहास और पौराणिक पात्रों को एक नया मानवीय दृष्टिकोण दिया। उनकी रचनाओं ने तेलुगु साहित्य में 'सृजनात्मक विद्रोह' की शुरुआत की। उन्होंने पुरोहितवाद को चुनौती देने के लिए 'विवाह विधि' नामक पुस्तक लिखी, जिसमें बिना कर्मकांडों और मंत्रों के सादगीपूर्ण विवाह की पद्धति सुझाई गई। इसे 'आत्म-सम्मान विवाह' कहा गया, जिसे आज भी कई प्रगतिशील परिवारों में अपनाया जाता है। रामास्वामी का मानना था कि शिक्षा ही वह एकमात्र कुंजी है जो अज्ञानता के अंधेरे को दूर कर सकती है। उन्होंने महिलाओं की शिक्षा और उनके अधिकारों के लिए भी पुरजोर आवाज उठाई। वे केवल सिद्धांतवादी नहीं थे, बल्कि उन्होंने अपने विचारों को व्यवहार में भी उतारा। वे तेनाली नगरपालिका के अध्यक्ष के रूप में भी सेवा दे चुके थे, जहाँ उन्होंने भ्रष्टाचार के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई। उनके नेतृत्व में स्थानीय प्रशासन में आम आदमी की भागीदारी बढ़ी। वे जस्टिस पार्टी के एक मजबूत स्तंभ थे और उन्होंने मद्रास प्रेसीडेंसी में गैर-ब्राह्मण आंदोलन को बौद्धिक नेतृत्व प्रदान किया। उनका व्यक्तित्व इतना प्रभावशाली था कि उनके समकालीन नेता और समाज सुधारक भी उनके तर्कों के कायल थे। उन्होंने तेलुगु भाषा को पांडित्यपूर्ण बंधनों से मुक्त कर आम लोगों की भाषा बनाया, ताकि उनके विचार अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सकें।

रवि राज
साहित्यिक लेखन में सक्रिय हैं, मुंबई में निवास।

सुधांशु शेखर झा : दोस्ती का एक खुला आसमान

'कुछ लोग दुनिया से जाकर भी, अपनी यादों की खुशबू से हवाओं को महका जाते हैं।'

आज मन बहुत भारी है। वरिष्ठ पत्रकार और अभिन्न मित्र सुधांशु शेखर झा के असमय चले जाने की खबर ने भीतर तक हिला दिया है। सुधांशुजी जैसी शख्सियत जीवन की किताब के उन पन्नों की तरह होते हैं, जिन्हें कितनी भी बार पढ़ा जाए, वे हर बार नए और अपने से लगते हैं। सुधांशुजी ऐसी ही शख्सियत थे। उनके जाने से उन तमाम दोस्तों के दिलों में एक गहरा घाव हुआ है, जो उनके लिए 'आधी रात के हमसफर' थे।

कहते हैं कि घर ईंट-पत्थरों से नहीं, इंसान की आत्मीयता से बनता है। वर्सोवा का उनका वह घर सिर्फ एक रिहाइश नहीं, बल्कि दोस्तों के लिए एक 'सेफ हेवन' था। वह दौर जब लोग औपचारिकताओं में बंधे होते थे, सुधांशुजी खुद रसोई संभालते थे। अपने हाथों से खाना बनाना और उतने ही चाव से खिलाना—यह उनकी उस फकीराना फितरत का हिस्सा था, जो अब दुर्लभ है। वहाँ जाने के लिए किसी बहाने या समय की जरूरत नहीं होती थी; वहाँ जाकर बस 'अपना सा' महसूस होता था। वहाँ पहुँचते ही ऐसा लगता था मानो अपने ही घर आ गए हों। उनकी आवभगत में वह गरिमा और प्रेम था जो केवल परिजनों के लिए होता है। खुद रसोई संभालना, अपने हाथों से लजीज खाना बनाना और फिर बड़े चाव से खिलाना—वे एक मुकम्मल मेजबान थे।

आकाशवाणी के एक सुरक्षित सरकारी और वरिष्ठ पद को छोड़कर पत्रकारिता जैसे जुझारू पेशे का दामन थामना उनके भीतर के उस विद्रोही और ईमानदार पत्रकार का परिचायक था, जो सत्ता की चमक से ज्यादा शब्दों की ताकत पर यकीन करता था। संगीत की उनकी समझ गहरी थी। संझा जनसत्ता में उनकी समीक्षा पढ़ते हुए संगीत कानों में गूंजने लगता था।

सुधांशुजी की सबसे बड़ी खूबी उनकी पारदर्शिता थी। उन्होंने अपनी सफलताओं को जितने गर्व के साथ जिया, अपनी विफलताओं और अपनी "साग़र ख्वानी" को भी उतनी ही बेबाकी से स्वीकार किया। वे मुखौटे पहनकर जीने वाले इंसान नहीं थे। उनकी यही पारदर्शिता उन्हें 'दोस्तों का दोस्त' बनाती थी।

"हम अभी इकट्ठा हुए ही थे कि बिखरने लगे।।बिखरने लगे रवि।।। उनका जाना अब हमारे दिन भी गिना गया है।" धीरेंद्र अस्थाना जी के इन शब्दों में जो टीस है, वह उस पूरी पीढ़ी का दर्द है जो अब एक-एक करके अपने स्तंभों को ढहते देख रही है। जब एक हमदम जाता है, तो वह अपने साथ हमारे साझा अतीत का एक बड़ा हिस्सा भी ले जाता है। सैन फ्रांसिस्को से चित्रा रंगनाथन शर्मा जी उन्हें याद करते हुए लिखती हैं, "मुझको दिन भर से उनके साथ बिताए समय की याद ने घेर सा लिया - जब भी हम सब अपने जनसत्ता परिवार के 'मंच' पर मुंबई में मिलने की बात भी छेड़ देते तो तुरंत कहते, 'मेरे घर आ जाओ सब लोग। आपका अपना घर है।'

"वह उदार मन और सहज स्वभाव हमेशा याद रहेगा। एक मनभावन सादगी थी उन में।

"Liver Cirrhosis से पीड़ित पिछले एक महीने से अस्पताल में थे और ICU से दो दिन पहले बाहर आए। समय का फेर देखिए दो दिन में क्या से क्या हो गया।

उनके छोटे भाई आलोक से बात हुई - वे कई वर्षों से न्यू जर्सी में रहते हैं। सुधांशुजी उनके पास ५/६ वर्ष पहले आए भी थे। हमारी बात भी हुई थी। लेकिन सैन फ्रांसिस्को आने का मौक़ा नहीं लग पाया वरना मेरे घर भी आते।"

पैतृक स्थल भागलपुर से उन्हें जानते रहे अनिल सिन्हा जी बताते हैं कि वे शुरू से ही extra curricular activities में ज्यादा रुचि रखते थे। पिता श्री मृत्युंजय प्रसाद झा मारवाड़ी कॉलेज में अंग्रेजी के प्राध्यापक थे और अपने बेटे को भी अध्यापन के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया करते थे।

मुझसे छोटा था। भागलपुर में मेरा पड़ोसी था। कॉलेज के समय से ही रेडियो में आने जाने लगा और फिर वहीं नौकरी कर ली। जब मैं मुंबई आया तो वही अकेला इतना पुराना परिचित था। उससे बातचीत कम और नोक झोंक ज्यादा होती थी। परिचय का अपना एक गणित होता है जिसे शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता है। बिना संवाद के भी बातें और शिकायतें चलती रहती हैं। कुछ ऐसा ही था सुधांशु के साथ। अत्यंत दुःखद है उसका चले जाना... "

मेरे प्रति उनका स्नेह शब्दों से परे था। मेरी बेटी रीधिमा जब सुदूर अमेरिका से आलेख भेजती, तो वे न केवल उसे सराहते बल्कि पूरी प्राथमिकता के साथ उसे अपने अखबार में प्रकाशित भी करते। वे केवल संपादक नहीं थे, एक पिता जैसा प्रोत्साहन था उनमें रीधिमा के लिए। मुझे आज भी याद है, जब उसकी वीज़ा प्रक्रिया के लिए कागजात पर दस्तखत की जरूरत पड़ी, तो उन्होंने व्यस्तता की परवाह नहीं की। मैं संपादक हूँ और तुम प्रशिक्षु हो, ये नहीं जताया—वे खुद हमारे मालाड स्थित घर आए ताकि कोई रुकावट न आए। ऐसा कौन करता है आज के दौर में?

नई पीढ़ी को पत्रकारिता में आगे लाने और उसे आगे बढ़ाने के लिए हमेशा प्रयासरत रहे सुधांशुजी।

सुधांशुजी जैसे व्यक्तित्वों की आज के समय में बहुत आवश्यकता है। पत्रकारिता न केवल सूचना का माध्यम है, बल्कि यह समाज का दर्पण और लोकतंत्र का चौथा स्तंभ भी है। जब कोई अनुभवी व्यक्ति नई पीढ़ी को इस क्षेत्र में मार्गदर्शित करता है, तो वह केवल कौशल नहीं सिखाता, बल्कि पत्रकारिता की नैतिकता और मूल्यों को भी हस्तांतरित करता है।

सुधांशुजी की शख्सियत का सबसे जिंदादिल हिस्सा था—उनका 'सेंस ऑफ ह्यूमर'। उनके पास हर गंभीर स्थिति को एक लाइन में समेट देने का गजब का हुनर था।

सुधांशुजी के साथ बैठकी का असली मजा तब आता था, जब वे अपनी उस खास मुस्कुराहट के साथ कोई 'वन-लाइनर' छोड़ते थे। उनकी बातों में हाजिरजवाबी और एक तरह की बेफिक्र दार्शनिकता होती थी।

कभी किसी की बनावटी गंभीरता पर चुटकी लेना हो, या अपनी ही आदतों पर कोई तंज करना—महफिलों के शौकीन तो थे ही, वे अक्सर हँसते हुए कहते थे,

"जाम का क्या है, ये तो कल उतर जाएगा, पर आपकी यादों का नशा उम्र भर रहेगा।"

अलविदा सुधांशुजी, आप भले ही शारीरिक रूप से विदा हो गए हों, लेकिन वर्सोवा की उन शामों की महक, आपके हाथ के स्वाद और आम विषयों पर हुई उन लंबी बहसों में आप हमेशा जीवित रहेंगे। आपकी बेबाकी और साथ हमेशा याद आएगा।

संकट के समय आधी रात को खड़ी वह परछाईं अब स्मृतियों में स्थायी हो गई है!!!

जीवन मंत्र

समय का सदुपयोग: सफलता की एकमात्र कुंजी

महापुरुषों के जीवन को देखें तो पाएंगे कि उन्होंने अपने जीवन का एक-एक क्षण लक्ष्य प्राप्ति में लगाया। समय का सदुपयोग करने वाला व्यक्ति न केवल मानसिक शांति प्राप्त करता है, बल्कि वह तनाव और चिंता से भी मुक्त रहता है।

समय एक ऐसा अनमोल धन है जिसे न तो खरीदा जा सकता है और न ही इकट्ठा करके रखा जा सकता है। दुनिया में हर व्यक्ति को, चाहे वह अमीर हो या गरीब, प्रकृति ने एक दिन में समान रूप से 24 घंटे ही दिए हैं। सफलता और विफलता के बीच का मुख्य अंतर केवल इस बात पर निर्भर करता है कि व्यक्ति इन घंटों का उपयोग कैसे करता है। जो समय की कद्र करता है, समय उसे शिखर पर पहुँचा देता है, लेकिन जो समय को बर्बाद करता है, समय उसे पीछे छोड़ देता है। समय का सदुपयोग करने का अर्थ यह नहीं है कि आप मशीन की तरह काम करें, बल्कि इसका अर्थ है अपने कार्यों को प्राथमिकता देना। हम अक्सर 'कल' के भरोसे बैठ जाते हैं, लेकिन सच तो यह है कि 'कल' कभी आता ही नहीं। जो काम आज किया जा सकता है, उसे टालना असफलता की पहली सीढ़ी है। समय नियोजन (Time Management) के माध्यम से हम कम प्रयास में अधिक परिणाम प्राप्त कर सकते हैं। अनुशासन और समयबद्धता ही वह चाबी है जिससे सौभाग्य के द्वार खुलते हैं। महापुरुषों के जीवन को देखें तो पाएंगे कि उन्होंने अपने जीवन का एक-एक क्षण लक्ष्य प्राप्ति में लगाया। समय का सदुपयोग करने वाला व्यक्ति न केवल मानसिक शांति प्राप्त करता है, बल्कि वह तनाव और चिंता से भी मुक्त रहता है। जब हमारे कार्य समय पर पूरे होते हैं, तो हमारा आत्मविश्वास बढ़ता है। अंत में, हमें यह याद रखना चाहिए कि बीता हुआ समय कभी वापस नहीं लौटता। खोई हुई दौलत दोबारा कमाई जा सकती है, भूला हुआ ज्ञान फिर से याद किया जा सकता है, लेकिन बीता हुआ एक पल भी दुनिया की सारी दौलत खर्च करके वापस नहीं लाया जा सकता। इसलिए, आज और अभी से अपने समय की कद्र करना शुरू करें। अपने लक्ष्यों की सूची बनाएं और फालतू की बातों व आलस्य को त्याग कर कर्म में जुट जाएं। समय का सही निवेश ही आपके सुखद भविष्य की गारंटी है।

जीवन ऊर्जा | लॉर्ड बायरन : जन्म 22 जनवरी 1788 | जन्म

प्रेम और भय एक साथ नहीं रह सकते

लॉर्ड बायरन अंग्रेजी साहित्य के 'रोमांटिक आंदोलन' के सबसे प्रभावशाली और साहसी कवियों में से एक थे। उनका जन्म 22 जनवरी 1788 को लंदन में हुआ था। उन्हें उनके महाकाव्य 'डॉन जुआन' और 'चाइल्ड हेरोल्ड्स पिलग्रिमेज' के लिए विश्वभर में ख्याति मिली। बायरन का व्यक्तित्व अत्यंत जटिल और रहस्यमयी था, जिसके कारण उन्हें 'मैड, बैड एंड डेंजरस टू नो' कहा जाता था।

लॉर्ड बायरन न केवल अपनी कलम से बल्कि अपनी वीरता से भी इतिहास रचा; वे यूनान की आजादी की लड़ाई में लड़ने गए और वहीं मात्र 36 वर्ष की आयु में उनका निधन हो गया। उनके विचार प्रेम, स्वतंत्रता और मानवीय भावनाओं की गहराई को बड़ी बेबाकी से व्यक्त करते हैं। प्रेम एक महिला के पूरे अस्तित्व का इतिहास है, लेकिन पुरुषों के जीवन का केवल एक हिस्सा है। सच्चा प्रेम कभी नहीं मरता, वह केवल समय के साथ और गहरा होता जाता है। प्रेम और भय एक साथ नहीं रह सकते। भावनाओं का कोई अंत नहीं होता, वे केवल बदल जाती हैं। जो लोग प्यार करते हैं, वे ही सबसे ज्यादा दर्द सहते हैं। सच हमेशा झूठ से ज्यादा अजीब होता है। जिंदगी बहुत छोटी है, इसलिए इसे दूसरों की नफरत में बर्बाद न करें। एक पल की खुशी अक्सर जीवन भर के दर्द का कारण बनती है। स्मृति ही एकमात्र स्वर्ग है जिससे हमें कोई बाहर नहीं निकाल सकता। कल के बारे में सोचना छोड़ो, आज को पूरी तरह जियो। इंसान एक ऐसा जीव है जो मुस्कुराते हुए भी धोखा दे सकता है। भीड़ में रहना आसान है, लेकिन अकेले खड़े रहने के लिए साहस चाहिए। दुनियां एक किताब है और जो यात्रा नहीं करते, वे केवल एक ही पन्ना पढ़ पाते हैं। आलोचक वे लोग होते हैं जो खुद कुछ नहीं कर पाते। समाज में रहने का अर्थ है अपनी स्वतंत्रता का थोड़ा हिस्सा खो देना। दुःख ही ज्ञान है; जो सबसे अधिक जानते हैं, वे सबसे गहरा विलाप करते हैं। किताबें वे रोशनी हैं जो अंधेरे रास्तों को रोशन करती हैं। मौन सबसे ऊंची आवाज है, बस उसे सुनने वाला चाहिए। बुद्धिमानी और पागलपन के बीच एक बहुत पतली रेखा होती है। सीखने के लिए सबसे बड़ी पाठशाला 'अनुभव' है। कायर वे होते हैं जो अपनी भावनाओं को व्यक्त करने से डरते हैं। स्वतंत्रता का अर्थ केवल बेड़ियाँ टूटना नहीं, बल्कि दूसरों का सम्मान करना भी है। हंसी एक ऐसी दवा है जो बिना किसी कीमत के मिलती है।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्यप्रदेश

मणिकर्णिका का '94': जीवन, मृत्यु और कर्म का अद्भुत गणित

काशी के मणिकर्णिका घाट की फिजाओं में हमेशा एक अजीब सा वैराग्य और दर्शन घुला रहता है। यहाँ जीवन का अंत नहीं, बल्कि एक नए सफर की शुरुआत मानी जाती है। इसी घाट पर एक ऐसी परंपरा प्रचलित है जिसे 'खांटी' बनारसी या शास्त्रज्ञ ही जानते हैं। जब चिता शांत हो जाती है, तो मुखाग्नि देने वाला व्यक्ति चिता की भस्म पर '94' अंक लिखता है। यह अंक कोई साधारण संख्या नहीं, बल्कि हिंदू जीवन दर्शन का वह सार है जो मनुष्य को उसके कर्तव्यों और नियति के बीच का अंतर समझाता है।

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

भारतीय अध्यात्म के अनुसार, मनुष्य का जीवन 100 कर्मों की एक लंबी श्रृंखला है, जिसे 'शतपथ' कहा जाता है। इन 100 कर्मों को दो भागों में बांटा गया है—94 कर्म जो मनुष्य के अधिकार में हैं और 6 कर्म जो विधाता के अधीन हैं। मणिकर्णिका की राख पर '94' लिखने का अर्थ यह है कि हे जीवात्मा, तुम्हारे वे 94 कर्म जो तुम्हारे अधीन थे और जिन्हें करने में तुम समर्थ थे, वे आज इसी देह के साथ भस्म हो गए। यह अंक एक विदाई संदेश है कि मनुष्य ने अपना पुरुषार्थ पूरा कर लिया है। इन 94 कर्मों में सत्य बोलना, अहिंसा का पालन, माता-पिता की सेवा, दान-पुण्य, इंद्रियों पर नियंत्रण, परोपकार, समाज सेवा और प्रकृति की रक्षा जैसे नैतिक कर्तव्य शामिल हैं। ये वे कर्म हैं जिन्हें मनुष्य अपनी बुद्धि और विवेक से चुनता है। दूसरी ओर, शेष 6 कर्म ऐसे हैं जिन पर मनुष्य का कोई नियंत्रण नहीं होता। गोस्वामी तुलसीदास जी ने इसे स्पष्ट करते हुए लिखा है— 'हानि लाभु जीवनु मरनु जसु अपजसु बिधि हाथ।' अर्थात हानि, लाभ, जीवन, मृत्यु, यश और अपयश—ये छह परिणाम पूरी तरह विधाता के नियंत्रण में हैं। गीता के दर्शन के अनुसार, मृत्यु के बाद जीवात्मा अपने साथ मन और पाँच ज्ञानेंद्रियों को लेकर अगले सफर पर निकलती है। यह संख्या भी '6' होती है। यही वे तत्व हैं जो जीवात्मा के साथ अगले जन्म की यात्रा पर जाते हैं। अतः जब घाट पर 100 में से 6 घटाकर 94 लिखा जाता है, तो यह याद दिलाया जाता है कि जो तुम्हारे वश में था वह यहीं समाप्त हुआ, और जो विधाता के हाथ में है (वे 6 कर्म), वे अब तुम्हारे नए जीवन का आधार बनेंगे।

यह परंपरा हमें जीवन जीने की एक बहुत बड़ी प्रेरणा देती है। यह हमें सिखाती है कि हमें उन परिणामों (हानि-लाभ, यश-अपयश) की चिंता छोड़ देनी चाहिए जो हमारे हाथ में नहीं हैं। इसके बजाय, हमें उन 94 कर्मों पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए जो हमारे अधीन हैं। यदि हम अपने जीवन में सत्य, दया, क्षमा और परोपकार जैसे सत्कर्मों को अपनाते हैं, तो हमारा '94' का खाता शुद्ध हो जाता है। जब हमारा कर्म पक्ष मजबूत होता है, तो विधाता के अधीन रहने वाले 6 परिणाम भी स्वतः ही मंगलकारी हो जाते हैं। मणिकर्णिका घाट पर उकेरा गया यह '94' का अंक हर जीवित मनुष्य के लिए एक चेतावनी और प्रेरणा दोनों है। यह हमें याद दिलाता है कि संसार की भागदौड़ में हम अक्सर यश और लाभ के पीछे भागते हैं, जबकि वे हमारे वश में हैं ही नहीं। असली कमाई तो वे सत्कर्म हैं जो हमें धर्म और नैतिकता की ओर ले जाते हैं। यह दर्शन हमें सिखाता है कि हम एक 'यात्री' हैं और हमें अपने सफर को इतना गरिमापूर्ण बनाना चाहिए कि अंत में जब हिसाब हो, तो हमारा कर्म-पुंज प्रकाशित रहे।

अपने विचार

सत्य स्थानांतरित नहीं होता, उसका स्थान अचल है। न्यायपालिका की स्वतंत्रता का हनन सीधे-सीधे लोकतंत्र का हनन है। स्वतंत्र न्यायपालिका ही संविधान की अभिभावकीय सुरक्षा कर सकती है।

-अखिलेश यादव
अध्यक्ष, सपा

ये वीडियो मोदी के व्यक्तित्व का आईना है। नितिन नबीन को बॉस कहकर वो अपने अहम को आश्वस्त कर रहे हैं की उनको संजय जोशी या नितिन गडकरी को बॉस कहने में कितनी तकलीफ होती।

-सौरभ भारद्वाज
नेता, आप पार्टी

आम आदमी पार्टी सिर्फ चार लोगों का गैंग है। इसे कोई असली राजनीतिक पार्टी मानता ही नहीं। उनसे प्रधानमंत्री के बयान की गरिमा और महत्व को समझने की उम्मीद करना मूर्खता होगी। आम आदमी पार्टी एक राजनीतिक कूड़ाघर बनकर रह गई है।

-कपिल मिश्रा
मंत्री, दिल्ली सरकार

कल तक नीतीश कुमार को फिनिश कर रहे थे तो फिर आखिर आज क्या आवश्यकता पड़ गई कि वो नीतीश कुमार के साथ आना चाहते हैं। आरसीपी सिंह के आने के लिए दरवाजा खुला है या बंद यह तो बड़े नेता तय करेंगे

-श्रवण कुमार
नेता, जेडीयू

अपने विचार

डीबीडी कार्यालय

ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के.के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001

indiagroundreport@gmail.com

भेज सकते हैं।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि." के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुण लाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडिस्ट्रयल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित. फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com **कार्यकारी संपादक :** अमित बृज (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए ज़िम्मेदार).

ब्रीफ न्यूज़

उल्हासनगर के अनुज राहुल सिंह ने श्रीलंका में वर्ल्ड इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप में दो गोल्ड मेडल जीते

उल्हासनगरः महाराष्ट्र, भारत के उल्हासनगर के कराटे खिलाड़ी अनुज राहुल सिंह ने श्रीलंका की राजधानी कोलंबो में हुई वर्ल्ड शोटोकन इंटरनेशनल कराटे चैंपियनशिप 2026 में अपने शानदार प्रदर्शन से देश का नाम रोशन किया है। अनुज राहुल सिंह ने प्रतियोगिता में बेहतरीन कौशल दिखाया और दो गोल्ड मेडल जीते। उनके कोच सेंसेई राहुल प्रभात रंजन के मार्गदर्शन में उनकी इस उपलब्धि से भारतीय कराटे समुदाय में बहुत खुशी है। इस इंटरनेशनल चैंपियनशिप में तीसरे डैन ब्लैक बेल्ट धारक और इंटरनेशनल रेफरी सेंसेई राहुल प्रभात रंजन मौजूद थे। अनुज राहुल सिंह की जीत को ठाणे जिले के उल्हासनगर के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है। खेल प्रेमियों और कराटे कोचों ने उन्हें बधाई दी है और भविष्य में और इंटरनेशनल सफलता के लिए शुभकामनाएं दी हैं।

डोंबिवली में भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा का भव्य पदग्रहण एवं स्वागत समारोह संपन्न

डोंबिवली : भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा द्वारा महाराष्ट्र प्रदेश एवं जिला कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों का पदग्रहण एवं स्वागत समारोह कल डोंबिवली में अत्यंत उत्साह, गरिमा और धूमधाम के साथ संपन्न हुआ। इस भव्य आयोजन में महाराष्ट्र सहित अन्य राज्यों से आए अनेक गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। इस समारोह का आयोजन महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष रतीलाल गुप्ता के नेतृत्व में किया गया, कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश से विशेष रूप से पधारे सपूर्णानंद, राष्ट्रीय युवा अध्यक्ष एस। पी। गुप्ता, मुंबई अध्यक्ष रवि गुप्ता, प्रदेश महासचिव बिपिन गुप्ता, राष्ट्रीय सदस्य होरिलाल गुप्ता, मुंबई कार्याध्यक्ष रमाकांत गुप्ता एवं जितेंद्र गुप्ता की गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील गुप्ता, प्रभारी प्रकोष्ठ एडवोकेट प्रमोद गुप्ता तथा प्रदेश सचिव महेश गुप्ता का विशेष योगदान रहा। समारोह के दौरान उपस्थित सभी अतिथियों एवं पदाधिकारियों का शॉल एवं पुष्पगुच्छ देकर भव्य स्वागत किया गया। साथ ही नवनियुक्त पदाधिकारियों को नियुक्ति प्रमाण पत्र वितरित कर उन्हें संगठन की जिम्मेदारियाँ सौंपी गईं। इस अवसर पर वक्ताओं ने समाज की एकता, संगठन की मजबूती, सामाजिक उत्थान और युवाओं की भागीदारी पर जोर देते हुए कहा कि भारतीय तैलिक साहू राठौर महासभा समाज के हक़ और सम्मान के लिए निरंतर कार्य करती रहेगी।

नासिक में सेना ने दिखाई आर्टिलरी की ताकत

के-9 वज्र और पिनाका समेत कई हथियारों ने दिखाया दम

डीबीडी संवाददाता । नासिक

महाराष्ट्र के नासिक जिले में बुधवार को भारतीय सेना की रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी के सालाना सैन्य अभ्यास 'तोपची' का आयोजन किया। इस दौरान सेना ने देवलाली फील्ड फायरिंग रेंज में अपनी गोला-बारूद की ताकत दिखाई। यहां के-9 वज्र और एम-777 अल्ट्रा लाइट होवित्जर जैसी तोपों ने आग उगली। कार्यक्रम में स्वदेशी रूप से निर्मित आर्टिलरी सिस्टम सहित कई अन्य शैन्य हथियार ने अपनी ताकत दिखाई।

आधुनिक हथियारों का प्रदर्शन

इस कार्यक्रम में तोपों, मोर्टार, रॉकेट, ड्रोन और विमानन तकनीकों का बेहतरीन तालमेल देखने को मिला। यहां के-9 वज्र, एम-777, बोफोर्स, धनुष, इंडियन फील्ड गन, लाइट फील्ड गन और पिनाका मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर ने अपनी मारक क्षमता से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कमेंट्री में बताया गया कि इनमें से कई हथियारों का इस्तेमाल 'ऑपरेशन सिंदूर' में हो चुका है।

पहली बार बीएसएफ और नौसेना शामिल

इस साल का आयोजन इसलिए भी खास था क्योंकि पहली बार सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और भारतीय नौसेना के जवानों ने भी इसमें हिस्सा लिया। इसके अलावा, पैराशूट रेजिमेंट के जवानों ने पैरामीटर और हैंग-ग्लाइडर के साथ अभ्यास के दौरान अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन किया।

कौन-कौन थे मौजूद?

इस भव्य प्रदर्शन को देखने के लिए डिफेंस सर्विसेज स्टाफ कॉलेज, वेलिंगटन, डिफेंस सर्विसेज टेक्निकल स्टाफ कोर्स, नेपाल आर्मी कमांड एंड स्टाफ कॉलेज के स्टूडेंट ऑफिसर, भारतीय सेना के प्रमुख अधिकारी, सिविल एडमिनिस्ट्रेशन, स्थानीय लोग और महाराष्ट्र के अलग-अलग स्कूलों और कॉलेजों के छात्र मौजूद थे।

आत्मनिर्भरता और तैयारी का सबूत

कार्यक्रम का आयोजन लेफ्टिनेंट जनरल नवनीत सिंह सरना, कमांडेंट, स्कूल ऑफ आर्टिलरी और रेजिमेंट ऑफ आर्टिलरी के कर्नल कमांडेंट के नेतृत्व में किया गया था। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि लेफ्टिनेंट जनरल मनीष एरी थे। जनरल सरना ने कहा, यह अभ्यास भारतीय आर्टिलरी की काबिलियत और शानदार काम का सबूत है। यह ऑपरेशनल तैयारी, तकनीकी प्रगति और स्वदेशी रक्षा निर्माण पर जोर देता है, जो भारत के आत्मनिर्भरता और आधुनिकीकरण पर फोकस को दर्शाता है।

84 नॉन-रेजिडेंशियल प्लॉट्स की ई-ऑक्शन रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख बढ़ी

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

मुंबई हाउसिंग एंड एरिया डेवलपमेंट बोर्ड (म्हाडा) की एक डिविजनल यूनिट ने मुंबई में विभिन्न हाउसिंग प्रोजेक्ट्स के पास 84 नॉन-रेजिडेंशियल प्लॉट्स की बिक्री के लिए आयोजित ई-ऑक्शन के ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन और एप्लीकेशन जमा करने की अंतिम तारीख 2 फरवरी, 2026 रात 11.59 बजे तक बढ़ा दी है। योग्य एप्लीकेंट्स 4 फरवरी, 2026 को सुबह 11 बजे से शाम 5 बजे तक वेबसाइट www.eauction.mhada.gov.in पर कंप्यूटराइज्ड ऑनलाइन बिडिंग के माध्यम से भाग ले सकते हैं। ई-ऑक्शन के कंबाइंड रिजल्ट्स 5 फरवरी, 2026 को दोनों वेबसाइट्स https://eauction.mhada.gov.in और https://mhada.gov.in पर प्रकाशित किए जाएंगे।

ई-ऑक्शन में भाग लेने की शर्तें और जानकारी

ऑक्शन में हिस्सा लेने के लिए एप्लीकेंट की उम्र 18 साल से अधिक होनी चाहिए, महाराष्ट्र राज्य में 2018 के बाद जारी डोमिसाइल सर्टिफिकेट जमा करना होगा और ऑफ़सेट प्राइस के हिसाब से तय डिपॉज़िट अमाउंट देना होगा। पूरी एलिजिबिलिटी क्राइटेरिया, प्रत्येक लॉट का विवरण, सोशल रिज़र्वेशन, ऑनलाइन एप्लीकेशन प्रोसेस, डिटेल्ड टर्म्स एंड कंडीशंस और जानकारी बुकलेट https://eauction.mhada.gov.in और https://mhada.gov.in पर Lottery › Eauction › eauction सेक्शन में उपलब्ध हैं।

ई-ऑक्शन में उपलब्ध नॉन-रेजिडेंशियल प्लॉट्स

इस ई-ऑक्शन में मुंबई के विभिन्न क्षेत्रों में प्लॉट्स बिक्री के लिए उपलब्ध हैं, जिनमें शामिल हैं—मुलुंड गवनपाड़ा में 4, कुर्ला-स्वदेशी मिल में 5, कोपरी पवई में 15, मॉडल टाउन मजासवाड़ी जोगेश्वरी ईस्ट में 1, सिद्धार्थ नगर गोरेगांव में 1, बिंबिसार नगर गोरेगांव ईस्ट में 17, मालवानी-मलाड में 29 और चारकोप में 12 नॉन-रेजिडेंशियल प्लॉट्स। इनकी बेस सेल प्राइस MHADA के बदलते नियमों के अनुसार कमर्शियल क्विक कैलकुलेशन रेट (100%) पर तय की गई है। बोर्ड के चीफ ऑफिसर मिलिंद बोरिकर ने अधिक से अधिक नागरिकों से इस ई-ऑक्शन में भाग लेने की अपील की है।

भुसावल-नागपुर मंडल को 'सम्पूर्ण कार्यक्षमता शील्ड'

डीबीडी संवाददाता । भुसावल

मध्य रेलवे के 70वें रेल सप्ताह (विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार) समारोह का आयोजन 21 जनवरी 2026 को सेंट्रल रेलवे ऑडिटोरियम, मुंबई में किया गया। इस अवसर पर मध्य रेलवे के महाप्रबंधक विवेक कुमार गुप्ता ने भुसावल एवं नागपुर मंडल को संयुक्त रूप से 'सम्पूर्ण कार्यक्षमता शील्ड' प्रदान की। भुसावल मंडल की ओर से मंडल रेल प्रबंधक पुनीत अग्रवाल ने यह शील्ड स्वीकार की।

सात विभागों को शील्ड, अकोला स्टेशन को विशेष सम्मान

उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए भुसावल मंडल को यह उपलब्धि मंडल के सभी विभागों के सामूहिक प्रयास से मिली। मंडल रेल प्रबंधक ने शाखा अधिकारियों के साथ कुल 7 शील्ड स्वीकार कीं, जिनमें विद्युत, लेखा, कार्मिक, चिकित्सा, भंडार प्रबंधन और स्वच्छता विभाग शामिल हैं। इसके साथ ही अकोला स्टेशन को 'सर्वश्रेष्ठ स्वच्छता शील्ड' से सम्मानित किया गया, जो स्वच्छता के क्षेत्र में मंडल की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

13 अधिकारी-कर्मचारी विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार से सम्मानित

वर्ष 2025 के लिए भुसावल मंडल के 2 अधिकारियों और 11 कर्मचारियों को विशिष्ट रेल सेवा पुरस्कार प्रदान किए गए। इनमें वरिष्ठ मंडलीय विद्युत अभियंता सौरभ गोयल, मंडलीय चिकित्सा अधिकारी डॉ. सुमन सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और कर्मचारी शामिल हैं। ये सम्मान कर्मचारियों के समर्पण, कठोर परिश्रम और नवोन्मेषी कार्य संस्कृति की पहचान हैं, जो अन्य कर्मचारियों को भी उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेंगे।

मेडिकवर हॉस्पिटल में शुरू हुआ विशेष 'ओबेसिटी क्लिनिक'

डीबीडी संवाददाता । नवी मुंबई

देश में हर आयु वर्ग में मोटापे की समस्या तेजी से बढ़ रही है। इसे देखते हुए मेडिकवर हॉस्पिटल, नवी मुंबई में विशेष ओबेसिटी क्लिनिक की शुरुआत की गई है। यह क्लिनिक अधिक वजन, प्रीडायबिटीज, टाइप-2 डायबिटीज, बैठी हुई जीवनशैली, तनाव, उच्च रक्तचाप, हृदय रोग और हार्मोनल असंतुलन जैसी समस्याओं से जूझ रहे मरीजों को समग्र उपचार और विशेषज्ञ मार्गदर्शन प्रदान करेगा। उद्घाटन अवसर पर प्रमुख अतिथि के रूप में डॉ. कीर्ति समुद्र उपस्थित रहीं।

मोटापा और डायबिटीज के बीच संबंध, समय रहते उपचार की आवश्यकता

मेडिकवर हॉस्पिटल के एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. प्रशांत गायकवाड़ ने बताया कि मोटापा और टाइप-2 डायबिटीज आपस में जुड़े हुए हैं और धीरे-धीरे विकसित होते हैं। केवल डाइट या दवाओं पर निर्भर रहना पर्याप्त नहीं है। क्लिनिक के माध्यम से सही जीवनशैली बदलावों पर जोर दिया जाएगा, जिससे वजन और रक्त शर्करा नियंत्रित रहें और गंभीर जटिलताओं का खतरा कम हो। मेडिकवर हॉस्पिटल की डाइटेटिक्स प्रमुख राजेश्वरी पांडा ने बताया कि यहां पोषण, तनाव, नींद और दैनिक आदतों के आधार पर व्यावहारिक और संतुलित डाइट योजनाएं बनाई जाएंगी, जिन्हें मरीज अपनी रोजमर्रा की जिंदगी में आसानी से अपना सकते हैं। नवी मुंबई मेडिकवर हॉस्पिटल्स के सेंटर हेड संदीप जोशी ने कहा कि अक्सर मोटापा और डायबिटीज को तब तक नजरअंदाज किया जाता है, जब तक हृदय रोग, जोड़ों की समस्या या किडनी की जटिलताएं सामने नहीं आतीं।

कलाकारों की आवाज़ लेकर सरकार के दरवाज़े पहुँची CINTAA

CINTAA ने मंत्री बावनकुले के सामने रखी कलाकारों की पीड़ा

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

टीवी की रंगीन दुनिया जितनी चमकदार दिखती है, उसके पीछे कलाकारों का संघर्ष उतना ही गहरा है। इसी सच्चाई को सरकार तक पहुँचाने के लिए सिने एंड टेलीविज़न आर्टिस्ट्स एसोसिएशन (CINTAA) की अध्यक्ष पूनम ढिल्लों और वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद्मिनी कोल्हापुरे ने महाराष्ट्र के राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले से मुलाकात की। बैठक में टीवी कलाकारों को लंबे समय से झेलनी पड़ रही समस्याओं—पेमेंट में देरी, आने-जाने की सुविधा, काम के घंटे और बुनियादी सहूलियतों—पर विस्तार से चर्चा की गई और इनके समाधान के लिए सरकार से सहयोग माँगा गया।

लंबे काम के घंटे और बदलाव की उम्मीद

काम के घंटे भी एक बड़ी समस्या बन चुके हैं। पहले जहां शूटिंग शिफ्ट 8 घंटे की होती थी, अब वह 12 घंटे तक पहुँच गई है और कई बार 15–16 घंटे तक शूटिंग चलती है, लेकिन अतिरिक्त समय का भुगतान नहीं किया जाता। साथ ही, लागत बचाने के नाम पर सेट पर मिलने वाली बुनियादी सहूलियतों की गुणवत्ता भी लगातार गिर रही है। पद्मिनी कोल्हापुरे ने कहा कि बड़े सितारों को इन समस्याओं का सामना नहीं करना पड़ता, जबकि इंडस्ट्री की रीढ़ माने जाने वाले कैरेक्टर आर्टिस्ट आज भी अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहे हैं।

पेमेंट देरी और सुविधाओं में कटौती का मुद्दा

CINTAA अध्यक्ष पूनम ढिल्लों ने बताया कि आज भी अधिकांश टीवी कलाकारों को मेहनताना 90 दिनों बाद मिलता है। छोटे कैरेक्टर रोल करने वाले कलाकारों से कई बार एग्रीमेंट तक नहीं कराया जाता, जिससे उनका भुगतान अटक जाता है या मिल ही नहीं पाता। ऐसे मामलों में CINTAA को हस्तक्षेप कर प्रोड्यूसर्स पर भुगतान का दबाव बनाना पड़ता है। उन्होंने यह भी कहा कि पहले कैरेक्टर आर्टिस्टों को 500 रुपये कन्वेयंस दिया जाता था, लेकिन अब ज़्यादातर प्रोड्यूसर्स यह सुविधा देने से इनकार कर रहे हैं, जिससे कलाकारों की मुश्किलें और बढ़ गई हैं।

पोस्टमैन और पोस्टवुमन के लिए 200 ई-बाइक्स लॉन्च

डीबीडी संवाददाता । मुंबई

स्थायी शहरी लॉजिस्टिक्स की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए डाक विभाग, महाराष्ट्र सर्कल ने मुंबई जनरल पोस्ट ऑफिस में पोस्टमैन और पोस्टवुमन के लिए 200 ई-बाइक्स लॉन्च कीं। इस अवसर पर चीफ पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह ने ई-बाइक्स लॉन्च के उपलक्ष्य में एक विशेष पोस्टल कवर जारी किया, जिसका पहला एल्बम विशेष अतिथि अमृता फडणवीस को सौंपा गया। यह पहल बढ़ते पार्सल ट्रैफिक को ध्यान में रखते हुए डिलीवरी को तेज, सुरक्षित और पर्यावरण-अनुकूल बनाने की दिशा में उठाया गया कदम है।

लोंगेवाला की वीरता को समर्पित स्पेशल कवर

कार्यक्रम के दौरान 1971 की ऐतिहासिक लोंगेवाला की लड़ाई की याद में एक विशेष पोस्टल कवर भी जारी किया गया, जिसमें आने वाली फीचर फिल्म 'बॉर्डर 2' से जुड़ी झलकियां शामिल हैं। इसके साथ ही "संदेश वीरों को" पोस्टकार्ड अभियान का शुभारंभ किया गया, जिसके तहत आम नागरिक और छात्र पोस्टकार्ड के माध्यम से भारतीय सैनिकों को धन्यवाद और समर्थन संदेश भेज सकेंगे। यह पहल पारंपरिक पत्र लेखन के जरिए सशस्त्र बलों के मनोबल को मजबूत करने और राष्ट्रीय एकता को प्रोत्साहित करने का प्रयास है।

महिलाओं के सशक्तिकरण पर जोर

चीफ पोस्टमास्टर जनरल अमिताभ सिंह ने कहा कि जहां पत्रों की संख्या घटी है, वहीं पार्सल डिलीवरी कई गुना बढ़ी है, जिसे संभालने के लिए ई-बाइक्स अहम भूमिका निभाएंगी। अमृता फडणवीस ने महिलाओं के सशक्तिकरण और पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए इस पहल को समय की जरूरत बताया। कार्यक्रम के अंत में उन्होंने मुंबई GPO से ई-बाइकों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया, जिससे हरित, आधुनिक और नागरिक-केंद्रित डाक सेवाओं की दिशा में एक नया अध्याय शुरू हुआ।

12 राशिफल में देखें अपना दिन

मेष यात्रा मनोनुकूल रहेगी। कारोबार से संतुष्टि रहेगी। रुका हुआ धन प्राप्त होगा। प्रयास सफल रहेंगे। बुद्धि का प्रयोग करें। प्रमाद न करें। निवेश से लाभ होगा। नौकरी में प्रभाव क्षेत्र बढ़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में उत्साह से काम कर पाएंगे।

वृष किसी मांगलिक कार्य का आयोजन हो सकता है। स्वादिष्ट व्यंजनों का लुत्फ उठा पाएंगे। यात्रा लाभदायक रहेगी। बौद्धिक कार्य सफल रहेंगे। किसी प्रबुद्ध व्यक्ति का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रह सकता है। दूसरों के झगड़ों में न पड़ें।

मिथुन आंखों का विशेष ध्यान रखें। चोट व रोग से बचाएं। पुराना रोग उभर सकता है। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। वाणी पर नियंत्रण रखें। व्यवसाय की गति धीमी रहेगी। आय बनी रहेगी। नौकरी में कार्यभार रहेगा। थकान महसूस होगी। सहकर्मी सहयोग नहीं करेंगे।

कर्क आवश्यक वस्तु समय पर नहीं मिलने से खिन्नता रहेगी। बनते कामों में बाधा उत्पन्न होगी। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा। काम में मन नहीं लगेगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। थोड़े प्रयास से ही कार्यसिद्धि होने से प्रसन्नता रहेगी। निवेश से लाभ होगा।

सिंह आय में निश्चितता रहेगी। शत्रु शांत रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय से लाभ होगा। बुरी खबर मिल सकती है, धैर्य रखें। दौड़धूप की अधिकता का स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा। थकान व कमजोरी रह सकती है। वाणी में कड़े शब्दों के इस्तेमाल से बचें। दूसरों की बातों में नहीं आएं।

कन्या स्थायी संपत्ति के बड़े सौदे बड़ा लाभ दे सकते हैं। मनपसंद रोजगार मिलेगा। आर्थिक उन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। कर्ज समय पर चुका पाएंगे। बैंक-बैलेंस बढ़ेगा। नौकरी में चैन रहेगा। व्यापार में वृद्धि के योग हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा।

तुला वाणी में शब्दों का प्रयोग सोच-समझकर करें। प्रतिद्वंद्विता में कमी होगी। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। व्यापार में वृद्धि होगी। स्त्री वर्ग से समयानुकूल सहायता प्राप्त होगी। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। निवेश शुभ रहेगा।

वृश्चिक वाहन, मशीनरी व अग्नि के प्रयोग में सावधानी रखें। विशेषकर गृहिणियां लापरवाही न करें। आवश्यक वस्तुएं गुम हो सकती हैं। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। किसी व्यक्ति की बातों में न आएं।

धनु धार्मिक अनुष्ठान में भाग लेने का अवसर प्राप्त हो सकता है। सत्संग का लाभ मिलेगा। राजकीय सहयोग प्राप्त होगा। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। नौकरी में सहकर्मी साथ देंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेश लाभ देगा। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

मकर बिगड़े काम बनेंगे। निवेश मनोनुकूल लाभ देगा। नौकरी में प्रभाव वृद्धि होगी। कोई पुराना रोग बाधा का कारण हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। विरोध होगा। आर्थिक नीति में परिवर्तन होगा।

कुंभ व्यावसायिक यात्रा लाभदायक रहेगी। रोजगार मिलेगा। आय में वृद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। शेयर मार्केट मनोनुकूल लाभ देगा। बुद्धि का प्रयोग करें। घर-बाहर प्रसन्नता का वातावरण बनेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। काम में मन नहीं लगेगा। विवाद न करें।

मीन जल्दबाजी व लापरवाही से हानि होगी। राजकीय कोप भुगतना पड़ सकता है। विवाद न करें। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। प्रसन्नता रहेगी। बिछड़े मित्र व संबंधी मिलेंगे। विरोधी सक्रिय रहेंगे। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। व्यापार मनोनुकूल चलेगा। नौकरी में सहकर्मी सहयोग करेंगे। लाभ होगा।

जन्म से मोक्ष तक जीवन की यात्रा: कुंडली के बारह भावों का रहस्यमय विज्ञान

प्रियंका जैन
9769994439

मनुष्य के जीवन की सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण घटना उसका जन्म है। इसी क्षण से उसकी यात्रा इस भौतिक संसार में आरंभ होती है और अंततः यह यात्रा मृत्यु और मोक्ष की ओर बढ़ती है। वैदिक ज्योतिष में जन्मकुंडली को जीवन का दर्पण माना गया है, जिसमें मनुष्य के जन्म से लेकर उसके अंतिम लक्ष्य तक का पूरा क्रम बारह भावों के माध्यम से व्यक्त होता है। ये बारह भाव केवल भविष्य बताने के साधन नहीं हैं, बल्कि जीवन के विकास क्रम, चेतना की परिपक्वता और आत्मा की यात्रा का गूढ़ दर्शन प्रस्तुत करते हैं।

प्रथम भाव को लग्न या जन्म भाव कहा गया है। यही वह स्थान है जहाँ से व्यक्ति का संसार में प्रवेश होता है। इस भाव से व्यक्ति का शरीर, रंग-रूप, कद-काठी, जन्मस्थान, जन्मकाल, स्वभाव और व्यक्तित्व का मूल स्वरूप देखा जाता है। यह भाव प्राण का प्रतिनिधित्व करता है, क्योंकि यहीं से जीवन शक्ति प्रवाहित होती है। मनुष्य जैसा शरीर और व्यक्तित्व लेकर जन्म लेता है, वही आगे उसके अनुभवों और कर्मों का आधार बनता है।

जन्म के बाद जीवन को चलाने के लिए पोषण और सुरक्षा की आवश्यकता होती है। इसी कारण द्वितीय भाव को धन, कुटुंब और भोजन का स्थान माना गया है। यह भाव बताता है कि व्यक्ति किस प्रकार आजीविका प्राप्त करेगा, उसकी वाणी कैसी होगी और परिवार से उसे कैसा सहयोग मिलेगा। भोजन और धन के बिना शरीर का अस्तित्व संभव नहीं, इसलिए यह भाव जीवन की स्थिरता का आधार बनता है।

धन और संसाधन भी तभी उपयोगी होते हैं जब व्यक्ति में उन्हें अर्जित करने की क्षमता और साहस हो। तृतीय भाव पराक्रम, पुरुषार्थ, श्रम, प्रयास और बाहुबल का प्रतिनिधित्व करता है। यह भाव बताता है कि व्यक्ति चुनौतियों का सामना किस प्रकार करता है, उसके भीतर साहस कितना है और वह अपने लक्ष्यों के लिए कितना संघर्ष कर सकता है। बिना परिश्रम के न तो धन टिकता है और न ही सम्मान प्राप्त होता है। केवल परिश्रम ही पर्याप्त नहीं है, जब तक मन में कुछ करने की इच्छा और भावनात्मक जुड़ाव न हो। चतुर्थ भाव मन, भावनाओं, सुख, शांति और आंतरिक संतोष का स्थान है। यह भाव व्यक्ति के मानसिक विकास को दर्शाता है। माँ, घर, भूमि और मानसिक सुरक्षा इसी भाव से जुड़ी होती है। यदि मन स्थिर और संतुलित न हो तो जीवन के अन्य सभी संसाधन व्यर्थ प्रतीत होते हैं। मन और भावना के बाद जीवन में विचार और बुद्धि का विकास होता है। पंचम भाव को बुद्धि, विचार शक्ति, विवेक और रचनात्मकता का स्थान माना गया है। यह भाव बताता है कि व्यक्ति निर्णय कैसे लेता है, उसकी स्मरण शक्ति कैसी है और वह जीवन की परिस्थितियों को कितनी समझदारी से संभालता है। शिक्षा, संतान और पूर्व जन्म के पुण्य भी इसी भाव से देखे जाते हैं। यह जीवन के विकास क्रम में चेतना की परिपक्वता का संकेतक है। जीवन में प्रगति तभी संभव है जब व्यक्ति बाधाओं और विरोधों से संघर्ष करना सीख ले। षष्ठ भाव शत्रु, रोग, ऋण, प्रतिस्पर्धा और संघर्ष का प्रतिनिधित्व करता है।

(क्रमशः)

न्यूज़ ब्रीफ

स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद के वकील का अल्टीमेटम

प्रयागराज। स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद महाराज और प्रयागराज मेला प्राधिकरण के बीच जारी विवाद ने नया मोड़ ले लिया है। स्वामी के अधिवक्ता ने मेला प्राधिकरण को भेजे गए जवाब में नोटिस तत्काल वापस लेने की मांग करते हुए कड़ी चेतावनी दी है। स्वामी के मीडिया प्रभारी के अनुसार, उच्चतम न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाले अधिवक्ता ने स्पष्ट किया है कि यदि शिविर में लगाए गए नोटिस को 24 घंटे के भीतर वापस नहीं लिया गया, तो इसे सर्वोच्च न्यायालय की अवमानना माना जाएगा। साथ ही, स्वामी की छवि को कथित रूप से नुकसान पहुंचाने के आरोप में मानहानि का मुकदमा दायर किए जाने की भी बात कही गई है।

25 लाख की हेरोइन संग दो तस्कर गिरफ्तार

सोनभद्र। जिले में मादक पदार्थों के खिलाफ अभियान के तहत पुलिस और एसओजी की संयुक्त कार्रवाई में दो तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपियों के पास से 248 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई जा रही है। एडिशनल पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार के अनुसार, राबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र के मेहुड़ी-सजौर मार्ग पर वाहन चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो युवकों को पकड़ा गया। तलाशी में हेरोइन के साथ दो मोबाइल फोन और 1300 रुपये नकद भी मिले। पूछताछ में आरोपियों की पहचान अटल बिहारी यादव और दीपक कुमार भारती के रूप में हुई है। दोनों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत बिगड़ी, रेफर

अयोध्या। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नृत्य गोपाल दास की तबीयत अचानक खराब हो गई है। स्वास्थ्य में गिरावट के बाद उन्हें बेहतर इलाज के लिए लखनऊ स्थित मेदांता अस्पताल रेफर किया गया है। चिकित्सकों के अनुसार बीते 36 घंटे से उन्होंने अन्न ग्रहण नहीं किया था और उल्टी-दस्त की शिकायत बनी हुई थी। स्थिति बिगड़ने पर उत्तराधिकारी महंत कमलनयन दास उन्हें लेकर बुधवार को लखनऊ के लिए रवाना हुए।

छपरा को 538 करोड़ की योजनाओं की सौगात

छपरा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने समृद्धि यात्रा के दौरान छपरा जिले को 538 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी। उन्होंने 451 करोड़ रुपये की लागत से 45 नई योजनाओं की आधारशिला रखी, जबकि 87 करोड़ रुपये से पूर्ण 24 योजनाओं का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री ने जीविका दीदियों के प्रशिक्षण केंद्र और स्टार्टअप स्टॉलों का निरीक्षण कर महिलाओं व युवाओं के आत्मनिर्भर प्रयासों की सराहना की। बिन्टोरिया में नवनिर्मित आईटीआई भवन का उद्घाटन करते हुए उन्होंने योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने के निर्देश दिए। जन संवाद कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क और बिजली क्षेत्र में हुई प्रगति का उल्लेख किया। उन्होंने भविष्य में घर-घर सोलर सिस्टम लगाए जाने की भी घोषणा की।

ज्ञानवापी प्रकरण: विजय शंकर रस्तोगी पर 2000 का अर्थदंड

एजेंसी । वाराणसी

वर्ष 1991 से लंबित ज्ञानवापी विवाद से जुड़े मूल वाद में मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान सिविल जज (सीनियर डिवीजन, फास्ट ट्रैक कोर्ट) की अदालत ने वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी पर दो हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। न्यायालय ने यह आदेश पक्षकार बनाए जाने से संबंधित प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के क्रम में पारित किया। यह मामला स्वर्गीय हरिहर पांडेय द्वारा वर्ष 1991 में दायर मुकदमे से संबंधित है, जिसमें ज्ञानवापी परिसर में मंदिर निर्माण और हिंदुओं को पूजा-पाठ का अधिकार दिए जाने की मांग की गई थी। वर्तमान में इस वाद में स्व. हरिहर पांडेय की तीन पुत्रियों—मणिकुंतला तिवारी, नीलिमा मिश्रा और रेणू पांडेय—द्वारा स्वयं को पक्षकार बनाए जाने के लिए प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया है, जिस पर अदालत में सुनवाई चल रही है।

समय मांगने पर कोर्ट ने लगाया जुर्माना

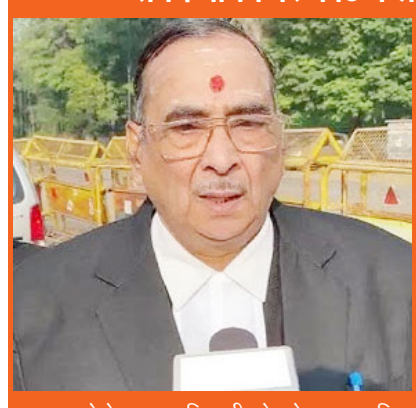

पिछली सुनवाई के दौरान वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी ने आपत्ति दाखिल करने के साथ अतिरिक्त समय की मांग की थी। इस पर वादी पक्ष की ओर से आपत्ति दर्ज कराते हुए जुर्माना लगाए जाने की मांग की गई थी। मंगलवार की सुनवाई के बाद न्यायालय ने वादमित्र पर दो हजार रुपये का अर्थदंड लगाते हुए अगली सुनवाई की तिथि 22 जनवरी निर्धारित की है। जुर्माना लगाए जाने के बाद वादमित्र की ओर से पुनः आपत्ति दाखिल की गई है।

प्रतिवादी पक्ष ने भी जताई आपत्ति

मामले में प्रतिवादी पक्ष अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद की ओर से भी स्व. हरिहर पांडेय की तीनों पुत्रियों को पक्षकार बनाए जाने का विरोध किया गया है। प्रतिवादी पक्ष के अधिवक्ताओं ने दलील दी कि इससे पहले भी इसी प्रकार के प्रार्थना पत्र खारिज किए जा चुके हैं और प्रस्तावित आवेदक न तो आवश्यक पक्षकार हैं और न ही अनिवार्य। उनका कहना है कि यदि ऐसे आवेदन स्वीकार किए गए, तो विभिन्न समुदायों से पक्षकार बनने के लिए प्रार्थना पत्रों की बाढ़ आ जाएगी, जिससे मुकदमे की सुनवाई और निस्तारण बाधित होगा।

वक्फ बोर्ड की तरफ से भी आवेदन

मुकदमे की सुनवाई के दौरान उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड की ओर से भी एक प्रार्थना पत्र दाखिल किया गया है। बोर्ड के अधिवक्ता ने ज्ञानवापी से संबंधित सभी मामलों की सुनवाई पर रोक लगाने की मांग की है। इस प्रार्थना पत्र पर पूर्व निर्धारित तिथि पर वादमित्र को अपना पक्ष रखना था, लेकिन अनुपस्थित रहने के कारण उन्होंने स्थगन प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया था, जिसका वादी पक्ष ने विरोध किया।

जिला जेल में सात बंदी HIV पाजिटिव मिले

प्रतापगढ़ जिला कारागार में स्वास्थ्य जांच के बाद सतर्कता बढ़ाई गई

13 बंदियों की नियमित हेल्थ जांच के बाद आई पाजिटिव रिपोर्ट

एजेंसी । प्रतापगढ़

जिला कारागार में निरुद्ध 13 बंदियों की नियमित चिकित्सकीय जांच के दौरान सात व्यक्तियों में एचआईवी संक्रमण की पुष्टि होने से प्रशासनिक और स्वास्थ्य महकमे में सतर्कता बढ़ा दी गई है। जांच रिपोर्ट बुधवार को सामने आने के बाद जेल प्रशासन ने स्वास्थ्य सुरक्षा प्रोटोकॉल को तत्काल प्रभाव से सख्ती से लागू कर दिया है।

आपसी विवाद के बाद भेजे गए थे जेल

जेल अधीक्षक ऋषभ द्विवेदी के अनुसार यह मामला नगर कोतवाली क्षेत्र के अचलपुर इलाके से जुड़ा है, जहां बीते रविवार को किन्नर समुदाय के दो गुटों के बीच वर्चस्व को लेकर विवाद हुआ था।

आइसोलेशन बैरक में किया गया स्थानांतरण

संक्रमण की पुष्टि के बाद जेल प्रशासन ने एहतियातन सभी संक्रमित बंदियों को अन्य कैदियों से अलग आइसोलेशन बैरक में स्थानांतरित कर दिया है। साथ ही जेल के भीतर स्वास्थ्य संबंधी निगरानी और साफ-सफाई व्यवस्था को और मजबूत किया गया है, ताकि किसी भी तरह का जोखिम न उत्पन्न हो। चिकित्सकीय परीक्षण के दौरान यह भी सामने आया कि किन्नरों के समूह में शामिल एक व्यक्ति जैविक रूप से पुरुष है, जो वेश बदलकर लंबे समय से उसी समुदाय के साथ रह रहा था।

प्रयागराज में सेना का ट्रेनर विमान दुर्घटनाग्रस्त

बड़ा हादसा टला, दोनों पायलट पूरी तरह सेफ

केपी कॉलेज के पीछे तालाब में गिरा विमान

एजेंसी । प्रयागराज

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले में बुधवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब भारतीय सेना का एक प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। यह विमान जार्जटाउन थाना क्षेत्र में केपी कॉलेज के पीछे स्थित एक तालाब में जा गिरा। घटना की सूचना मिलते ही प्रशासन, पुलिस और सेना के अधिकारी मौके पर पहुंचे और राहत एवं बचाव कार्य शुरू कर दिया गया।

त्वरित रेस्क्यू से दोनों पायलट सुरक्षित

हादसे के तुरंत बाद चलाए गए रेस्क्यू अभियान में विमान में सवार दोनों प्रशिक्षु पायलटों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। उन्हें मामूली चोटें आई हैं। एहतियात के तौर पर दोनों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां चिकित्सकों की निगरानी में उनका उपचार जारी है। घटना की गंभीरता को देखते हुए सेना के वरिष्ठ अधिकारी, पुलिस प्रशासन और आपदा प्रबंधन से जुड़े दल घटनास्थल पर पहुंचे। क्षेत्र को घेराबंदी कर सुरक्षित किया गया, ताकि किसी भी तरह की अनहोनी से बचा जा सके। तालाब और आसपास के इलाके में सघन तलाशी एवं जांच की जा रही है।

स्थानीय लोगों में दहशत, सुरक्षा कड़ी

विमान गिरने की आवाज सुनकर आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी मच गई। बड़ी संख्या में स्थानीय लोग घटनास्थल के पास जमा हो गए, जिन्हें पुलिस ने समझाकर दूर हटाया। एहतियातन पूरे क्षेत्र में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया है। सेना और प्रशासन की ओर से विमान दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी गई है। प्रारंभिक तौर पर तकनीकी खराबी या प्रशिक्षण उड़ान के दौरान किसी आपात स्थिति की आशंका जताई जा रही है, हालांकि आधिकारिक पुष्टि जांच पूरी होने के बाद ही की जाएगी। फिलहाल अधिकारियों द्वारा मौके का मुआयना किया गया और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में अब्बास अंसारी पर आरोप तय

मऊ अदालत में हुई पेशी, 2022 के विस चुनाव से जुड़ा है मामला

मऊ। मऊ सदर से विधायक अब्बास अंसारी के विरुद्ध न्यायिक प्रक्रिया ने अहम मोड़ ले लिया है। बुधवार को उन्हें कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में प्रस्तुत किया गया, जहां न्यायालय ने मामले में आरोप तय कर दिए। यह मामला वर्ष 2022 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन से जुड़ा है। दिवंगत माफिया मुख्तार अंसारी के पुत्र अब्बास अंसारी के खिलाफ यह मामला दक्षिण टोला थाना क्षेत्र में दर्ज अपराध संख्या 27/2022 से जुड़ा है। अदालत में कार्यवाही के दौरान लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम के अंतर्गत आरोप तय किए गए, जबकि भारतीय दंड संहिता की अन्य धाराओं से उन्हें पूर्व में राहत मिल चुकी है।

चुनाव प्रचार से जुड़ा था विवाद

प्रकरण वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव के दौरान का है, जब प्रशासन की ओर से आरोप लगाया गया था कि अब्बास अंसारी ने बिना अनुमति चुनाव प्रचार किया और आचार संहिता का उल्लंघन करते हुए किराये के वाहनों का उपयोग किया। इसी आधार पर उनके विरुद्ध भारतीय दंड संहिता की धाराओं 171-एच, 188 तथा लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 133 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। बाद में अब्बास अंसारी ने इस मामले को उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने 171-एच और 188 आईपीसी की धाराओं को निरस्त करते हुए लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम की धारा 133 के अंतर्गत कार्यवाही जारी रखने के निर्देश दिए थे। उसी के अनुपालन में बुधवार को अदालत ने आरोप तय कर साक्ष्य के लिए मामला सूचीबद्ध कर दिया। न्यायालय के निर्देशों के चलते अब्बास अंसारी ने पेशी के बाद मीडिया से बातचीत नहीं की और किसी भी प्रश्न का उत्तर देने से परहेज किया। अदालत परिसर और आसपास सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे, ताकि किसी भी तरह की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो।

लोकतांत्रिक मजबूती के लिए विधानसभाओं की नियमित बैठकें जरूरी: ओम बिरला

लखनऊ। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा है कि लोकतंत्र को सशक्त बनाने के लिए राज्य विधान मंडलों की नियमित और सार्थक बैठकें अनिवार्य हैं। उन्होंने सुझाव दिया कि प्रत्येक राज्य की विधानसभा में वर्ष में कम से कम 30 दिन बैठकें अवश्य होनी चाहिए, ताकि सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों को जनता की समस्याएं उठाने और उनके समाधान पर चर्चा करने का पर्याप्त अवसर मिल सके। ओम बिरला बुधवार को उत्तर प्रदेश विधानसभा में आयोजित 86वें अखिल भारतीय पीठासीन अधिकारी सम्मेलन के समापन समारोह को संबोधित कर रहे थे। तीन दिवसीय इस सम्मेलन के अंतिम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश सिंह, उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना तथा विधान परिषद के सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह सहित अनेक गणमान्य उपस्थित रहे। लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि जनता की अपेक्षा होती है कि उसके निर्वाचित प्रतिनिधि सदन के माध्यम से उसकी आवाज सरकार तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि सदन चर्चा, सहमति और असहमति का मंच है, न कि व्यवधान और प्रदर्शन का। नारेबाजी और विरोध के अन्य लोकतांत्रिक माध्यम सदन के बाहर अपनाए जाने चाहिए, ताकि विधायी कार्य निर्बाध रूप से आगे बढ़ सके।

व्यापार जगत

बजट सत्र में आ सकता है विद्युत संशोधन विधेयक

डिस्कॉम के घाटे को कम करने के लिए लागत-अनुरूप शुल्क पर जोर: मनोहर लाल

एजेंसी । नई दिल्ली

केंद्र सरकार आगामी बजट सत्र में विद्युत क्षेत्र से जुड़े एक अहम विधायी कदम की तैयारी कर रही है। केंद्रीय विद्युत मंत्री मनोहर लाल ने संकेत दिया है कि विद्युत (संशोधन) विधेयक-2025 को संसद के बजट सत्र में पेश किया जा सकता है। इस प्रस्तावित विधेयक में बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की वित्तीय स्थिति सुधारने के लिए लागत-अनुरूप शुल्क व्यवस्था को प्रमुख आधार बनाया गया है।

EDICON सम्मेलन में दी अहम जानकारी

मनोहर लाल ने यह जानकारी नई दिल्ली में आयोजित अखिल भारतीय बिजली वितरण कंपनियों के संघ (एआईडीए) के पहले वार्षिक सम्मेलन ईडीआईसीओएन-2026 के दौरान दी। उन्होंने कहा कि बिजली उत्पादन, पारेषण और वितरण की पूरी आपूर्ति श्रृंखला में डिस्कॉम की भूमिका सबसे अहम कड़ी की है, क्योंकि उपभोक्ताओं से सीधा संवाद इन्हीं के माध्यम से होता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था को आने वाले समय में कहीं अधिक सशक्त और सक्षम पावर सेक्टर की आवश्यकता होगी। ऐसे में बिजली वितरण कंपनियों का आर्थिक रूप से मजबूत, टिकाऊ और आत्मनिर्भर होना अनिवार्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक डिस्कॉम घाटे और कर्ज के बोझ से बाहर नहीं निकलेंगी, तब तक बिजली क्षेत्र की समग्र मजबूती संभव नहीं है।

लागत-अनुरूप शुल्क से कम होगा घाटा

मनोहर लाल ने बताया कि प्रस्तावित संशोधन विधेयक में बिजली आपूर्ति से जुड़ी वास्तविक लागत को शुल्क में शामिल करने का प्रावधान किया गया है। इससे वितरण कंपनियों के घाटे में कमी आएगी और उनकी वित्तीय सेहत सुधरेगी। उन्होंने कहा कि सरकार इस विधेयक को लेकर संसद में व्यापक सहमति बनाने का प्रयास करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि राष्ट्रीय विद्युत नीति-2026 के मसौदे में भी डिस्कॉम के घाटे और कर्ज को कम करने के लिए लागत-अनुरूप शुल्क को शामिल किया गया है। इस पर सभी हितधारकों से सुझाव मांगे गए हैं। मंत्री के अनुसार, इससे होने वाले लाभ का उपयोग नियमों के अनुरूप क्रॉस-सब्सिडी देने में किया जा सकेगा।

उपभोक्ता सेवाओं में सुधार पर फोकस

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि डिस्कॉम सीधे तौर पर बी2सी सेवाएं देती हैं और सेवा गुणवत्ता से जुड़ी शिकायतें सबसे पहले इन्हीं तक पहुंचती हैं। इसलिए वितरण व्यवस्था को मजबूत करना उपभोक्ताओं के हित में भी है।

भविष्य के लिए तैयार वितरण तंत्र का लक्ष्य

सम्मेलन में एआईडीए की पुरस्कार पहल की सराहना करते हुए मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार एक मजबूत, टिकाऊ और भविष्य की जरूरतों के अनुरूप बिजली वितरण इकोसिस्टम के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा जताया कि प्रस्तावित संशोधन विधेयक इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

एरेम सॉल्यूशंस की बड़ी पहल डिस्ट्रीब्यूटेड सोलर को मिलेगी नई गति

एजेंसी । मुंबई

डिस्ट्रीब्यूटेड सोलर के क्षेत्र में अग्रणी फुल-स्टैक प्लेटफॉर्म एरेम सॉल्यूशंस ने प्री-सीरीज़ बी फंडिंग राउंड में 15 मिलियन अमेरिकी डॉलर (करीब 136 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। इस निवेश का नेतृत्व जापान के प्रतिष्ठित बैंकिंग समूह सुमितोमो मित्सुई बैंकिंग कॉर्पोरेशन (एसएमबीसी) की वेंचर कैपिटल शाखा एसएमबीसी एशिया राइजिंग फंड ने किया। इस राउंड में ब्रिटिश इंटरनेशनल इन्वेस्टमेंट (बीआईआई), यूटीईसी, ब्लूम वेंचर्स, अवाना कैपिटल, रिवरवॉक होल्डिंग्स और एसई वेंचर्स जैसे मौजूदा निवेशकों ने भी भागीदारी की। 2021 में स्थापित और मुंबई मुख्यालय वाली एरेम सॉल्यूशंस

सोलर फाइनेंसिंग, उपकरणों के मार्केटप्लेस और टेक्नोलॉजी-आधारित प्लेटफॉर्म के जरिए पूरे भारत में डिस्ट्रीब्यूटेड सोलर को अपनाने में तेजी ला रही है। कंपनी का नेतृत्व फाउंडर व सीईओ आनंद जैन और सह-संस्थापक विकेश अग्रवाल कर रहे हैं। कंपनी इस नई पूंजी का उपयोग अपनी एंड-टू-एंड क्षमताओं को मजबूत करने, ईपीसी और इंस्टॉलर पार्टनर्स के साथ सहयोग बढ़ाने और देशभर में विस्तार के लिए करेगी। एरेम का लक्ष्य एमएसएमई और गृहस्वामियों के बीच सोलर समाधान को अधिक सुलभ, किफायती और भरोसेमंद बनाना है। एसएमबीसी इंडिया डिवीजन के प्रमुख राजीव कन्नन ने कहा कि एरेम का इंटीग्रेटेड सोलर सॉल्यूशन भारत में क्लीन एनर्जी अपनाने को गति देगा। वहीं, आनंद जैन ने कहा कि यह फंडिंग सोलर इकोसिस्टम में भरोसे की कमी को दूर करने में मदद करेगी। अब तक एरेम 1,200 मेगावाट से अधिक सोलर क्षमता सक्षम कर चुकी है और 2,000 से ज्यादा प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस कर भारत के क्लीन एनर्जी ट्रांजिशन में अहम भूमिका निभा रही है।

लगातार तीसरे सत्र में गिरावट, भारी उतार-चढ़ाव के बीच सेंसेक्स-निफ्टी लाल निशान में बंद

नई दिल्ली। घरेलू शेयर बाजार में अस्थिरता का दौर जारी है। बुधवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में शेयर बाजार कमजोरी के साथ बंद हुआ। दिनभर तेज उतार-चढ़ाव के बाद सेंसेक्स और निफ्टी दोनों निचले स्तरों से जोरदार रिकवरी तो दिखा सके, लेकिन अंततः बिकवाली के दबाव के आगे टिक नहीं पाए। कारोबार समाप्त होने पर सेंसेक्स 0.33 प्रतिशत और निफ्टी 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, दोपहर बाद खरीदारों की सक्रियता बढ़ी और बाजार ने शानदार वापसी की। सेंसेक्स निचले स्तर से 1,280 अंक से अधिक उछल गया और निफ्टी ने भी करीब 380 अंकों की छलांग लगाई। इसके बावजूद अंतिम घंटे में मुनाफा वसूली हावी रही और दोनों प्रमुख सूचकांक एक बार फिर लाल निशान में चले गए।

तीसरे दिन भी नहीं संभल पाया बाजार

निवेशकों की धारणा पर कई मोर्चों से दबाव

बाजार विशेषज्ञों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली, वैश्विक व्यापार को लेकर अनिश्चितता, डॉलर के मुकाबले रुपये में कमजोरी और दिसंबर तिमाही के मिले-जुले नतीजों ने बाजार की धारणा को कमजोर बनाए रखा। इन्हीं कारणों से पूरे दिन बाजार में तेजड़ियों और मंदड़ियों के बीच खींचतान देखने को मिली। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवालों ने दबाव बनाना शुरू कर दिया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी दोनों बड़ी गिरावट के साथ निचले स्तर तक फिसल गए। सेंसेक्स दिन के पहले हिस्से में 1,056 अंक से अधिक टूट गया, जबकि निफ्टी भी 300 अंक से ज्यादा फिसल गया।

फार्मा, बैंकिंग और एफएमसीजी में बिकवाली

दिनभर के कारोबार में फार्मास्यूटिकल, बैंकिंग और एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों पर दबाव बना रहा। इसके अलावा आईटी, ऑटोमोबाइल, कैपिटल गुड्स, कंज्यूमर ड्यूरेबल, पीएसई और टेक इंडेक्स भी कमजोरी के साथ बंद हुए।

पेपरफ्राई ने जारी की भारतीय घरों पर आधारित नई रिपोर्ट

मुंबई। भारत के अग्रणी ओम्नी-चैनल फर्नीचर और होम गुड्स मार्केटप्लेस पेपरफ्राई ने अपनी बहुचर्चित रिपोर्ट 'होम रिपोर्ट कार्ड' के तीसरे संस्करण (2025 एडिशन) को लॉन्च किया है। 700 से अधिक शहरों के वास्तविक खरीद व्यवहार पर आधारित यह रिपोर्ट बताती है कि भारतीय परिवार अब एक साथ पूरा घर सजाने के बजाय, साल भर चरणबद्ध तरीके से एक-एक कमरे को अपग्रेड कर रहे हैं।

लिविंग रूम बना सबसे अहम स्पेस

भारतीय घरों में लिविंग रूम खुद को अभिव्यक्त करने वाला प्रमुख स्थान बनकर उभरा है। लिविंग रूम फर्नीचर की सभी कैटेगरी में अधिक सहभागिता देखी गई। रिपोर्ट बताती है कि अब अपग्रेड तत्काल जरूरत नहीं, बल्कि जीवनशैली से जुड़ी योजनाओं के तहत किए जा रहे हैं। खरीदारी चक्र भी कम हुआ है और ग्राहक अब

औसतन हर चार साल में सोफा बदल रहे हैं। वहीं, बेडरूम सेगमेंट में क्वीन साइज बेड और मैट्रेस की मांग पूरे देश में स्थिर बनी रही। पेपरफ्राई के को-फाउंडर और सीईओ आशीष शाह ने कहा कि यह रिपोर्ट भविष्यवाणी नहीं, बल्कि उपभोक्ताओं के वास्तविक व्यवहार का प्रतिबिंब है, जो दिखाता है कि घर अब अधिक व्यक्तिगत और व्यावहारिक तरीके से बनाए जा रहे हैं। वहीं, हेड ऑफ मार्केटिंग कुलभूषण अटकर ने कहा कि उपभोक्ता अब त्योहारों या नए घर का इंतजार नहीं कर रहे, बल्कि पूरे साल छोटे-छोटे फैसलों के जरिए घर को बेहतर बना रहे हैं। रिपोर्ट ब्रांड्स के लिए संकेत देती है कि सफलता अब सही समय पर, सही समाधान देने में निहित है।

फर्नीचर से ज्यादा होम गुड्स पर खर्च

रिपोर्ट के मुताबिक, 2025 में फर्नीचर की तुलना में होम गुड्स की खरीदारी लगभग दोगुनी रही। स्टोरेज सॉल्यूशंस, किचन आइटम्स, ऑर्गेनाइज़र और लाइटिंग की सबसे ज्यादा मांग देखने को मिली। बेंगलुरु, पुणे और जयपुर जैसे शहरों में घर से जुड़ी कुल खरीदारी का 50 प्रतिशत से अधिक हिस्सा होम गुड्स का रहा, जो उपभोक्ताओं की बदलती प्राथमिकताओं को दर्शाता है।

न्यूज ब्रीफ

दिशांत याग्निक केकेआर के फील्डिंग कोच बने

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2026 सत्र से पहले पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज दिशांत याग्निक को बुधवार को फील्डिंग कोच नियुक्त कर दिया। विकेटकीपर बल्लेबाज रहे याग्निक ने घरेलू क्रिकेट में राजस्थान का प्रतिनिधित्व किया। वह 2011 से 2014 के बीच आईपीएल में 25 मैच भी खेले। इसके बाद वह फील्डिंग कोच (क्षेत्ररक्षण कोच) के रूप में काम करते रहे हैं। आईपीएल 26 मार्च से 31 मई के बीच खेला जाएगा। केकेआर ने कहा कि फ्रेंचाइजी नए सहायक स्टाफ के साथ उतरेगी जिसमें अभिषेक नायर (मुख्य कोच) के अलावा डेरेन ब्रावो (मेंटोर-मार्गदर्शक), शेन वॉटसन (सहायक कोच), टिम साउदी (गेंदबाजी कोच) और आंद्रे रसेल (पावर कोच) शामिल हैं। याग्निक के अनुभव का फायदा मिलेगा।

हार्दिक के बिना भारतीय टीम अधूरी : आकाश

नई दिल्ली। पूर्व सलामी बल्लेबाज आकाश चोपड़ा ने हार्दिक पांड्या की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा कि इस ऑलराउंडर के बिना भारतीय टीम अधूरी है। चोपड़ा ने एक टीवी कार्यक्रम में कहा, पूरी दुनिया में हार्दिक जैसा कोई दूसरा खिलाड़ी नहीं है। बल्ले और गेंद से वह जो कर दिखाते हैं, वैसा भारत में कोई और नहीं कर सकता। भारत भले ही अंतिम एकादश में वरुण चक्रवर्ती या कुलदीप यादव जैसे स्पिनर को शामिल करना चाहें, फिर भी आपको नंबर आठ पर एक बल्लेबाज की भी जरूरत होगी। आप सब कुछ हासिल नहीं कर सकते, आप 12 खिलाड़ी मैदान पर नहीं उतार सकते। आकाश ने कहा, वह नई गेंद से प्रभाव डाल सकते हैं और डेथ ओवरों में भी शानदार गेंदबाजी करते हैं। उन्होंने 2024 टी-20 विश्व कप का आखिरी ओवर भी फेंका था जिसे भारत ने जीता था। इस तरह के कारनामे सिर्फ हार्दिक ही कर सकते हैं।

सिंधू-श्रीकांत की शानदार जीत, इंडोनेशिया मास्टर्स के दूसरे दौर में

जकार्ता। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी वी सिंधू और दुनिया के पूर्व नंबर एक खिलाड़ी किदाम्बी श्रीकांत अपने अपने मुकाबले जीतकर इंडोनेशिया मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के दूसरे दौर में पहुंच गए। पांचवीं वरीयता प्राप्त सिंधू ने जापान की मनामी सुइजू को 53 मिनट में 22-20, 21-18 से हराया। वहीं विश्व रैंकिंग में 33वें स्थान पर काबिज श्रीकांत ने एक घंटे 12 मिनट तक चले मैच में दुनिया के 22वें नंबर के खिलाड़ी कोकी वातानाबे को 21-15, 21-23, 24-22 से शिकस्त दी। श्रीकांत का सामना अब चीनी ताइपै के चौथी वरीयता प्राप्त चोउ तियेन चेन से होगा जिन्होंने आयरलैंड के एन एंगुयेन को 21-14, 21-15 से हराया। किरण जॉर्ज को पहले दौर में इंडोनेशिया के एक जाकी उबेदिल्लाह के हाथों 17-21, 14-21 से पराजय का सामना करना पड़ा।

विराट कोहली से छिन गया नंबर-1 ODI बल्लेबाज का ताज

डेरिल मिचेल बने दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बैटर

एजेंसी । दुबई

भारत और न्यूजीलैंड के बीच वनडे सीरीज खत्म हो गई है। न्यूजीलैंड ने इस सीरीज को 2-1 से अपने नाम किया है। सीरीज खत्म होने के बाद आईसीसी की नई वनडे रैंकिंग सामने आ गई है। इस रैंकिंग में भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा को आईसीसी वनडे रैंकिंग में नुकसान हुआ है। वहीं भारत के खिलाफ दो मैचों में शतक जड़ने वाले न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल को इसका पूरा फायदा मिला है। डेरिल मिचेल विराट कोहली को पीछे छोड़ते हुए अब वनडे बैटिंग रैंकिंग में नंबर-1 पर पहुंच गए हैं। बता दें कोहली ने पिछले हफ्ते ही नंबर-1 रैंकिंग पाई थी। जानें कौन सा बल्लेबाज किस पोजिशन पर है।

रोहित शर्मा रैंकिंग पर नीचे खिसके

डेरिल मिचेल और विराट कोहली के बाद अफगानिस्तान के इब्राहिम जद्रान ने रैंकिंग में तीसरा स्थान हासिल कर लिया है, जिनके 764 रेटिंग पॉइंट्स हैं। वहीं भारत के रोहित शर्मा एक स्थान फिसलकर चौथे नंबर पर पहुंच गए हैं और उनके 757 पॉइंट्स हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में खराब प्रदर्शन का असर रोहित की रैंकिंग पर पड़ा। न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज के बाद केएल राहुल लेटेस्ट आईसीसी वनडे बैटिंग रैंकिंग में 10वें नंबर पर पहुंच गए हैं, जबकि श्रेयस अय्यर उनसे ठीक पीछे 11वें स्थान पर हैं। वहीं भारत के वनडे और टेस्ट कप्तान शुभमन गिल अपनी 5वीं रैंक बरकरार रखने में कामयाब रहे।

विराट को हुआ नुकसान

इंदौर में विराट कोहली के शानदार शतक लगाने के बाद उनकी रेटिंग में 10 अंकों की बढ़ोतरी हुई है, लेकिन इसके बावजूद वह टॉप पर नहीं रह पाए। भारत के खिलाफ शानदार वनडे सीरीज खेलने के वाले न्यूजीलैंड के डेरिल मिचेल उनसे आगे निकल गए हैं। मिचेल के रेटिंग पॉइंट्स 784 से बढ़कर 845 हो गए हैं। कोहली पिछले हफ्ते अच्छे प्रदर्शन के दम पर नंबर-1 बने थे, लेकिन उस समय उनसे सिर्फ एक अंक पीछे चल रहे मिशेल ने ताजा रैंकिंग में उन्हें पीछे छोड़ दिया।

कुलदीप को हुआ नुकसान

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में अपनी छाप नहीं छोड़ सके थे। उन्होंने 3 मैचों में सिर्फ 3 विकेट लिए थे। इस बीच वह काफी महंगे भी साबित हुए थे। इस चाइनामैन गेंदबाज को 4 पायदान का नुकसान हुआ है। वह अब खिसककर 7वें स्थान पर पहुंच गए हैं। शीर्ष-10 गेंदबाजों की रैंकिंग में कोई अन्य भारतीय नहीं हैं। अफगानिस्तान के राशिद खान शीर्ष पर बरकरार हैं।

लय हासिल करने उतरेंगे शुभमन गिल

रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के दूसरे चरण में सौराष्ट्र के खिलाफ पंजाब की ओर से उतरेंगे

एजेंसी । राजकोट

भारत की टेस्ट और वनडे टीम के कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा समेत प्रमुख क्रिकेटर गुरुवार से शुरू होने वाले रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट के दूसरे चरण में आकर्षण का केंद्र होंगे। गिल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज गंवाने के बाद प्रदर्शन में सुधार के लिए विश्राम लेने के बजाय पंजाब की तरफ से सौराष्ट्र के खिलाफ होने वाले मैच में खेलने का फैसला किया। गिल सीधे राजकोट पहुंच गए थे जहां उनका राष्ट्रीय टीम के साथी और सौराष्ट्र के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा से दिलचस्प मुकाबला हो सकता है।

नंबर गेम

25 अंक के साथ विजय हजारे चैंपियन टीम विदर्भ का सामना आंध्र प्रदेश से होगा

11 अंकों के साथ ग्रुप बी में छठे स्थान पर मौजूद पंजाब को दोनों मैच जीतने होंगे

29 जनवरी से होगा ग्रुप चरण का सातवां और आखिरी दौर, नॉकआउट 6 फरवरी से

आसान नहीं होगी गिल की राह

हालांकि गिल की राह आसान नहीं होगी। पंजाब की टीम फिलहाल ग्रुप बी में पांच मैचों में 11 अंकों के साथ छठे स्थान पर है। ऐसी स्थिति में उसे अगले दौर में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे तीनों मैच में जीत हासिल करनी होगी। इसमें कोई शक नहीं कि गिल की वापसी से उसकी बल्लेबाजी को मजबूती मिलेगी, जो इस सीजन में अब तक अस्थिर रही है। ऐसे में गिल पर बेहतर प्रदर्शन का दबाव भी होगा।

संघर्षपूर्ण जीत के साथ मेदवेदेव तीसरे राउंड में पहुंचे

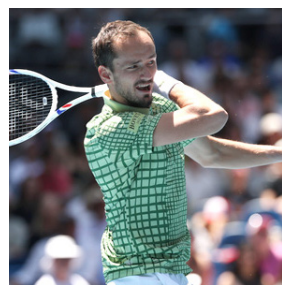

एजेंसी । मेलबर्न

पूर्व यूएस ओपन चैंपियन रूस के दानिल मेदवेदेव पिछड़ने के बाद कड़े मुकाबले में जीते के साथ ऑस्ट्रेलियन ओपन टेनिस के तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। उनके साथ ही महिला एकल में शीर्ष वरीय आर्यना सबालेंका और कोको गफ ने भी अगले दौर में जगह बना ली। मेलबर्न पार्क में बुधवार को दूसरे दौर में 11वें वरीय मेदवेदेव ने दुनिया के 83वें नंबर के फ्रांसीसी खिलाड़ी क्वेंटिन हैलिस के खिलाफ कड़ी मेहनत करके 6-7, 6-3, 6-4, 6-2 से जीत हासिल की। साल के पहले ग्रैंड स्लैम में पहला खिताब उठाने का इंतजार कर रहे मेदवेदेव यहां तीन बार फाइनल में हार चुके हैं। कार्लोस अल्काराज भी तीसरे दौर में पहुंच गए हैं। अल्काराज ने जर्मनी के यानिक हंफमैन को 7-6, 6-3, 6-2 से शिकस्त दी। 13वीं वरीयता प्राप्त आंद्रेइ रुबलेव ने जैमी फारिया को 6-4, 6-3, 4-6, 7-5 से और 19वीं वरीयता प्राप्त टॉमी पॉल ने थियागो आगस्टिन को 6-3, 6-4, 6-2 से हराकर बाहर का रास्ता दिखाया।

टाटा मास्टर्स

गुकेश ने प्रज्ञाननंदा से ड्रॉ खेला

विज्क आन जी। विश्व चैंपियन डी गुकेश ने हमवतन आर प्रज्ञाननंदा के साथ अंक बांटकर टाटा स्टील मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में लगातार चौथी बाजी ड्रॉ खेली जबकि अर्जुन एरिगेसी भी अनीश गिरी के डिफेंस को नहीं तोड़ सके। प्रज्ञाननंदा का इस टूर्नामेंट में सफर अच्छा नहीं रहा है। उन्हें दो बाजियों में हार का सामना करना पड़ा जबकि दो ड्रॉ खेलीं। वह गिरी के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं। भारत के ही अरविंद चिदंबरम को अमेरिकी हैंस मोके नीमन से पहली हार झेलनी पड़ी।

बांग्लादेश को 'भारत में खेलो या बाहर होने' का अल्टीमेटम

आईसीसी बोर्ड की हुई बैठक, बांग्लादेश को 24 घंटे में लेना होगा फैसला

एजेंसी । दुबई

टी20 विश्व कप 2026 की शुरुआत से पहले हुए विवाद पर आज हुई आईसीसी बोर्ड की बैठक में बांग्लादेश को अल्टीमेटम दे दिया गया। उन्हें बहुमत के आधार पर भारत में खेलो या बाहर होने का निर्देश मिला है। इस पर बांग्लादेश को 24 घंटे में फैसला लेना होगा। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, आईसीसी ने बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) से बांग्लादेश सरकार को यह बताने के लिए कहा है कि अगर बांग्लादेश 2026 टी20 विश्व कप में अपने मैच खेलने के लिए भारत जाने से मना करता रहता है, तो उसकी जगह टूर्नामेंट में दूसरी टीम को शामिल किया जाएगा। यह फैसला वोटिंग के बाद लिया गया, जिसमें आईसीसी बोर्ड के ज्यादातर सदस्य रिप्लेसमेंट के पक्ष में थे। बीसीबी को भारत में खेलने के अपने रुख पर आईसीसी को जवाब देने के लिए एक और दिन का समय दिया गया है।

मुद्दे की जड़: मुस्तफिजुर-IPL विवाद से उपजा तनाव

- इस विवाद की शुरुआत मुंबई इंडियंस द्वारा बांग्लादेश के स्टार पेसर मुस्तफिजुर रहमान को आईपीएल 2026 से रिलीज करने के बाद हुई। इसके बाद सुरक्षा और टीम माहौल को लेकर बांग्लादेश में नए स्वर उभरे।
- मौजूदा शेड्यूल में बांग्लादेश अपने लीग मुकाबले कोलकाता और मुंबई में खेलेगा। बांग्लादेश टीम का पहला मुकाबला सात फरवरी को कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ होगा। इसके बाद टीम अपने दो और ग्रुप मैच कोलकाता में खेलेगी और अंतिम मैच मुंबई में होगा।

बॉलीवुड

वरुण का ट्रोल्स को करारा जवाब

फिल्म 'बॉर्डर 2' के गाने 'घर कब आओगे' से जुड़ी वरुण धवन की एक क्लिप के वायरल होते ही सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई थी। कुछ यूजर्स ने उनके हाव-भाव को लेकर मजाक उड़ाया और यहां तक कहा जाने लगा कि वरुण फिल्म की लुटिया डुबो देंगे। लगातार हो रही ट्रोलिंग के बीच वरुण की एक्टिंग पर सवाल खड़े किए गए, लेकिन अभिनेता ने इन आलोचनाओं के आगे झुकने से साफ इनकार कर दिया है। हाल में मीडिया से बातचीत में वरुण धवन ने ट्रोलिंग पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, ₹मेरा मानना है कि आपको बाहरी शोर को बंद कर देना चाहिए और अपने काम को बोलने देना चाहिए। ये सब चीजें चलती रहती हैं, मैं इनके लिए काम नहीं करता। मैं जिसके लिए काम करता हूं, उसका नतीजा शुक्रवार को पता चल जाएगा। मुझे 'बॉर्डर 2' पर पूरा भरोसा है और हमने एक बहुत अच्छी फिल्म बनाई है। जब ट्रोलिंग हद से ज्यादा बढ़ी, तो फिल्म इंडस्ट्री के कई दिग्गज वरुण के समर्थन में सामने आए। अभिनेता सुनील शेट्टी ने ट्रोलर्स को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि किसी की मेहनत का मजाक उड़ाना और उसे नीचा दिखाना सबसे आसान काम है। वहीं फिल्म की निर्माता निधि दत्ता ने भी साफ कहा कि वरुण का किरदार फिल्म की आत्मा है और जो लोग आज हंस रहे हैं, वही लोग रिलीज के बाद थिएटर में तालियां बजाएंगे। 'बॉर्डर 2' में वरुण धवन का किरदार परमवीर चक्र विजेता मेजर शैतान सिंह से प्रेरित बताया जा रहा है। मेजर शैतान सिंह ने 1962 के भारत-चीन युद्ध के दौरान रेजांग ला की ऐतिहासिक लड़ाई में अदम्य साहस का परिचय दिया था। फैंस का कहना है कि इस महान नायक को पर्दे पर जीवंत करना किसी भी अभिनेता के लिए बड़ी जिम्मेदारी है, और वरुण ने इसे पूरी ईमानदारी से निभाया है।

23 जनवरी को रिलीज होगी 'बॉर्डर 2'

जेपी दत्ता की विरासत को आगे बढ़ाती 'बॉर्डर 2' में सनी देओल एक बार फिर दमदार अंदाज में नजर आएंगे। वहीं दिलजीत दोसांझ का जोश और अहान शेट्टी की मौजूदगी फिल्म को खास बनाती है। खास बात यह है कि जिस कहानी की शुरुआत कभी सुनील शेट्टी ने की थी, अब उसी विरासत को उनका बेटा अहान आगे बढ़ाता नजर आएगा। यह बहुप्रतीक्षित फिल्म 23 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

रोंगटे खड़े करेगा ओ रोमिया का ट्रेलर

मोहब्बत एक बद्दुआ है, जो मुझे भी लगी है और आपको भी इसी दमदार लाइन के साथ फिल्म 'ओ रोमियो' का ट्रेलर शुरू होता है। इश्क, इबादत और इंतकाम की त्रिकोणीय कहानी बयां करता यह ट्रेलर रिलीज होते ही चर्चा में आ गया है। करीब तीन मिनट के ट्रेलर में शाहिद कपूर और तृप्ति डिमरी की दिल छलनी कर देने वाली प्रेम कहानी के साथ हिंसा और बदले का खौफनाक खेल भी देखने को मिलता है। लंबे समय से चर्चा में बनी 'ओ रोमियो' का ट्रेलर फिल्म को लेकर दर्शकों की उत्सुकता और बढ़ा देता है। ट्रेलर की शुरुआत शाहिद और तृप्ति के संवादों से होती है, जो यह साफ कर देते हैं कि यह सिर्फ एक प्रेम कहानी नहीं, बल्कि खून, साजिश और बदले से भरी दास्तान है। ट्रेलर में शाहिद कपूर एक खूंखार गैंगस्टर के अवतार में नजर आते हैं, जबकि तृप्ति डिमरी की मौजूदगी इस कहानी को भावनात्मक गहराई देती है। ट्रेलर में नाना पाटेकर अपने खास अंदाज में प्रभाव छोड़ते हैं। वहीं, विलेन बने अविनाश तिवारी का ट्रांसफॉर्मेशन चौंकाने वाला है। फरीदा जलाल की एंट्री फिल्म को मजबूती देती है, जबकि दिशा पटानी अपने ग्लैमरस मूव्स से ध्यान खींचती हैं।

तृप्ति का रिवेंज अवतार बना ट्रेलर की जान

हालांकि फिल्म मल्टीस्टारर है, लेकिन ट्रेलर से साफ है कि कहानी मुख्य रूप से शाहिद और तृप्ति के इर्द-गिर्द घूमती है। शाहिद फिल्म में 'हुसैन उस्तरा' नामक गैंगस्टर की भूमिका निभा रहे हैं, जिसे खून-खराबा पसंद है। मगर तृप्ति से मुलाकात के बाद यही गैंगस्टर रोमियो बनने की राह पर चल पड़ता है। ट्रेलर में तृप्ति डिमरी का रिवेंज अवतार सबसे ज्यादा प्रभाव छोड़ता

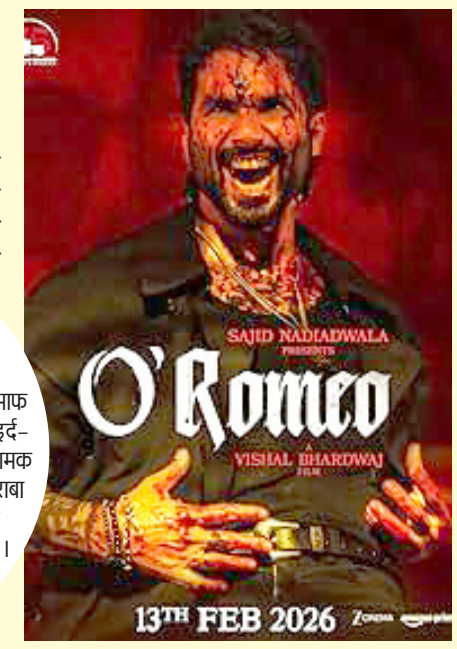

'धुरंधर 2' में विक्की कौशल की एंट्री!

बॉलीवुड में एक बार फिर सर्जिकल स्ट्राइक की तैयारी है, लेकिन इस बार कहानी में बड़ा और चौंकाने वाला ट्विस्ट देखने को मिल सकता है। जहां दर्शक 'धुरंधर 2' में अक्षय खन्ना की वापसी का इंतजार कर रहे थे, वहीं अब खबर है कि 'उरीः द सर्जिकल स्ट्राइक' के मेजर विहान यानी विक्की कौशल ने फिल्म में धमाकेदार एंट्री कर ली है। निर्देशक आदित्य धर इस फिल्म के जरिए एक बड़े 'धुरंधर यूनिवर्स' की नींव रखने जा रहे हैं, जिसमें अनुभव और जोश का जबरदस्त संगम देखने को मिलेगा। रिपोर्ट के मुताबिक, विक्की कौशल की एंट्री के चलते अक्षय खन्ना को फिल्म से हटाया नहीं गया है बल्कि मेकर्स ने एक मास्टरप्लान के तहत दोनों को साथ लाने का फैसला किया है। फिल्म में यह एक तरह का 'महा-मिलन' होगा, जहां 'धुरंधर' के सीनियर अफसर और 'उरी' के जांबाज मेजर विहान एक ही मिशन पर नजर आएंगे। बताया जा रहा है कि अक्षय के किरदार का स्क्रीन टाइम सीमित किया गया है, जबकि विक्की की एंट्री से फिल्म का रोमांच कई गुना बढ़ जाएगा। हालांकि अभी यह साफ नहीं है कि विक्की और रणवीर के किरदार आमने-सामने आएंगे या नहीं। 'धुरंधर 2' की स्टारकास्ट पहले ही संजय दत्त, आर. माधवन और अर्जुन रामपाल जैसे दमदार कलाकारों से सजी हुई है। अब विक्की कौशल की एंट्री के बाद इसे बॉलीवुड का अब तक का सबसे बड़ा 'वॉर इवेंट' माना जा रहा है।

भूमि की सीरीज 'दलदल' का ट्रेलर रिलीज

अभिनेत्री भूमि पेडनेकर एक बार फिर ओटीटी की दुनिया में दमदार वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। उनकी बहुप्रतीक्षित वेब सीरीज 'दलदल' का ट्रेलर रिलीज कर दिया गया है, जो खून-खराबे और रोंगटे खड़े कर देने वाले हिंसक दृश्यों से भरपूर है। यह सीरीज 30 जनवरी से स्ट्रीम होने जा रही है। इससे पहले, पिछले साल 56वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में इसका अनावरण किया गया था। ट्रेलर में भूमि पेडनेकर रीता फरेरा के किरदार में नजर आ रही हैं, जो मुंबई की नवनियुक्त डीसीपी है। ट्रेलर की शुरुआत एक सिरफिरे आशिक से होती है, जो रीता को प्रेम पत्र देता है। इसके जवाब में रीता उसी पत्र को उसके मुंह में ठूंसने की कल्पना करती दिखाई देती हैं, जो उनके सख्त और बेखौफ अंदाज को दर्शाता है। इसके बाद कहानी तेजी से एक सीरियल किलर और पुलिस की जांच के इर्द-गिर्द घूमती है, जहां अपराधी और कानून के बीच चूहे-बिल्ली का खतरनाक खेल शुरू हो जाता है। ट्रेलर में कई ऐसे दृश्य हैं, जो कमजोर दिल वालों के लिए नहीं हैं और सीरीज की गंभीर, डार्क और हिंसक टोन को साफ

जम्मू-कश्मीर में छिपे पाकिस्तान के 50 'ए' ग्रेड दहशतगर्द

एजेंसी । श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा एजेंसियां एक बार फिर हाई अलर्ट पर हैं। खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, केंद्र शासित प्रदेश के विभिन्न हिस्सों में पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान से आए लगभग 50 'ए' ग्रेड दहशतगर्द छिपे हुए हैं। चौंकाने वाली बात यह है कि इनमें से अधिकांश आतंकियों ने 'अफगानिस्तान' फ्रंट पर युद्ध का कड़ा प्रशिक्षण लिया है। ये आतंकी न केवल अत्याधुनिक हथियारों से लैस हैं, बल्कि स्थानीय 'ओवर ग्राउंड वर्कर्स' (OGW) के मजबूत नेटवर्क का सुरक्षा कवच भी इस्तेमाल कर रहे हैं।

शहादत और वीरता की गाथा

पिछले कुछ वर्षों में राजौरी और कोकेरनाग जैसी जगहों पर सुरक्षा बलों ने भारी कीमत चुकाई है। कोकेरनाग में कर्नल मनप्रीत सिंह और मेजर आशीष जैसे जांबाज अधिकारियों की शहादत इस बात का प्रमाण है कि सीमा पार से भेजे गए आतंकी 'हाई रैंक' और 'हाईली ट्रेंड' हैं। इन आतंकियों में 'क्वारी' जैसे लश्कर के कमांडर शामिल रहे हैं, जो सीधे तौर पर पाकिस्तान-अफगानिस्तान फ्रंट से निर्देशित

चुनौती : अफगानिस्तान फ्रंट का प्रशिक्षण और दुर्गम ठिकाने

सुरक्षा एजेंसियों के सूत्रों का कहना है कि ये 'ए' ग्रेड आतंकी बेहद पेशेवर हैं। हाल ही में किश्तवाड़ के छातरू बेल्ट में एक ठिकाने का पता चला जो 12 हजार फीट से अधिक की ऊंचाई पर घने जंगलों के बीच बनाया गया था। हालांकि मुठभेड़ के बाद आतंकी भागने में सफल रहे, लेकिन वहां से मिले राशन, गैस सिलेंडर और टेंट ने यह साफ कर दिया है कि उन्हें स्थानीय स्तर पर रसद की निर्बाध आपूर्ति हो रही है।

ओवर ग्राउंड वर्कर का नेटवर्क तोड़ना बना चुनौती

200 'मददगारों' का जाल : रसद से लेकर मूवमेंट की सूचना तक

पूर्व डीजीपी एसपी वैद्य और रक्षा विशेषज्ञों का मानना है कि इन आतंकियों के पीछे 200 से अधिक ओवर ग्राउंड वर्कर्स सक्रिय हैं। ये मददगार केवल राशन और गैस ही नहीं पहुँचाते, बल्कि सुरक्षा बलों की हर मूवमेंट का अलर्ट भी आतंकियों तक पहुँचाते हैं। प्रतिबंधित संगठन 'जैश-ए-मोहम्मद' और 'लश्कर-ए-तैयबा' के ये स्लीपर सेल बिना इंटरनेट वाले मोबाइल फोन का इस्तेमाल करते हैं, जिससे उन्हें ट्रैक करना बेहद मुश्किल हो जाता है।

सरकारी महकमों में भी 'विभीषण' की आशंका

रक्षा विशेषज्ञ कैप्टन अनिल गौर (रिटायर्ड) के अनुसार, ओजीडब्लू के इस नेटवर्क में सरकारी विभागों के कुछ कर्मचारियों के शामिल होने की भी आशंका है। अतीत में भी वन, शिक्षा और राजस्व विभाग के कर्मचारियों पर आतंकियों की मदद के आरोप में कार्रवाई की जा चुकी है। ये लोग समाज में अपनी पहचान का फायदा उठाकर बिना किसी शक के आतंकियों को सुरक्षित रास्ता और रसद मुहैया कराते हैं।

घटते 'लोकल' और बढ़ते 'पाकिस्तानी' आतंकी

आर्मी चीफ उपेंद्र द्विवेदी द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, घाटी में अब स्थानीय आतंकियों की संख्या घटकर लगभग 10 रह गई है। 2024 और 2025 में मारे गए आतंकियों में से 65 फीसदी पाकिस्तानी मूल के थे। सुरक्षा बलों के लिए अब मुख्य चुनौती वे विदेशी आतंकी हैं जो नेपाल या बांग्लादेश बॉर्डर के रास्ते घुसपैठ कर कश्मीर पहुँच रहे हैं। वर्तमान में एलओसी और अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार करीब 8 आतंकी कैंप और लॉन्च पैड पर 120 आतंकी

शाह की समीक्षा : सर्दियों में घुसपैठ रोकने की रणनीति

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने हाल ही में एक उच्च-स्तरीय बैठक में सुरक्षा बलों को निर्देश दिया है कि सर्दियों में बर्फबारी का फायदा उठाकर होने वाली घुसपैठ को हर हाल में रोका जाए। बीएसएफ (BSF) अब बॉर्डर पर निगरानी के लिए उन्नत तकनीकी उपकरणों और सर्विलांस सिस्टम का सहारा ले रही है। हालांकि, अफगानिस्तान में ट्रेंड आतंकियों की मौजूदगी जम्मू-कश्मीर में बड़े हमलों की आशंका को सदैव बनाए रखती है।

मुखबिरों का जाल और बदलती तकनीक

आतंकी अब सामान्य संचार माध्यमों से बच रहे हैं, जिससे तकनीकी इंटेलिजेंस (TechInt) की सीमाएं सीमित हो गई हैं। अब सुरक्षा बल मुख्य रूप से 'ह्यूमन इंटेलिजेंस' (HumInt) और मुखबिरों के नेटवर्क पर निर्भर हैं। हालांकि, इन सूचनाओं को क्रॉस-चेक करना और घने जंगलों में ऑपरेशन्स को अंजाम देना जवानों के लिए जान जोखिम में डालने जैसा है।

हाथी का आतंक, अब तक 22 की ली जान

एजेंसी । पश्चिमी सिंहभूम

झारखंड के पश्चिमी सिंहभूम जिले में इस समय एक नर हाथी की काफी चर्चा है। उसने पिछले 20 दिनों से चाईबासा और कोलहान वन प्रभाग क्षेत्र में आतंक मचा रखा है। हाथी पूरी तरह काबू से बाहर है, जिसके कारण अब तक उसने 22 लोगों की जान ले ली है। मृतकों में बच्चे भी शामिल हैं। वन विभाग हाथी को पकड़ने की लगातार कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सफलता नहीं मिल रही। जिले में आतंक मचाने वाला हाथी 1 जनवरी से लोगों को मार रहा है। वह अपने झुंड से अलग हो गया है और प्रतिदिन 30 किलोमीटर चल रहा है। उसने सबसे पहले 1 जनवरी को 34 साल के मंगल सिंह हेम्ब्रम को कुचलकर मारा था, जिसके बाद से लगातार लोगों पर हमले जारी है। राज्य में पहली बार एक नर हाथी के कारण ऐसे हालात बने हैं। वन विभाग की प्राथमिकता हाथी को सुरक्षित जंगल पहुंचाने की है।

जंगल से लेकर घर तक मौत का तांडव

मंगल की मौत के बाद 1 जनवरी की रात बिरसिंह हातु में हाथी ने 62 साल के उरदुब बहॉदा को मार दिया। वे घटना के समय खेत में धान की रखवाली कर रहे थे। उसी रात ग्राम रोड़ो में 42 साल के विष्णु सुंडी को भी घर के बरामदे में सोते समय हाथी ने कुचल दिया। 6 जनवरी की रात नोवामुंडी प्रखंड स्थित बाबाड़िया गांव में झोपड़ी के नीचे सो रहे परिवार के 6 लोगों को हाथी ने मार दिया।

सोते समय बरामदे में युवक को कुचला

मंगल की मौत के बाद 1 जनवरी की रात बिरसिंह हातु में हाथी ने 62 साल के उरदुब बहॉदा को मार दिया। वे घटना के समय खेत में धान की रखवाली कर रहे थे। उसी रात ग्राम रोड़ो में 42 साल के विष्णु सुंडी को भी घर के बरामदे में सोते समय हाथी ने कुचल दिया।

न्यूज़ ब्रीफ

गणतंत्र दिवस पर दिखेगी 'वंदे मातरम्' के 150 वर्ष की गौरवशाली यात्रा

नई दिल्ली। संस्कृति मंत्रालय की झांकी सिर्फ एक मंत्रालय या एक विभाग की झांकी नहीं है। वह पूरे देश की भावनाओं को व्यक्त करने वाली, देश के इतिहास, देश की भावना को प्रकट करने वाली झांकी है। यह बात इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने संस्कृति मंत्रालय की झांकी के बारे में बताते हुए कही। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस के अवसर पर संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत की जाने वाली झांकी की थीम 'वंदे मातरम् के 150 वर्ष' निर्धारित की गई है। यह झांकी राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' की डेढ़ शताब्दियों लंबी प्रेरक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक यात्रा को सजीव रूप में प्रस्तुत करेगी।

नितिन ने चुनावी राज्यों की रणनीति तय की

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने बुधवार को देशभर के संगठन की समीक्षा की। बैठक में उन्होंने पश्चिम बंगाल में पार्टी के पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने का दावा करते हुए चुनाव वाले राज्यों के लिए रणनीति को अंतिम रूप दिया। उन्होंने पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु, केरल और पुदुचेरी जैसे चुनावी राज्यों को तय रणनीति पर प्रभावी अमल करने और पूरी ताकत से मैदान में उतरने के निर्देश दिए। बैठक को पूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी संबोधित किया। एक दिन पहले अध्यक्ष का कामकाज संभालते ही देर रात नवीन ने कई महत्वपूर्ण नियुक्तियां की थी। इसके बाद बुधवार को संगठन को लेकर मैराथन बैठक की। लगभग छह घंटे चली बैठक में अध्यक्ष के सामने सभी राज्यों ने अपनी संगठनात्मक तथा राजनीतिक रिपोर्ट पेश की।

जेल में प्रयोगों के लिए सोनम वांगचुक ने मांगे उपकरण

नई दिल्ली। सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो ने बुधवार को बताया कि उन्होंने जेल की वास्तुकला पर प्रयोग करने के लिए थर्मामीटर सहित कुछ उपकरण उपलब्ध कराने की अनुमति मांगी है। लद्दाख में हिंसा फैलाने के आरोप में सोनम वांगचुक इस समय जोधपुर जेल में बंद हैं। गीतांजलि ने एक्स पोस्ट में बताया कि वांगचुक जेल बैरक को पर्यावरण-अनुकूल बनाने से जुड़े प्रयोगों पर काम कर रहे हैं। इसके लिए उन्होंने जेल प्रशासन और उच्च न्यायालय से यह सवाल किया है कि क्या उन्हें थर्मामीटर जैसे बुनियादी उपकरण उपलब्ध कराए जा सकते हैं। उन्होंने बताया कि मंगलवार को उनकी सोनम वांगचुक से मुलाकात हुई थी।

उदयनिधि स्टालिन को मद्रास हाई कोर्ट से झटका

एजेंसी । चेन्नई

तमिलनाडु के उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन को मद्रास हाई कोर्ट से बड़ा झटका लगा है। कोर्ट ने उनके सनातन धर्म को लेकर दिए बयान को हेट स्पीच बताया है। कोर्ट ने कहा कि द्रविड़ मुन्नेत्र कड़गम (DMK) द्वारा हिंदू धर्म पर स्पष्ट हमला किया गया है। इसी के साथ कोर्ट ने भाजपा नेता अमित मालवीय के खिलाफ दर्ज FIR को भी रद्द कर दिया है। बता दें कि 2023 में उदयनिधि ने सनातन धर्म की तुलना बीमारियों से की थी।

कोर्ट ने सनातन धर्म पर बयान को नफरती भाषण माना

डीएमके ने हिंदू धर्म पर हमला किया : कोर्ट

कोर्ट ने कहा कि यह साफ है कि पिछले 100 साल में द्रविड़ कजगम और फिर DMK ने हिंदू धर्म पर हमला किया है। मंत्री इस पार्टी से ही हैं। हालात पर विचार करते हुए यह देखा गया है कि याचिकाकर्ता ने मंत्री के भाषण में छिपे हुए मतलब पर सवाल किया था। कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जताई कि जो लोग नफरती भाषण देते हैं।

कोर्ट ने ऐसे मामलों में कार्यवाही न होने पर निराशा जताई

कोर्ट ने आगे कहा कि यह न्यायालय बड़े दुख के साथ इस स्थिति को दर्ज करता है कि नफरती भाषण देने वालों को बिना किसी सजा के छोड़ दिया जाता है, जबकि ऐसे भाषणों पर प्रतिक्रिया देने वालों को कानून के शिकंजे में फंसना पड़ता है। कोर्ट प्रतिक्रिया देने वालों से पूछताछ तो कर रहे हैं, लेकिन नफरती भाषण देने वालों के खिलाफ कानून को अमल में नहीं ला रहे हैं।

'सुखना झील को और कितना सुखाओगे?'

- सुप्रीम कोर्ट ने नाराजगी जताते हुए बिल्डर माफियाओं को फटकारा
- सुप्रीम कोर्ट में अरावली पहाड़ियों पर खनन से जुड़े मुद्दे पर हुई सुनवाई

एजेंसी । नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट में आज अरावली पहाड़ियों पर खनन से जुड़े मुद्दे पर सुनवाई हुई। इस दौरान मुख्य न्यायाधीश (CJI) सूर्यकांत ने कहा कि रोक बावजूद भी अवैध खनन चल रहा है, इससे ऐसे हालात बनेंगे, जिन्हें सुधार नहीं सकेंगे। CJI सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और जस्टिस विपुल एम पंचोली की पीठ ने कहा कि वो इस मामले में विशेषज्ञ समिति का गठन करेगा। वहीं, चंडीगढ़ की सुखना झील को लेकर भी कोर्ट ने प्रशासन को फटकार लगाई।

'खनन नहीं रुका तो स्थिति हाथ से निकल जाएगी'

कोर्ट ने कहा कि अवैध खनन केवल पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाता, बल्कि इसके असर लंबे समय तक बने रहते हैं। अगर इसे समय रहते नहीं रोका गया तो स्थिति हाथ से निकल सकती है। कुछ तरह की अवैध गतिविधियां अब भी जारी हैं। अवैध खनन से ऐसे हालात बन सकते हैं, जिन्हें सुधारा नहीं जा सकेगा। इस दौरान राजस्थान सरकार की ओर से केएम नटराजन ने कहा है कि राज्य अवैध खनन रोकना तुरंत सुनिश्चित करेगा।

सुखना झील में अवैध निर्माण हो रहा : सुको

पीठ ने कहा, 'राज्य के अधिकारियों की मिलीभगत से बिल्डर माफिया सक्रिय है और आप सुखना झील को कितना सुखा देंगे। आपने झील को पूरी तरह से क्षतिग्रस्त कर दिया है। पंजाब में राजनीतिक दलों के समर्थन और नौकरशाहों की मिलीभगत से अवैध निर्माण हो रहे हैं, जिसके परिणामस्वरूप झील पूरी तरह से नष्ट हो रही है। वहां सभी बिल्डर माफिया सक्रिय हैं।' पीठ ने हरियाणा सरकार को पिछली गलतियों को न दोहराने की चेतावनी दी।

अरावली मामले में विशेषज्ञ समिति बनाएगा कोर्ट

कोर्ट ने कहा कि वह अरावली में खनन और संबंधित मुद्दों की व्यापक और समग्र जांच के लिए संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों वाली एक विशेषज्ञ समिति का गठन करेगा। पीठ ने अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी और एमिकस क्यूरी के परमेश्वर को 4 हफ्ते के भीतर खनन में विशेषज्ञता रखने वाले पर्यावरणविदों और वैज्ञानिकों के नाम सुझाने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा कि समित कोर्ट के निर्देशन और पर्यवेक्षण में काम करेगी।

अरावली को लेकर क्या है विवाद?

सुप्रीम कोर्ट ने पिछले साल 20 नवंबर को अरावली श्रृंखला की 100 मीटर से नीचे की छोटी पहाड़ियों और ढलानों को 'अरावली' की श्रेणी से बाहर कर दिया था। इससे इन पहाड़ियों पर खनन का रास्ता खुल गया था। कोर्ट के इस फैसले का पूरे देश में भारी विरोध हुआ था। इसके बाद केंद्र सरकार ने अरावली में खनन पर रोक लगा दी। 29 दिसंबर को सुप्रीम कोर्ट ने भी अपने आदेश पर रोक लगा दी।

बंगाल में एसआईआर के डर से बुजुर्ग ने दी जान

चुनाव आयोग पर उकसाने का आरोप, एफआईआर दर्ज

एजेंसी । कोलकाता

पश्चिम बंगाल के पुरुलिया जिले में एक बुजुर्ग की मौत के मामले में चुनाव आयोग के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। 82 वर्षीय बुजुर्ग ने कथित रूप से विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) प्रक्रिया के चलते आत्महत्या कर ली। बुधवार को एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि उनके बेटे की शिकायत पर 23 दिन बाद यह मामला दर्ज हुआ है। इस घटना ने राज्य में मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया पर नए सवाल खड़े कर दिए हैं।

उकसाने और साजिश के लगे आरोप

अधिकारी ने बताया कि पुरुलिया जिले के पारा पुलिस स्टेशन में चुनाव आयोग के अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। केस में चुनाव आयोग के अधिकारियों पर उकसाने और आपराधिक साजिश के आरोप हैं। हालांकि, प्राथमिकी में किसी अधिकारी का नाम नहीं लिया गया। मृतक दुर्जन माझी पारा ब्लॉक के चौताला गांव के एक आदिवासी थे। उन्हें मतदाता सूची पुनरीक्षण (SIR) की सुनवाई के लिए ब्लॉक कार्यालय में पेश होना था, लेकिन कुछ घंटे पहले ही उन्होंने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। माझी के परिवार ने आरोप लगाया कि उन्होंने मतदाता सूची की स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (SIR) की चिंता से अपनी जान दी। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर आरोप लगाया कि एसआईआर प्रक्रिया से लोगों में डर पैदा किया जा रहा है। बीजेपी और चुनाव आयोग ने अब तक इस आरोप पर कोई जवाब नहीं दिया।

राज्यपाल ने संयुक्त सत्र को संबोधित करने से किया इनकार

एजेंसी । बंगलूरू

केरल और तमिलनाडु के बाद अब कर्नाटक में राज्य सरकार और राज्यपाल के बीच विवाद खड़ा हो गया है। कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 22 जनवरी को राज्य विधानसभा के संयुक्त सत्र को संबोधित करने से इनकार कर दिया है। इससे पहले तमिलनाडु के राज्यपाल आर.एन. रवि मंगलवार को विधानसभा में अपना उद्घाटन भाषण देने से पहले ही बाहर चले गए थे। उन्होंने राष्ट्रगान के प्रति अनादर की भावना व्यक्त करते हुए निराशा जताई थी। वहीं

केरल में मंगलवार को तब विवाद उत्पन्न हो गया जब मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने विधानसभा में राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर के संबोधन समाप्त करने के तुरंत बाद आरोप लगाया था कि उन्होंने राज्य मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित नीतिगत भाषण को पूरी तरह नहीं पढ़ा।

संयुक्त सत्र से इनकार क्यों अहम है?

कर्नाटक विधानसभा का संयुक्त सत्र 22 से 31 जनवरी तक प्रस्तावित है और इसकी शुरुआत परंपरागत रूप से राज्यपाल के संबोधन से होती है। लेकिन राज्यपाल द्वारा संबोधन से इनकार के बाद स्थिति असमंजस भरी हो गई है। राज्य सरकार की ओर से कानून एवं संसदीय कार्य मंत्री एच.के. पाटिल के नेतृत्व में एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल राजभवन पहुंचकर राज्यपाल से मुलाकात करने वाला है। फिलहाल राज्यपाल के इनकार के स्पष्ट कारण सामने नहीं आए हैं।

मजबूत लोकतंत्र के लिए एसआईआर जरूरी: ज्ञानेश कुमार

एजेंसी । नई दिल्ली

राजनीतिक दलों के विरोध के बीच देश के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को स्वस्थ और मजबूत लोकतंत्र के लिए 'शुद्ध मतदाता सूची' की वकालत करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को सही ठहराया। 'लोकतंत्र और चुनाव प्रबंधन' विषय पर आयोजित तीन दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए सीईसी कुमार ने हाल ही में संपन्न बिहार विधानसभा चुनाव का जिक्र किया और राज्य में हुए एसआईआर को सफल बताया। दुनियाभर के चुनाव प्रबंधन निकायों के प्रमुखों व प्रतिनिधियों के समक्ष सीईसी कुमार ने कहा कि 'बिहार में एसआईआर के दौरान न तो गलत (अयोग्य) लोगों का नाम मतदाता सूची में जुड़ा और न ही सही लोगों का नाम कटा।'

सर्वेक्षण

विभिन्न देशों के लोगों के आत्मविश्वास को लेकर ईसीएफआर ने जारी किया सर्वेक्षण

भविष्य को लेकर भारतीय सबसे ज्यादा आशावादी

- 73 प्रतिशत भारतीयों का भरोसा बेहतर होगा देश का भविष्य, दूसरे स्थान पर चीन

एजेंसी । नई दिल्ली

वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक अस्थिरता और आर्थिक अनिश्चितताओं के बावजूद, भारतीय नागरिक अपने देश के भविष्य को लेकर दुनिया में सबसे अधिक उत्साहित और आश्वस्त हैं। 'यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस' द्वारा दुनिया की 21 बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में किए गए एक व्यापक सर्वेक्षण में यह तथ्य सामने आया है कि 73 प्रतिशत भारतीयों को अटूट विश्वास है कि उनका देश आने वाले समय में और बेहतर करेगा।

देशों की रैंकिंग : कौन कितना आश्वस्त?

देश / क्षेत्र	भविष्य को लेकर आशावादी (%)
भारत	73%
चीन	72%
ब्राजील	36%
स्विट्जरलैंड	28%
तुर्की	22%
यूएसए	21%
यूरोपीय संघ (EU)	18%
ब्रिटेन	09%

चीन दूसरे स्थान पर, ब्राजील की स्थिति में सुधार

चीन इस सूची में भारत से मात्र एक प्रतिशत पीछे (72%) दूसरे स्थान पर है। चीनी नागरिकों का मानना है कि उनकी आर्थिक नीतियां उन्हें भविष्य में और मजबूती प्रदान करेंगी। वहीं, ब्राजील 36 प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर है, जो दक्षिण अमेरिकी क्षेत्र में बढ़ते आत्मविश्वास को दर्शाता है।

अमेरिका में भारी संशय : 79% लोग चिंतित

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था अमेरिका में स्थिति काफी चिंताजनक है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे कार्यकाल (2025-2029) की शुरुआत और उनकी आक्रामक नीतियों के बीच केवल 21 प्रतिशत अमेरिकी ही भविष्य को लेकर सकारात्मक हैं।

यूरोपीय संघ : निराशा का घेरा

यूरोपीय संघ (EU) के 10 प्रमुख देशों (जर्मनी, फ्रांस, स्पेन, पोलैंड आदि) में भी निराशा का माहौल है। यहाँ औसतन केवल 18 प्रतिशत लोगों को लगता है कि उनका देश सही दिशा में है। ऊर्जा संकट, यूक्रेन युद्ध के प्रभाव और धीमी विकास दर ने यूरोपीय नागरिकों के मनोबल को प्रभावित किया है।